वर्ष-32, अंक- 131, पृष्ठ-12 | फाल्गुन शुक्ल पक्ष 07, संवत 2082 | डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

डालटनगंज (मेदिनीनगर)
मंगलवार
24 फरवरी 2026

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

मूल्य 2 रु.

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

पलामू के सभी नगर निकाय का औसत वोट प्रतिशत 64.01

क्लोज ऑफ पोल तक सभी नगर निकायों में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई मतदान प्रक्रिया

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2026 के तहत पलामू जिले के सभी नगर निकायों में मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो गई। मतदान समाप्ति (क्लोज ऑफ पोल) तक जिले का औसत मतदान प्रतिशत 64.01 दर्ज किया गया। दिनभर मतदाताओं में उत्साह देखा गया और विभिन्न केंद्रों पर महिला एवं युवा मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी उल्लेखनीय रही।

जिले के पांचों नगर निकायों में सुबह निर्धारित समय पर मतदान प्रारंभ हुआ। प्रारंभिक घंटों में मतदान की रफ्तार सामान्य रही, लेकिन दोपहर बाद कई बूथों पर मतदाताओं की कतारें लंबी होती गईं। शाम तक मतदान प्रतिशत में लगातार वृद्धि दर्ज की गई। प्रशासन द्वारा जारी अंतिम आंकड़ों के अनुसार मेदिनीनगर नगर निगम में 58.46 प्रतिशत मतदान हुआ। वहीं छतरपुर में सर्वाधिक 68.45 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

हरिहरगंज में 65.24 प्रतिशत, हुसैनाबाद में 60.03 प्रतिशत तथा विश्रामपुर में 67.85 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

मतदान को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पुलिस बल के साथ दंडाधिकारी की तैनाती की गई थी तथा संवेदनशील बूथों पर विशेष निगरानी रखी गई। वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने विभिन्न केंद्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

कुछ मतदान केंद्रों पर मतदान समय समाप्त होने के बाद भी मतदाताओं की कतार लगी रही। नियमानुसार निर्धारित समय तक कतार में खड़े सभी मतदाताओं को मतदान करने का अवसर दिया गया। इसके पश्चात क्लोज ऑफ पोल की प्रक्रिया पूरी की गई। मतदान संपन्न होने के बाद मतपेटियों एवं आवश्यक अभिलेखों को सुरक्षित रूप से सील कर निर्धारित स्थानों पर कड़ी सुरक्षा के बीच जमा कराया गया।

इस बार नगर निकाय चुनाव को लेकर मतदाताओं में विशेष रुचि देखी गई। स्थानीय मुद्दों, बुनियादी सुविधाओं और विकास कार्यों को लेकर मतदाताओं ने सक्रिय भागीदारी दिखाई। महिला मतदाताओं की संख्या भी उल्लेखनीय रही, जिससे मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी हुई।

अब सभी की निगाहें मतगणना पर टिकी हैं। मतगणना की तिथि पर प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला होगा। प्रशासन ने मतगणना को भी पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने की तैयारी पूरी कर ली है। जिले में कुल मिलाकर चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण, व्यवस्थित और उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुई।

निकाय चुनाव में संध्या पांच बजे तक हुआ 61.84 प्रतिशत मतदान

झारखंड में नगर निकाय चुनाव संपन्न प्रत्याशियों की किस्मत मतपेटियों में बंद

- कुछ जगह पर झड़प के बीच सामान्यत: शांतिपूर्ण हुआ चुनाव
- सरायकेला नगर पंचायत में सबसे ज्यादा 75.35 प्रतिशत वोटिंग
- रांची नगर निगम के लिए सबसे कम वोटिंग, 43.28 प्रतिशत मतदान

नवीन मेल डेस्क

रांची। राज्य में नगर निकाय चुनाव के तहत विभिन्न नगर निगमों, नगर परिषदों और नगर पंचायतों के लिए मतदान सोमवार की शाम में 05:00 बजे संपन्न हो गया। मेयर और अध्यक्ष तथा वार्ड पार्षद के प्रत्याशियों की किस्मत मतपेटियों में बंद हो गए। आगामी शुक्रवार (27 फरवरी 2026) को सुबह 08:00 बजे से मतगणना होगी और उसके बाद प्रत्याशियों की जीत-हार का पता चलेगा। झारखंड में इस बार नगर निकाय चुनाव बैलेट पेपर से हुआ है।

शाम पांच बजे तक राज्यभर में 61.84 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज किया गया। सबसे अधिक मतदान सरायकेला नगर पंचायत में 75.35 प्रतिशत हुआ। सबसे कम वोटिंग रांची नगर निगम के लिए 43.28 प्रतिशत हुई। छिटपुट घटनाओं को छोड़कर राज्य में मतदान सामान्य रूप से शांतिपूर्ण रहा। मतदान समाप्त होने के बाद संध्या में पोलिंग पार्टियां बैलेट बॉक्स को जमा कराने के लिए वज्रगृह लेकर आ गई थीं और जमा करा रही थीं। राज्य के नौ नगर निगमों रांची, धनबाद, देवघर, आदित्यपुर, चास, मेदिनीनगर, हजारीबाग, गिरिडीह और मानगो के साथ 20 नगर परिषद और 19 नगर पंचायतों के लिए सुबह सात बजे से मतदान शुरू हुआ। सभी निकायों में कुल 4304 मतदान केंद्र बनाए गए थे। इन मतदान केंद्रों पर सुबह से ही मतदाताओं की लंबी कतारें देखी गईं। मतदान के दौरान राज्य में कुछ स्थानों से मारपीट, बोगस वोटिंग, विवाद और अव्यवस्था की शिकायतें सामने आती रहीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बोकारो के चास क्षेत्र में एक बूथ पर हुए हंगामा के दौरान पुलिस और प्रत्याशी के समर्थकों के बीच झड़प में डीएसपी प्रवीण सिंह घायल हो गए। यहां भोजपुर कॉलोनी में फर्जी मतदान के आरोप में तीन महिलाओं को हिरासत में लिया गया, जिससे कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति बनी रही। धनबाद नगर निगम के वार्ड 27 स्थित एक मतदान केंद्र पर दो प्रत्याशियों के समर्थकों के बीच मारपीट हुई, जबकि वार्ड 22 में बूथ लूटने के प्रयास और प्रत्याशी के भाई के साथ मारपीट की घटना सामने आई। शेष पेज 11 पर...

नगर निकाय चुनाव 2026 में संध्या 05:00 बजे तक मतदान प्रतिशत

नगरपालिका	मतदान प्रतिशत	नगरपालिका	मतदान प्रतिशत
गढ़वा नगर परिषद (वर्ग ख)	63.32	मिहिजाम नगर परिषद (वर्ग-ख)	60.14
श्री बंशीधरनगर नगर पंचायत	63.07	जामताड़ा नगर पंचायत	61.45
मझिआंव नगर पंचायत	62.80	धनबाद नगर निगम (वर्ग-क)	48.00
लातेहार नगर पंचायत	66.12	चिरकुंडा नगर परिषद (वर्ग ख)	60.14
चतरा नगर परिषद (वर्ग ख)	68.00	चास नगर निगम	49.76
हजारीबाग नगर निगम	49.95	फुसरो नगर परिषद (वर्ग-ख)	58.37
झुमरीतिलैया नगर परिषद (वर्ग ख)	58.82	रामगढ़ नगर परिषद (वर्ग-क)	65.63
कोडरमा नगर पंचायत	56.89	लोहरदगा नगर परिषद (वर्ग-ख)	66.86
डोमचांच नगर पंचायत	54.16	गुमला नगर परिषद (वर्ग-ख)	59.79
गिरिडीह नगर निगम	60.00	खूंटी नगर पंचायत	64.02
बड़कीसरैया नगर पंचायत	63.74	रांची नगर निगम (वर्ग-क)	43.28
धनवार नगर पंचायत	65.22	बुंडू नगर पंचायत	74.00
देवघर नगर निगम	52.92	सिमडेगा नगर परिषद (वर्ग-ख)	67.83
मधुपुर नगर परिषद (वर्ग ख)	67.50	चक्रधरपुर नगर परिषद (वर्ग-ख)	57.95
गोड्डा नगर परिषद (वर्ग-ख)	60.94	चाईबासा नगर परिषद (वर्ग ख)	61.72
महागामा नगर पंचायत	70.45	आदित्यपुर नगर निगम	54.96
साहेबगंज नगर परिषद (वर्ग-ख)	57.58	कपाली नगर परिषद (वर्ग ख)	57.29
राजमहल नगर पंचायत	67.85	सरायकेला नगर पंचायत	75.35
बरहरवा नगर पंचायत	73.58	मानगो नगर निगम	50.70
पाकुड़ नगर परिषद (वर्ग-ख)	66.30	जुगसलाई नगर परिषद (वर्ग-ख)	59.60
दुमका नगर परिषद (वर्ग-ख)	60.34	चाकुलिया नगर पंचायत	72.90
बासुकीनाथ नगर पंचायत	74.10	**औसत**	**61.84**

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने किया मतदान

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सोमवार को नगर निकाय चुनाव के तहत रांची स्थित श्रीकृष्ण लोक प्रशासन संस्थान में बनाए गए मतदान केंद्र पर पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वोट देने के बाद राज्यपाल ने कहा कि मतदान लोकतंत्र का एक अनिवार्य एवं सशक्त अंग है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अपने मताधिकार का अवश्य प्रयोग करें और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाएं। राज्यपाल संतोष गंगवार ने नागरिकों से स्वेच्छा, निष्पक्षता और जिम्मेदारी के साथ मतदान करने का आग्रह करते हुए कहा कि ऐसे जनप्रतिनिधियों का चयन किया जाना चाहिए, जो क्षेत्र, शहर एवं प्रदेश के समग्र विकास के प्रति संवेदनशील और प्रतिबद्ध हों।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पत्नी कल्पना सोरेन संग डाला वोट

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को अपनी धर्मपत्नी एवं गांडेय विधायक कल्पना सोरेन के साथ राजधानी में रांची नगर निगम के चुनाव में मतदान किया। मुख्यमंत्री रांची के हरमू स्थित संत कुलदीप स्कूल में बने मतदान केंद्र पहुंचे और अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

मतदान केंद्र पर मुख्यमंत्री के पहुंचते ही समर्थकों और आम लोगों में उत्साह का माहौल देखा गया। कई लोग उनसे मिलने और कल्पना सोरेन के साथ तस्वीर लेने को उत्सुक दिखे। हालांकि, मुख्यमंत्री और उनकी पत्नी ने आम मतदाता की तरह कतार में खड़े होकर शांतिपूर्वक मतदान किया। वोट डालने के बाद मुख्यमंत्री और विधायक कल्पना सोरेन ने अपनी उंगली पर लगी स्याही दिखाते हुए फोटो खिंचवाई।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मीडिया से बातचीत के क्रम में राज्यवासियों से अपील की कि वे भी अधिक से अधिक संख्या में घरों से निकलकर मतदान करें। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं और महिलाओं से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। सीएम सोरेन ने कहा कि हर एक वोट कीमती है और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

झारखंड के वरिष्ठतम पत्रकार बलबीर दत्त पहली बार नहीं दे पाए वोट

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड के एकमात्र पद्मश्री से सम्मानित वरिष्ठतम पत्रकार बलबीर

दत्त 90 वर्ष से भी अधिक आयु में अपनी मतदाता की जिम्मेदारी निभाने जब अपने आवास के पास गौरीदत्त मंडेलिया विद्यालय पहुंचे, तो वहां उनका नाम नहीं था। वहां से सपरिवार पास के श्रद्धानंद विद्यामंदिर गएद्ध वहां उनके सुपुत्र रोहित दत्त का नाम मिला, पर अन्य के नाम नहीं मिले। उसके बाद सभी लोग केबी गर्ल्स स्कूल गए, पर वहां भी नाम नहीं मिले। इस तरह आधा दिन निकल गया और दत्त परिवार के किसी भी सदस्य को वोट देने का अवसर नहीं मिला। पद्मश्री बलबीर दत्त ने इस विषय पर बताया कि वर्ष 1952 से मतदान की प्रक्रिया चल रही है और वे वर्ष 1957 से लगातार वोट देते आ रहे हैं। यह पहला अवसर है कि उन्हें मतदान से वंचित होना पड़ा और वेबसाइट पर भी जानकारी अपडेट नहीं की गई है।

शेष पेज 11 पर...

एक नजर

चतरा में एयर एंबुलेंस हेलीकॉप्टर क्रैश, रांची से दिल्ली जा रहा था विमान, पांच लोग सवार; राहत-बचाव कार्य जारी

चतरा। झारखंड के चतरा जिले में सोमवार को एक बड़ा हादसा हो गया। रांची से दिल्ली जा रहा एक एयर एंबुलेंस हेलीकॉप्टर सिमरिया थाना क्षेत्र के खसियातु करम टांड जंगल में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हेलीकॉप्टर में पायलट समेत कुल पांच लोग सवार थे। चतरा के पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल ने हेलीकॉप्टर क्रैश होने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस एवं प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई है तथा राहत एवं बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एयर एंबुलेंस रांची से एक मरीज को इलाज के लिए दिल्ली ले जा रही थी। उड़ान के दौरान हेलीकॉप्टर अचानक रडार से गायब हो गया। बाद में पता चला कि वह सिमरिया थाना क्षेत्र के जंगल इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। हेलीकॉप्टर में पायलट के अलावा एक मरीज, उसके परिवार का एक सदस्य, एक डॉक्टर और एक मेल नर्स सवार थे। फिलहाल सभी की स्थिति के संबंध में आधिकारिक जानकारी की प्रतीक्षा की जा रही है। प्रशासन द्वारा क्षेत्र की घेराबंदी कर जांच प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

99 प्रतिशत डार्क मैटर से बनी है 'सीडीजी-2'

वाशिंगटन (हि.स.)। अमेरिका की अंतरिक्ष अन्वेषण, वैमानिकी अनुसंधान और नागरिक अंतरिक्ष कार्यक्रमों की सरकारी एजेंसी राष्ट्रीय वैमानिकी और अंतरिक्ष प्रशासन (नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन) यानी नासा के खगोलविदों ने हबल स्पेस टेलीस्कोप की मदद से डार्क मैटर से बनी भूतिया आकाशगंगा (घोस्ट गैलेक्सी) का पता लगाया है। यह 99 प्रतिशत डार्क मैटर से बनी है। खगोलविदों का दावा है कि यह रहस्यमयी आकाशगंगा में से एक कैंडिडेट डार्क गैलेक्सी 2 (सीडीजी-2) है। नासा ने इस उपलब्धि का विवरण अपनी वेबसाइट पर अपलोड किया है। इसमें कहा गया है कि हबल स्पेस टेलीस्कोप से ली गई इस तस्वीर में दिखाई गई कम सतह वाली गैलेक्सी 'सीडीजी-2' में डार्क मैटर ज्यादा है और इसमें तारों का बहुत कम बिखराव है। यह गैलेक्सी लगभग दिखाई नहीं देती, लेकिन एडवांस्ड स्टैटिस्टिकल टेक्नीक का इस्तेमाल करके वैज्ञानिकों ने तारों के छोटे समूह (ग्लोब्युलर क्लस्टर) की खोज करके इसकी पहचान की।

स्कूल से लौट रही छात्रा की सड़क हादसे में मौत, विरोध में रांची-चतरा मार्ग जाम

मुआवजा और नो-एंट्री की मांग को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन, चालक हिरासत में

बालूमाथ (लातेहार)। बालूमाथ–मैक्लुस्कीगंज मुख्य मार्ग पर सीसीएल कार्यालय के समीप सोमवार को बालू लदे ट्रैक्टर की टक्कर से एक छात्रा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने रांची–चतरा मुख्य मार्ग स्थित मुरपा मोड़ चौक को जाम कर दिया, जिससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई।

मृतका की पहचान सुमन कुमारी (20 वर्ष), पिता रमेश्वर उरांव, ग्राम व पंचायत बसिया, थाना बालूमाथ के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह अपने भाई के साथ बालूमाथ हाई स्कूल से शैक्षणिक कार्य पूरा कर बाइक से घर लौट रही थी। इसी दौरान सीसीएल कार्यालय के पास बालू लदे ट्रैक्टर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई और छात्रा ट्रैक्टर के नीचे आ गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रैक्टर का चक्का चढ़ जाने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग बड़ी संख्या में घटनास्थल पर जुट गए। आक्रोशित ग्रामीणों ने मृतका के परिजनों को 10 लाख रुपये मुआवजा, एक सदस्य को नौकरी तथा सुबह से शाम तक भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाने की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने क्षेत्र में भारी वाहनों के अनियंत्रित परिचालन पर भी सवाल उठाते हुए प्रशासन से ठोस कार्रवाई की मांग की।

जाम की सूचना पर बालूमाथ थाना प्रभारी और अंचलाधिकारी मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर चालक को हिरासत में ले लिया है। वाहन को भी जब्त कर लिया गया है। मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार हो रहे सड़क हादसों के बावजूद भारी वाहनों के परिचालन पर प्रभावी नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। उन्होंने प्रशासन से दुर्घटना-प्रवण क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था सख्त करने की मांग की है।

अबुआ बजट : आम से लेकर खास तक की टिकी हुई हैं निगाहें

वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट आज होगा पेश

- राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर विधानसभा में पेश करेंगे बजट

नवीन मेल डेस्क

रांची। राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर मंगलवार (24 फरवरी) को झारखंड विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट पेश करेंगे। हेमंत सोरेन सरकार के इस वर्ष के 'अबुआ बजट' पर आम से लेकर खास तक की निगाहें टिकी हुई हैं कि इसमें किन क्षेत्रों को प्राथमिकता मिलेगी और विकास के रफ्तार को कितनी शक्ति मिलेगी। साथ ही, यह बजट क्या राज्य के विकास और युवाओं को राजगार देने के मामले में उममीदों पर खरा

उतरेगा?

राज्य का वर्ष 2026-27 का बजट कई मायनों में अहम हो सकता है। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार, राज्य सरकार इस बजट में औद्योगिक निवेश, रोजगार सृजन, शिक्षा, स्वास्थ्य और शहरी विकास विकास पर ज्यादा ध्यान केंद्रित कर सकती है। साथ ही, महिला सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं का दायरा बढ़ाया जा सकता है। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को और सशक्त किया जा सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट 1.55 लाख करोड़ से 1.60 करोड़ के बीच हो सकता है। ज्ञात हो कि वित्तीय वर्ष 2025-26 का 'अबुआ बजट' लगभग 1.45 लाख करोड़ का था। राज्य में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2026-27 में बजट की राशि में बढ़ोतरी की जा सकती है। इससे नई योजनाओं के लिए अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में खास बात थी 'मंईयां सम्मान योजना।' इसके लिए करीब 13,363 करोड़ का बजटीय प्रावधान किया गया था। राज्य की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना 'मंईयां सम्मान योजना' का उद्देश्य था। इस योजना का लाभ 18 से 50 वर्ष की महिलाओं को दिया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट यह तय करेगा कि हेमंत सोरेन सरकार राज्य के विकास की दिशा को कितना मजबूती प्रदान करती है।

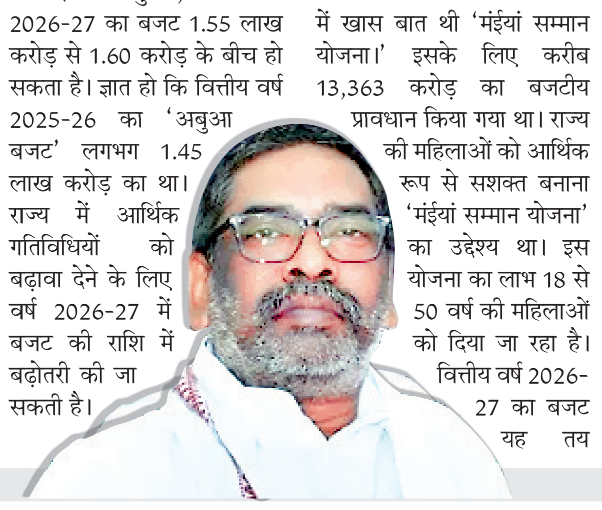

इन क्षेत्रों पर रह सकता है फोकस

- उद्योगों को मजबूत करने के लिए निवेश को बढ़ावा।
- रोजगार सृजन को बढ़ाते हुए स्वरोजगार को भी बढ़ावा।
- शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करते हुए गुणवत्ता में सुधार करना।
- शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का विकास करना।
- महिलाओं और जनजातीय समाज का सशक्तिकरण।
- राज्य में स्टार्टअप को बढ़ावा देना।

हुसैनाबाद नगर पंचायत चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न, 59.86 प्रतिशत हुआ मतदान

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद (पलामू)। हुसैनाबाद नगर पंचायत में चुनाव निष्पक्ष और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो गया। नगर के सभी 16 वार्डों में बनाए गए 29 मतदान केंद्रों पर सुबह सात बजे से ही मतदाताओं की भीड़ देखी गई। महिला और पुरुष मतदाता कतार में खड़े होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करते नजर आए। मतदान प्रतिशत लगातार बढ़ता रहा। सुबह 9 बजे तक 13.41 प्रतिशत, 11 बजे तक 28.02 प्रतिशत, दोपहर 1 बजे तक 41.46 प्रतिशत और तीन बजे तक 53.41 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। शाम 5 बजे तक कुल 59.86 प्रतिशत मतदान के साथ चुनाव प्रक्रिया संपन्न हो गई। कुल 14,400 मत पड़े। स्वच्छ एवं निर्भीक मतदान सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा। निर्वाची पदाधिकारी सह भूमि उपसमाहर्ता गौरांग महतो, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एस. मोहम्मद याकूब, बीडीओ सुनील वर्मा, थाना प्रभारी चंदन कुमार सहित अन्य अधिकारी लगातार बूथों का निरीक्षण करते रहे। सभी मतदान केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी।

अधिकारियों ने किया मतदान केंद्र का निरीक्षण

हुसैनाबाद। नगर निकाय चुनाव 2026 के तहत हुसैनाबाद नगर पंचायत क्षेत्र में मतदान शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष वातावरण में संपन्न हुआ। चुनाव प्रक्रिया की निगरानी के लिए निर्वाची पदाधिकारी सह एलआरडीसी गौरांग महतो एवं एसडीपीओ एस. मोहम्मद याकूब ने विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मतदान कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा सुरक्षा एवं मतदाताओं की सुविधाओं की समीक्षा की। थाना प्रभारी चंदन कुमार ने भी कई बूथों का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। सुबह से ही विभिन्न वार्डों में मतदाताओं की लंबी कतारें देखी गईं। युवा, महिलाएं एवं बुजुर्गों ने उत्साहपूर्वक मतदान किया। प्रशासन की सतर्कता और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होने की सूचना है।

जलमीनार निर्माण के साढ़े तीन साल बाद भी बकाया राशि का भुगतान नहीं

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। पंसा पंचायत स्थित कैलाश सिंह उच्च विद्यालय में 15वें वित्त आयोग मद से अगस्त 2022 में स्थापित सोलर आधारित जलमीनार की निर्माण राशि का पूर्ण भुगतान अब तक नहीं किया गया है। जलमीनार से विद्यालय की पेयजल समस्या का समाधान हो चुका है, लेकिन लाभुक समिति को पूरी राशि नहीं मिलने से आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि अन्य योजनाओं की राशि का भुगतान हो चुका है, लेकिन इस मद में आवंटन की कमी बताकर भुगतान टाला जा रहा है। लाभुक समिति ने उपायुक्त से मामले की जांच कर बकाया राशि दिलाने की मांग की है।

ट्रेन की चपेट में आने से महिला की दर्दनाक मौत

रोहतास से देवी धाम आई मानसिक रूप से अस्वस्थ महिला की गई जान

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। पूर्व मध्य रेलवे के बीडी सेक्शन अंतर्गत हैदरनगर थाना क्षेत्र के बहेरा गांव के समीप रेलवे ट्रैक पर एक महिला का शव बरामद किया गया। जानकारी के अनुसार जपला–हैदरनगर रेल मार्ग के बीच रेल खंभा संख्या 360/09A के पास ट्रेन की चपेट में आने से महिला की दर्दनाक मौत हो गई। शव मिलने की सूचना पर आसपास के ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी रेलवे एवं पुलिस प्रशासन को दी। सूचना मिलते ही हैदरनगर थाना पुलिस और रेलवे विभाग की टीम मौके पर पहुंची। आवश्यक प्रक्रिया पूरी करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हुसैनाबाद अनुमंडल अस्पताल भेज दिया गया। बाद में मृतका की पहचान रोहतास जिला के नासरीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत पटरी गांव निवासी सुषमा देवी के रूप में हुई। परिजनों के अनुसार महिला का मानसिक संतुलन कुछ समय से ठीक नहीं था और उन्हें हैदरनगर देवी धाम में इलाज के लिए लाया गया था। सूचना मिलने पर परिजन थाना पहुंचे और शव की शिनाख्त की। थाना प्रभारी अफजल अंसारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है तथा आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। पोस्टमार्टम के बाद आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

मारपीट मामले को लेकर पांकी में धानुक समाज का विरोध प्रदर्शन

पांकी। थाना क्षेत्र में हुए मारपीट मामले को लेकर धानुक समाज के लोगों ने सोमवार को जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। समाज के सैकड़ों महिला-पुरुष सड़क पर उतरकर दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की। जानकारी के अनुसार रविवार को उकसु बरवाडीह में दो पक्षों के बीच विवाद हुआ था। आरोप है कि इसी क्रम में बनखेता निवासी समाजसेवी नरेंद्र सिंह पर पांकी मुख्य चौक पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। घायल नरेंद्र सिंह ने बताया कि वे पान दुकान पर खड़े थे, तभी लाठी-डंडे से लैस लोगों ने उन पर हमला कर दिया और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया। इस संबंध में थाना प्रभारी राजेश रंजन ने बताया कि दोनों पक्षों से लिखित आवेदन प्राप्त हुआ है और जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी। धानुक समाज के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह ने 48 घंटे के भीतर दोषियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर पांकी बंद और चक्का जाम की चेतावनी दी है।

एमके इंटर कॉलेज पांकी के 395 विद्यार्थियों का एडमिट कार्ड जारी नहीं

- विशेष परीक्षा की तिथि शीघ्र घोषित करने की मांग

नवीन मेल संवाददाता

पलामू। छात्रहित सर्वोपरि मंच (पलामू जिला इकाई) ने पांकी प्रखंड अंतर्गत डंडार कला स्थित मजदूर किसान इंटर कॉलेज के 11वीं कक्षा के 395 छात्र-छात्राओं का एडमिट कार्ड जारी नहीं होने के मामले को गंभीर बताते हुए विशेष परीक्षा की तिथि शीघ्र घोषित करने की मांग की है। मंच के पलामू जिला अध्यक्ष दीपू कुमार सिंह एवं प्रतिनिधि शिवदत्त कुमार ने सोमवार को कॉलेज का दौरा कर विद्यार्थियों एवं कॉलेज प्रबंधन से विस्तृत बातचीत की। जानकारी के अनुसार, कॉलेज में निर्धारित सीट से अधिक नामांकन लिए जाने के कारण झारखंड अधिविद्य परिषद (जैक) द्वारा केवल स्वीकृत सीटों के अनुरूप ही प्रवेश पत्र जारी किया गया। परिणामस्वरूप 395 छात्र-छात्राएं परीक्षा से वंचित हो गए, जिससे उनके शैक्षणिक भविष्य पर संकट उत्पन्न हो गया है। विद्यालय प्रबंधन ने लिखित रूप से आश्वासन दिया है कि सत्र 2025-27 की ग्यारहवीं परीक्षा 2026 से वंचित विद्यार्थियों के लिए एक माह के भीतर विशेष परीक्षा आयोजित की जाएगी। इस संबंध में 18 फरवरी 2026 को रांची में परिषद की परीक्षा समिति की बैठक, जैक अध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित हुई, जिसमें विशेष परीक्षा कराने का निर्णय लिया गया है। विद्यालय प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर विशेष परीक्षा आयोजित नहीं होती है तो इसकी नैतिक जिम्मेदारी विद्यालय प्रबंधन की होगी। प्राचार्य सहित सभी कर्मचारी सामूहिक रूप से पदत्याग करने की बात कही है। छात्रहित सर्वोपरि मंच ने परिषद से मांग की है कि विशेष परीक्षा की तिथि, परीक्षा केंद्र एवं आवश्यक दिशा-निर्देश अविलंब जारी किए जाएं, ताकि विद्यार्थियों का शैक्षणिक सत्र प्रभावित न हो। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष राहुल कुमार राणा, प्रदेश उपाध्यक्ष आमिर हमजा, प्रदेश संगठन प्रभारी कुणाल पोद्दार एवं प्रदेश सचिव रईस अंसारी ने संयुक्त रूप से कहा कि यदि तय समय सीमा के भीतर परीक्षा तिथि घोषित नहीं की गई तो मंच लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने को बाध्य होगा। मंच ने दोहराया कि विद्यार्थियों के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पाइप टूटने से जलापूर्ति ठप, लोग परेशान

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद में देवरी सोन नदी से होने वाली पेयजल आपूर्ति जपला–हैदरनगर रोड ओवरब्रिज के समीप पाइप टूटने के कारण पिछले एक सप्ताह से ठप है। गर्मी की शुरुआत के साथ ही लोगों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। बताया जाता है कि पिछले महीने पाइप लाइन बिछाने के दौरान गड्ढा खोदे जाने से भारी वाहन के दबाव में पाइप क्षतिग्रस्त हो गया था। मरम्मत के बाद कुछ दिन आपूर्ति बहाल रही, लेकिन पुनः तकनीकी खराबी और पाइप टूटने से जलापूर्ति बाधित हो गई। नलों में पानी नहीं आने से लोग चापानलों और अन्य वैकल्पिक स्रोतों पर निर्भर हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि मोटर जलने, तकनीकी खराबी और पाइप क्षतिग्रस्त होने की समस्या आम हो गई है। नगर पंचायत कर्मियों के अनुसार मरम्मत कार्य जारी है और तीन-चार दिनों में आपूर्ति बहाल होने की संभावना है। बताया गया कि सोन नदी से जलापूर्ति की योजना पर लगभग 56 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। वर्ष 2026 तक हर घर जल-नल योजना पूर्ण करने का लक्ष्य है, लेकिन कार्य की धीमी गति से लोगों में नाराजगी है।

प्रखंड कार्यालय में लगा शीतल पेयजल संयंत्र बना शोभा की वस्तु

मोहम्मदगंज। स्थानीय प्रखंड कार्यालय परिसर में कर्मियों और आगंतुकों को शीतल एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से डीएमएफटी मद से लगाया गया वाटर ट्रीटमेंट संयंत्र अब तक चालू नहीं हो सका है। संयंत्र को सुरक्षित रखने के लिए मुख्य द्वार के डिवाइडर को तोड़कर कार्यालय के अंदर स्थापित किया गया था। इसमें चार नल प्वाइंट बनाए गए हैं—दो कोल्ड और दो सामान्य पानी के लिए। बिजली कनेक्शन एवं छत की टंकी से पानी की आपूर्ति की व्यवस्था भी की गई है। हालांकि बगल के नलों से सामान्य पानी तो निकलता है, परंतु संयंत्र से शीतल एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं हो रहा है। लाखों रुपये की लागत से लगाए गए इस संयंत्र के चालू नहीं होने से इसकी गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। गर्मी को देखते हुए जल्द इसे शुरू कराने की मांग की जा रही है। प्रखंड कार्यालय की ओर से बताया गया कि संबंधित विभाग को पत्राचार किया गया है।

हैदरनगर में सांसद प्रतिनिधि डॉ. अजय जायसवाल का स्वागत

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर (पलामू)। पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम द्वारा हैदरनगर प्रखंड के लिए सांसद प्रतिनिधि के रूप में डॉ. अजय जायसवाल की नियुक्ति के बाद राम जानकी मंदिर परिसर में स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने 'जय श्री राम' का उद्‌घोष किया। स्वागत समारोह में भाजपा के कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर डॉ. अजय जायसवाल ने सांसद के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे जनसेवा और क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता देंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने और क्षेत्र की समस्याओं को सांसद के समक्ष रखने का कार्य करेंगे।सी कार्यक्रम के अंत में मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना की गई तथा उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाई। इस मौके पर राजीव रंजन तिवारी, प्रदीप सिंह, कमलेश विश्वकर्मा, सरजू प्रसाद गुप्ता, महेंद्र राम और रामप्रवेश मेहता सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

मेंटेनेंस कार्य को लेकर मोहम्मदगंज क्षेत्र में आज बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी

- 33 केवी लाइन में कार्य के कारण सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक बंद रहेंगे फीडर

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद (पलामू)। मोहम्मदगंज प्रखंड क्षेत्र में 33 केवी विद्युत लाइन के मेंटेनेंस कार्य के कारण 24 फरवरी, मंगलवार को बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। यह बाधित अवधि सुबह 11:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक निर्धारित की गई है। विद्युत विभाग के सहायक अभियंता रामप्रसाद महतो ने जानकारी दी कि मोहम्मदगंज 33 केवी लाइन में तारों का मेंटेनेंस तथा विभिन्न स्थानों पर नए बिजली खंभे लगाने का कार्य किया जाएगा। इस कारण मोहम्मदगंज एवं उससे जुड़े ग्रामीण फीडरों की विद्युत आपूर्ति निर्धारित समय तक पूर्णतः बंद रहेगी। उन्होंने बताया कि कार्य पूरा होने के बाद शाम 5 बजे के पश्चात बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी। विभाग ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है।

संत महाराज की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद (पलामू)। अखिल भारतीय धोबी महासंघ के तत्वावधान में हुसैनाबाद के जपला धरहरा में स्वच्छता अभियान के जनक एवं महान समाज सुधारक संत गाडगे महाराज की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत संत गाडगे महाराज के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर की गई। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने उनके बताए आदर्शों को आत्मसात करने तथा समाज में स्वच्छता, शिक्षा और सामाजिक समरसता का संदेश फैलाने का संकल्प लिया। महासंघ के पलामू जिला अध्यक्ष कृष्णा बैठा ने संत गाडगे महाराज के जीवन एवं उनके सामाजिक योगदान पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने समाज में फैली कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाई और स्वच्छता को जन आंदोलन का रूप दिया। उनका जीवन सेवा, सादगी और त्याग की मिसाल है। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दर्जनों बच्चों के बीच कॉपी एवं कलम का वितरण किया गया। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा ही समाज के उत्थान का मुख्य आधार है और बच्चों को बेहतर संसाधन उपलब्ध कराना समाज की जिम्मेदारी है। मौके पर प्रदेश मीडिया प्रभारी विकास कुमार, संगठन सचिव प्रमोद कुमार रजक, प्रखंड अध्यक्ष शशिरंजन कुमार, सचिव रमेश कुमार रजक, उपाध्यक्ष जनेश्वर बैठा, जयश्री बैठा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन समाज उत्थान एवं स्वच्छता अभियान को निरंतर जारी रखने के संकल्प के साथ हुआ।

सोननगर-बरवाडीह रेलखंड पर होली स्पेशल ट्रेन नहीं, यात्रियों में नाराजगी

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। त्योहारों के दौरान अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए स्पेशल ट्रेनों के परिचालन की घोषणा के बावजूद सोननगर–बरवाडीह रेलखंड पर अब तक एक भी होली स्पेशल ट्रेन सुनिश्चित नहीं की गई है। इससे प्रवासी यात्रियों में नाराजगी है। जानकारी के अनुसार पूर्व मध्य रेल द्वारा 1 से 22 मार्च के बीच होली के अवसर पर 1410 खेप स्पेशल ट्रेनों के परिचालन का निर्णय लिया गया था। इनमें 285 खेप ट्रेनों का संचालन पूर्व मध्य रेल क्षेत्र में किया जाना है। इसके बावजूद इस रेलखंड से होकर एक भी स्पेशल ट्रेन की घोषणा नहीं की गई है। क्षेत्र के लोग बड़ी संख्या में रोजी-रोजगार के लिए अन्य राज्यों में रहते हैं और त्योहार पर घर लौटने के लिए स्पेशल ट्रेन की अपेक्षा करते हैं। लेकिन सुविधा नहीं मिलने से उन्हें परेशानी उठानी पड़ रही है।

लंगरकोट में शिव शक्ति प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ के छठे दिन रासलीला का आयोजन

कथावाचक ने भगवान शिव एवं श्रीकृष्ण की महिमा का वर्णन किया

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद (पलामू)। हुसैनाबाद प्रखंड के लंगरकोट गांव स्थित महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग शिवधाम परिसर में आयोजित नौ दिवसीय शिव शक्ति प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ के छठे दिन धार्मिक अनुष्ठानों के साथ भव्य रासलीला का आयोजन किया गया। यज्ञाचार्य रामाकांत पाठक द्वारा गणपति पूजन, मंडप स्थापना, वेदी पूजन एवं नवग्रह पूजन सहित विभिन्न वैदिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए। वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच वातावरण भक्तिमय बना रहा। वृंदावन से आए कलाकारों ने भगवान श्रीकृष्ण और कंस संवाद की मनमोहक प्रस्तुति दी, जिसे श्रद्धालुओं ने भावविभोर होकर देखा। कार्यक्रम का उद्‌घाटन भाजपा किसान मोर्चा अध्यक्ष अशोक सिंह एवं महंत विनय कुमार सिंह त्यागी द्वारा फीता काटकर किया गया। मुख्य कथावाचक सीताराम शरण रामानुज ने भक्तों को आध्यात्मिक प्रवचन के माध्यम से भगवान शिव एवं श्रीकृष्ण की महिमा का वर्णन किया। यज्ञशाला में महिलाओं ने 12 घंटे तक परिक्रमा कर श्रद्धा प्रकट की। बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बे-मौसम बारिश से रबी फसल को भारी नुकसान

चैनपुर। प्रखंड क्षेत्र में सोमवार शाम अचानक हुई बे-मौसम बारिश से रबी फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। अरहर, मसूर और चना की फसल पककर तैयार थी। अचानक आई आंधी और बारिश से खेतों में खड़ी फसल को नुकसान होने की आशंका बढ़ गई है। किसानों ने बताया कि फसल कटाई की तैयारी चल रही थी, लेकिन बारिश से उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। खेतों में पानी भर जाने से दानों के खराब होने की संभावना है। किसानों के चेहरों पर मायूसी साफ देखी जा रही है और वे प्रशासन से फसल क्षति का आकलन कर राहत देने की मांग कर रहे हैं।

मेदिनीनगर नगर निगम में 58.46 प्रतिशत मतदान

प्रत्याशियों का भाग्य मतपेटी में बंद, 27 को होगा फैसला

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2026 के तहत मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्र में कुल 58.46 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। सुबह से ही विभिन्न मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं। महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों में मतदान को लेकर विशेष उत्साह नजर आया। शांतिपूर्ण और व्यवस्थित माहौल में मतदान प्रक्रिया संपन्न हुई।

मेयर पद के लिए चुनाव मैदान में उतरे 11 उम्मीदवारों तथा नगर निगम के 32 वार्डों के पार्षद प्रत्याशियों का भाग्य अब मतपेटियों में बंद हो गया है। सभी निर्धारित मतदान केंद्रों पर प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। संवेदनशील और अतिसंवेदनशील बूथों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो।

सुबह सात बजे निर्धारित समय पर मतदान शुरू हुआ। शुरुआती घंटों में मतदाताओं की संख्या अपेक्षाकृत कम रही, लेकिन जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, मतदान केंद्रों पर भीड़ बढ़ती गई। दोपहर बाद कई बूथों पर मतदान की रफ्तार तेज हो गई। पहली बार मतदान करने पहुंचे युवा मतदाताओं में खासा उत्साह देखा गया। कई युवाओं ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी को अपनी जिम्मेदारी बताया। दिव्यांग और बुजुर्ग मतदाताओं की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। कई केंद्रों पर व्हीलचेयर की व्यवस्था की गई थी और मतदान कर्मियों द्वारा आवश्यक सहयोग प्रदान किया गया। महिला मतदाताओं की भागीदारी भी उल्लेखनीय रही। कुछ केंद्रों पर महिलाओं की कतारें पुरुषों से लंबी दिखाई दीं, जो लोकतंत्र के प्रति बढ़ती जागरूकता का संकेत है।

प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि मतदान पूरी तरह शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। कहीं से भी किसी अप्रिय घटना या व्यवधान की सूचना नहीं मिली। मतदान समाप्ति के बाद सभी मतपेटियों को कड़ी सुरक्षा के बीच सील कर निर्धारित वज्रगृह में सुरक्षित रख दिया गया है। सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी लगातार की जा रही है।

अब सभी प्रत्याशियों और उनके समर्थकों की निगाहें 27 फरवरी को होने वाली मतगणना पर टिकी हैं। मतगणना के दिन ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि नगर निगम की बागडोर किसके हाथों में जाएगी और आगामी पांच वर्षों के लिए शहर की दिशा तय करने की जिम्मेदारी किसे मिलेगी।

मेदिनीनगर में लोकतंत्र का उत्सव, महिलाओं और बुजुर्गों ने बढ़-चढ़कर किया मतदान

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्र में मतदान के दौरान लोकतंत्र का उत्सव पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह से ही विभिन्न वार्डों के मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतारें देखी गईं। बुजुर्गों, युवाओं तथा पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं में विशेष उत्साह नजर आया।

सुबह मौसम अनुकूल रहने के कारण मतदाता बड़ी संख्या में मतदान केंद्रों पर पहुंचे। कई स्थानों पर बुजुर्ग मतदाताओं को परिवारजनों के सहारे मतदान केंद्र तक पहुंचते देखा गया। युवाओं में अपने मताधिकार के प्रति जागरूकता स्पष्ट दिखाई दी।

हालांकि कुछ वार्डों में मतदाताओं को नाम दूसरे वार्ड में स्थानांतरित होने या मतदान केंद्र बदल जाने के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा। जानकारी के अभाव में कुछ लोग इधर-उधर भटकते नजर आए, लेकिन प्रशासनिक कर्मियों की सहायता से वे अपने निर्धारित केंद्र तक पहुंच सके।

नगर निगम में मेयर पद महिला आरक्षित होने तथा लगभग आधे वार्ड महिला आरक्षित होने के कारण महिलाओं में विशेष उत्साह देखा गया। बड़ी संख्या में महिलाएं समूह बनाकर मतदान केंद्रों पर पहुंचीं। कई स्थानों पर महिलाओं की कतार पुरुषों से लंबी दिखाई दी।

सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। पुलिस बल एवं दंडाधिकारियों की तैनाती के बीच मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संचालित होती रही। कहीं से किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली।

मेदिनीनगर नगर निगम चुनाव में प्रशासन मुस्तैद

सदर बीडीओ व थाना प्रभारी ने कई बूथों का किया निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड में हो रहे नगर निकाय चुनाव के तहत मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्र में मेयर पद एवं वार्ड पार्षदों के चयन के लिए सोमवार को सुबह सात बजे से मतदान प्रारंभ हुआ, जो शाम पांच बजे तक जारी रहा। चुनाव को शांतिपूर्ण, भयमुक्त एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त समीरा एस के निर्देशन में चुनाव संपन्न कराया गया। विभिन्न अधिकारियों को अलग-अलग मतदान केंद्रों की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इसी क्रम में सदर बीडीओ सह अंचलाधिकारी जागो महतो ने सिंगरा, पोखराहा, बैरिया, बारालोटा समेत कई बूथों का निरीक्षण किया। उन्होंने बूथों पर तैनात पीठासीन अधिकारियों से मतदान की प्रगति की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

श्री महतो ने कहा कि शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित मतदान सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। दूसरी ओर, सदर थाना प्रभारी लालजी ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए बहलोलवा, कचरवा, बारालोटा, निमियां समेत कई मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने तैनात पुलिस बल से स्थिति की जानकारी प्राप्त की और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी न होने देने का निर्देश दिया।

टीओपी टू प्रभारी राकेश सिंह पैंथर मोबाइल के साथ कांदु मुहल्ला, कुंजड़ा पट्टी एवं दो नंबर टाउन बूथों पर लगातार गश्ती करते रहे। प्रशासनिक सक्रियता के कारण असामाजिक तत्वों में भय का माहौल कायम रहा। समाचार लिखे जाने तक सदर प्रखंड थाना क्षेत्र एवं टीओपी टू क्षेत्र के किसी भी बूथ से किसी प्रकार की गड़बड़ी की सूचना प्राप्त नहीं हुई।

नगर निकाय चुनाव 2026: डीआईजी, डीसी और एसपी ने किया मतदान केंद्रों का निरीक्षण

- सुरक्षा, गोपनीयता और सुव्यवस्था सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। नगर निकाय चुनाव 2026 के तहत मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्र में जारी मतदान प्रक्रिया का जायजा लेने के लिए पुलिस उप-महानिरीक्षक (डीआईजी) कौशल किशोर, उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी समीरा एस तथा पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया।

अधिकारियों ने वार्ड संख्या 6 अंतर्गत राजकीय नव प्राथमिक विद्यालय, कचरवा स्थित बूथ संख्या 3 एवं 4; वार्ड संख्या 5 के राजकीयकृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय, बहलोलवा के बूथ संख्या 2 एवं 3; तथा राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय, पोखरखुर्द स्थित बूथ संख्या 1 का निरीक्षण कर मतदान व्यवस्था की समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान मतदान प्रक्रिया, सुरक्षा प्रबंध तथा मतदाताओं की सुविधा संबंधी व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया गया। वार्ड संख्या 31 के मतदान केंद्र संख्या 3 पर अनावश्यक रूप से जमा भीड़ को पुलिस अधीक्षक ने तत्काल हटवाया, जिससे मतदान शांतिपूर्ण ढंग से जारी रह सका।

कुछ मतदान केंद्रों पर यह शिकायत मिली कि मतदान कक्ष के अंदर दो व्यक्ति एक साथ प्रवेश कर मतदान कर रहे हैं, जिससे गुप्त मतदान की प्रक्रिया प्रभावित हो रही थी। इस पर उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि प्रत्येक मतदाता अलग-अलग और पूर्ण गोपनीयता के साथ ही मतदान करें।

वार्ड संख्या 27 में भी उपायुक्त ने मतदान प्रक्रिया को अधिक सुचारू एवं तीव्र गति से संचालित करने का निर्देश दिया, ताकि मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। अधिकारियों ने निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

पवन हत्याकांड का खुलासा: प्रेम प्रसंग में पीट-पीटकर हत्या, पिता-पुत्र गिरफ्तार

- बैटरी चोरी की कहानी गढ़कर मामले को भटकाने का प्रयास, पुलिस अनुसंधान में सच्चाई आई सामने

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पड़वा थाना क्षेत्र के कोकरसा गांव के तेलियाही टोला में हुई पवन कुमार की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। प्रारंभिक स्तर पर घटना को ट्रैक्टर की बैटरी चोरी से जोड़कर प्रस्तुत करने की कोशिश की गई थी, लेकिन गहन अनुसंधान में यह मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा पाया गया। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपितों—पिता और पुत्र—को गिरफ्तार कर सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इसकी पुष्टि पलामू की पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने की।

पुलिस अधीक्षक के अनुसार, मुरमा निवासी पवन कुमार अपनी प्रेमिका से मिलने के लिए कोकरसा गांव के तेलियाही टोला स्थित पारस मेहता के घर गया था। इसी दौरान घर के सदस्यों ने उसे देख लिया और पकड़कर उसकी बेरहमी से पिटाई की। घटना को छिपाने और गुमराह करने के उद्देश्य से घर के बाहर खड़े ट्रैक्टर से बैटरी चोरी के प्रयास की अफवाह फैला दी गई। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग भी जुट गए और उन्होंने भी पवन की पिटाई कर दी।

पुलिस जांच में सामने आया कि पवन कुमार पारस मेहता के घर एक युवती से मिलने गया था। जानकारी मिलते ही पारस और उसके परिवार के अन्य सदस्यों ने मिलकर पवन के हाथ-पैर बांध दिए और उसकी पिटाई की। बाद में उस पर चोरी का आरोप लगाकर मामले को दूसरी दिशा देने की कोशिश की गई। पूछताछ के दौरान पारस मेहता ने स्वीकार किया कि 21 फरवरी की रात पवन उसके घर चोरी-छिपे आया था और उसी दौरान उसे पकड़कर मारा-पीटा गया।

गंभीर रूप से घायल पवन कुमार को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में पारस महतो उर्फ पारस मेहता (37 वर्ष) और उसके पिता वीरेंद्र मेहता (60 वर्ष) को गिरफ्तार किया है। घटना में प्रयुक्त लाठी तथा तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि मृतक पवन अपने परिवार का इकलौता पुत्र था और पेशे से चालक था। उसकी मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पुलिस का कहना है कि मामले की आगे की जांच जारी है और अन्य संलिप्त लोगों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है।

डालटनगंज मुख्य बाजार क्षेत्र में आज बिजली आपूर्ति रहेगी बाधित

- सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक कई इलाकों में नहीं रहेगी बिजली

मेदिनीनगर। शहरी क्षेत्र के मुख्य मार्केट एरिया में विद्युत विभाग द्वारा नए लगाए गए केबल से लाइन चालू करने तथा पुराने तार हटाने का कार्य किया जाएगा। इस कारण शिवाला रोड, धोबी मोहल्ला, आढ़त रोड, पंचमुहान, जैन मंदिर रोड, विष्णु मंदिर रोड एवं बाटा रोड में सुबह 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। विभाग ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील करते हुए असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है।

कैमरे की नजर से मतदान के दृश्य

नीति आयोग के सदस्य ने दिया राष्ट्रीय सम्मान

एमके डीएवी पब्लिक स्कूल की प्राचार्या सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। एमके डीएवी पब्लिक स्कूल की प्राचार्या इंद्राणी चटर्जी को अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड 2025 में विद्यालय के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें हिंदी ओलिंपियाड फाउंडेशन, दिल्ली द्वारा प्रदान किया गया।

अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड 2025 की परीक्षा 10 अक्टूबर 2025 को विद्यालय परिसर में आयोजित की गई थी। परीक्षा राज्य कोड 20 तथा परीक्षा केंद्र संख्या 95 के अंतर्गत तीसरी से दसवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए संपन्न हुई। इस प्रतिष्ठित अखिल भारतीय परीक्षा में विद्यालय के कुल 225 छात्रों ने भाग लिया। परिणाम घोषित होने पर विद्यालय के 26 विद्यार्थियों ने पदक प्राप्त कर संस्थान को गौरवान्वित किया। इनमें 6 स्वर्ण, 8 रजत तथा 12 कांस्य पदक शामिल हैं। छात्रों की इस उल्लेखनीय उपलब्धि के फलस्वरूप संस्था ने विद्यालय की प्राचार्या को सम्मान ग्रहण करने हेतु आमंत्रित किया।

सम्मान समारोह 22 फरवरी 2026 को नई दिल्ली स्थित सी.डी. देशमुख ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। समारोह में कविंदर गुप्ता (उपराज्यपाल, लद्दाख) की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में डॉ. विजय कुमार सारस्वत (सदस्य, नीति आयोग, भारत सरकार) के कर-कमलों द्वारा प्राचार्या इंद्राणी चटर्जी को सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने के पश्चात प्राचार्या ने अपने उद्‌गार व्यक्त करते हुए कहा कि डी.ए.वी. संस्थानों में सभी विषयों पर समान रूप से ध्यान दिया जाता है और भाषा शिक्षण को विशेष महत्व दिया जाता है। उन्होंने कहा कि हिंदी हमारे देश की पहचान और गौरव है। राष्ट्रीय स्तर पर विद्यार्थियों का हिंदी विषय में उत्कृष्ट प्रदर्शन विद्यालय परिवार के लिए अत्यंत गर्व और संतोष का विषय है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय विद्यार्थियों की मेहनत, अभिभावकों के सहयोग तथा हिंदी शिक्षकों के समर्पित प्रयासों को दिया। साथ ही सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय परिवार में इस उपलब्धि को लेकर हर्ष और उत्साह का माहौल है।

मेयर पद के प्रत्याशियों ने मतदान के बाद अपने निशान दिखाए

युवक को मारपीट कर कुएं में फेंका, बाल-बाल बची जान

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। नगर ऊंटारी थाना क्षेत्र के विलासपुर गांव में एक युवक को मारपीट कर कुएं में फेंकने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार दुखी पासवान के 45 वर्षीय पुत्र उमेश पासवान रविवार शाम खेत की ओर गए थे। आरोप है कि कुछ लोगों ने उनका मुंह बांधकर मारपीट की और जान से मारने की नीयत से पास के कुएं में डाल दिया। परिजनों के अनुसार जमीनी विवाद को लेकर घटना को अंजाम दिया गया। घायल के पिता ने थाना में आवेदन देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों की मदद से युवक को सुरक्षित बाहर निकाला गया, जिससे उसकी जान बच सकी।

मझिआंव नगर पंचायत में 64.35% मतदान, शांतिपूर्ण संपन्न

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। मझिआंव नगर पंचायत निर्वाचन में सोमवार को सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक मतदान शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। शाम पांच बजे तक कुल 64.35 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। एसडीएम सदर सह निर्वाची पदाधिकारी संजय कुमार ने बताया कि सभी संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील केंद्रों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई। पुलिस बल दिनभर गश्त करता रहा। बीडीओ, सीओ एवं अन्य अधिकारी भी फील्ड में सक्रिय रहे।

प्रशासन की सतर्कता के कारण कहीं से किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। अधिकारियों ने शांतिपूर्ण मतदान के लिए मतदाताओं एवं प्रत्याशियों का आभार व्यक्त किया।

उपायुक्त व एसपी ने श्री बंशीधर नगर में मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया

श्री बंशीधर नगर (गढ़वा)। उपायुक्त दिनेश यादव एवं पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय डोमटोली नगर ऊंटारी, राजकीयकृत प्लस टू उच्च विद्यालय नगर ऊंटारी, राजकीयकृत अंबालाल पटेल बालिका उच्च विद्यालय तथा किसान भवन नगर ऊंटारी सहित अन्य बूथों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा, मतदाता सुविधा एवं मतदान प्रक्रिया की समीक्षा की गई। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी प्रभाकर मिर्धा, एसडीपीओ सत्येंद्र नारायण सिंह, बीडीओ रौशन कुमार, अंचल अधिकारी विकास कुमार सिंह तथा अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

निकाय चुनाव में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी

● गढ़वा जिले के तीनों नगर निकायों में दिखा उत्साह

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। जिले के तीनों नगर निकाय—गढ़वा नगर परिषद, श्रीबंशीधर नगर और मझिआंव नगर पंचायत—में चुनाव के दौरान महिला मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। सुबह से ही विभिन्न बूथों पर महिलाएं कतार में खड़ी होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करती रहीं। गढ़वा नगर परिषद में कुल 34,347 मतदाताओं में 16,777 महिला मतदाता शामिल थीं। श्रीबंशीधर नगर में 26,946 मतदाताओं में 13,197 महिलाएं तथा मझिआंव नगर पंचायत में 15,266 मतदाताओं में 7,509 महिला मतदाता थीं। कई बूथों पर महिलाओं की कतार पुरुषों से लंबी देखी गई। वार्ड 18 और 21 सहित विभिन्न बूथों पर सुबह के समय ही महिलाओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। श्रीबंशीधर नगर क्षेत्र में रोजा के बावजूद अल्पसंख्यक महिलाओं ने भी मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विशुनपुर और सोनवर्षा क्षेत्रों में बड़ी संख्या में महिलाएं मतदान केंद्र पहुंचीं। महिलाओं ने शहर के विकास, स्वच्छता, पेयजल और बुनियादी सुविधाओं में सुधार की उम्मीद के साथ मतदान किया। प्रशासन की देखरेख में शांतिपूर्ण माहौल में मतदान संपन्न हुआ। महिलाओं की बढ़ती भागीदारी ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और मजबूत किया।

विषैले जंतु के काटने से युवक की तबीयत बिगड़ी

गढ़वा। मझिआंव थाना क्षेत्र के गोपालपुर गांव निवासी असलम खान को खेत में लकड़ी लाने के दौरान विषैले जंतु ने काट लिया। घटना के बाद परिजन उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल रेफर किया गया।

संदिग्ध युवक को ग्रामीणों ने पकड़ा जांच में नशे में धुत पाया गया

● विवाह स्थल के पास घूमने पर हुआ हंगामा, पुलिस ने सत्यापन के बाद छोड़ा

नवीन मेल संवाददाता

गिद्धौर (चतरा)। प्रखंड की द्वारी पंचायत अंतर्गत इंद्रा गांव में रविवार देर रात उस समय अफरा-तफरी मच गई जब विवाह समारोह के दौरान दो युवक संदिग्ध अवस्था में टेंट के आसपास घूमते दिखे। ग्रामीणों को संदेह हुआ कि दोनों चोरी की नीयत से आए हैं। तत्परता दिखाते हुए ग्रामीणों ने एक युवक को पकड़ लिया, जबकि दूसरा अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। इसी बीच गश्ती पुलिस मौके पर पहुंची और पकड़े गए युवक को हिरासत में लेकर थाना ले गई। पूछताछ में युवक ने अपना नाम अमन कुमार (20 वर्ष), पिता राजेश साव, इंद्रा गांव बताया। उसने कहा कि वह हजारीबाग जाने के दौरान नशे की हालत में भटक गया था और सड़क किनारे बाइक खड़ी कर गांव की ओर चला आया। सत्यापन के बाद पुलिस ने उसे चेतावनी देकर परिजनों के हवाले कर दिया। पुलिस ने ग्रामीणों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत दें, लेकिन अफवाह न फैलाएं।

नीलगायों का आतंक, दो एकड़ गेहूं की फसल बर्बाद

नवीन मेल संवाददाता

रंका। कंचनपुर पंचायत अंतर्गत सिकरा गांव में जंगली नीलगायों के झुंड ने दो एकड़ में लगी गेहूं की फसल को नष्ट कर दिया। सोमवार दोपहर करीब तीन बजे किसान गौतम दास ने बताया कि उनकी फसल अच्छी स्थिति में थी और पौधों का विकास हो रहा था। इसी दौरान नीलगायों का झुंड खेत में घुस आया और फसल को चरने के साथ रौंदकर बर्बाद कर दिया। किसान ने कहा कि गेहूं की खेती ही उनके परिवार की आजीविका का मुख्य आधार थी। अचानक हुए नुकसान से उन्हें भारी आर्थिक क्षति हुई है। उन्होंने वन विभाग से खेत का निरीक्षण कर वास्तविक क्षति का आकलन करने और उचित मुआवजा देने की मांग की है। अन्य किसानों ने भी क्षेत्र में नीलगायों की बढ़ती संख्या पर चिंता जताई है।

प्रमंडलीय आयुक्त का औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

पलामू और गढ़वा के मतदान केंद्रों पर पहुंचकर दिए आवश्यक निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2026 के तहत जारी मतदान प्रक्रिया का प्रमंडलीय आयुक्त कुमुद सहाय ने सोमवार को औचक निरीक्षण किया। उन्होंने पलामू और गढ़वा जिलों के विभिन्न मतदान केंद्रों का दौरा कर सुरक्षा, मतदाता सुविधाओं और व्यवस्थाओं की समीक्षा की। पलामू जिले के मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत संस्कार एकेडमी, शाहपुर तथा राजकीय बालिका बुनियादी विद्यालय स्थित मतदान केंद्रों का निरीक्षण करते हुए आयुक्त ने मतदाताओं से बातचीत की। वहीं गढ़वा जिले में मध्य विद्यालय, टंडवा और आरके गोविंद प्लस टू उच्च विद्यालय स्थित मतदान केंद्रों का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने मतदाताओं के फोटोयुक्त पहचान पत्र और मतदाता पर्ची की जांच की। पहली बार मतदान करने पहुंचे युवाओं, महिला मतदाताओं और वरिष्ठ नागरिकों से संवाद कर उन्होंने मतदान प्रक्रिया के अनुभवों की जानकारी ली। अधिकांश मतदाताओं ने शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित मतदान व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया। आयुक्त ने मतदान कार्य में लगे पदाधिकारियों और कर्मियों से भी विस्तृत जानकारी ली तथा उन्हें निष्पक्ष, स्वतंत्र और पारदर्शी तरीके से चुनाव संपन्न कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सुरक्षाबलों को भी सतर्क रहने और विधि-व्यवस्था बनाए रखने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान सभी केंद्रों पर मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संचालित होता पाया गया। पर्याप्त संख्या में सुरक्षाबलों की तैनाती की गई थी। कुमुद सहाय ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक मतदाता की भागीदारी आवश्यक है और शांतिपूर्ण मतदान इसकी सबसे बड़ी पहचान है। उन्होंने मतदाताओं से अपने मताधिकार का अवश्य प्रयोग करने की अपील की।

माता शबरी महोत्सव में केंद्रीय मंत्री शामिल

नवीन मेल संवाददाता

हंटरगंज (चतरा)। हाई स्कूल मैदान में आयोजित माता शबरी महोत्सव सह भुईयां समाज मिलन समारोह में केंद्रीय मंत्री सह बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने समाज में शिक्षा के प्रसार, नशामुक्ति और एकता पर बल दिया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं और समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने भाग लिया। वक्ताओं ने सामाजिक समरसता और विकास के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया।

ड्रेन निर्माण में अनियमितता की शिकायत

कांडी। भंडरिया गांव में भीम बराज के समीप निर्माणाधीन ड्रेन में अनियमितता को लेकर ग्रामीणों ने शिकायत की है। उनका आरोप है कि क्योरिंग सही ढंग से नहीं की जा रही और मिट्टी भराई में भी लापरवाही बरती गई है।निर्माण एजेंसी के इंजीनियर ने कुछ कमियों को स्वीकार करते हुए सुधार का आश्वासन दिया है। विभागीय अधिकारियों ने जांच कर कार्रवाई की बात कही है।

लामी सरहिया में जलमीनार बंद, ग्रामीण परेशान

नवीन मेल संवाददाता

खरौंधी। मझिगांवा पंचायत के लामी सरहिया गांव में जल जीवन मिशन के तहत लगाए गए 17 सोलर जलमीनारों में अधिकांश बंद पड़े हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि घटिया निर्माण और रखरखाव के अभाव में छह माह के भीतर ही जलापूर्ति ठप हो गई। ग्रामीणों का कहना है कि पाइप लाइन क्षतिग्रस्त है और कई सोलर पंप खराब पड़े हैं। शिकायत के बावजूद विभाग और संवेदक की ओर से कोई ठोस पहल नहीं की गई। परिणामस्वरूप लोगों को आज भी चापाकल या दूरस्थ स्रोतों से पानी लाना पड़ रहा है। पंचायत प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया है कि जब तक योजना दुरुस्त नहीं होगी, तब तक हैंडओवर नहीं लिया जाएगा। ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र मरम्मत कर जलापूर्ति बहाल करने की मांग की है।

कीटनाशक सेवन से महिला की हालत गंभीर

गढ़वा। भवनाथपुर थाना क्षेत्र के रोहिनिया गांव निवासी सीमा देवी ने सोमवार को कीटनाशक का सेवन कर आत्महत्या का प्रयास किया। घटना के बाद परिजनों ने उन्हें तत्काल भवनाथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। परिजनों के अनुसार किसी घरेलू विवाद के बाद उन्होंने यह कदम उठाया। फिलहाल उनका इलाज जारी है।

सड़क दुर्घटना में युवक घायल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया

गढ़वा। रंका थाना क्षेत्र के बीरबांध निवासी सुनील कुमार तुरिया मोटरसाइकिल दुर्घटना में घायल हो गए। बताया गया कि वे रंका की ओर जा रहे थे, तभी मझिगांवा के पास उनकी बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें रंका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहां से गंभीर स्थिति को देखते हुए सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।

डीएलएसए के हस्तक्षेप से अनाथ बालक अभय कुजूर का रेस्क्यू, समर्थ विद्यालय में नामांकन

● श्रम शोषण से मुक्त कर शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा गया

नवीन मेल संवाददाता

रंका (गढ़वा)। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गढ़वा के हस्तक्षेप से एक अनाथ बालक को श्रम शोषण से मुक्त कर शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने की सराहनीय पहल सामने आई है। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गढ़वा के अध्यक्ष सह न्यायाधीश मनोज प्रसाद एवं सचिव निभा रंजना लकड़ा के निर्देशन में पीएलवी राजेश कुमार चौधरी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बालक अभय कुजूर का रेस्क्यू किया। यह पहल विश्रामपुर पंचायत की बुजुर्ग विधवा लखमनिया कुंवर के आवेदन के आधार पर की गई। जांच में पाया गया कि ग्राम विश्रामपुर, पोस्ट बिश्रामपुर, थाना रंका निवासी अभय कुजूर, स्वर्गीय रामप्रवेश उरांव और स्वर्गीय गीता देवी के पुत्र हैं और पूर्ण रूप से अनाथ हो चुके हैं। आरोप था कि गांव के एक ट्रैक्टर संचालक द्वारा उन्हें बहला-फुसलाकर मजदूरी में लगाया जा रहा था। दिनभर कार्य कराने के बाद मामूली पैसे देकर भेज दिया जाता था। शिक्षकों और दादी द्वारा पढ़ाई के लिए प्रेरित करने के बावजूद उसे मजदूरी में उलझाया जा रहा था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पीएलवी ने संबंधित ट्रैक्टर मालिक एवं ईंट-भट्ठा संचालक के यहां पहुंचकर बालक को मुक्त कराया और कड़ी चेतावनी दी। इसके बाद अभय की शैक्षणिक एवं आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी कराई गई। उनका नामांकन सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय में कराया गया। प्रधानाध्यापिका आशा देवी के सहयोग से नामांकन प्रक्रिया पूर्ण हुई। डीएलएसए की ओर से बताया गया कि बच्चों से दोस्ती, ओपन हाउस, स्वच्छ भारत अभियान जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से जागरूकता चलाई जा रही है। अनाथ एवं असहाय बच्चों को चिन्हित कर उनका रेस्क्यू, चिकित्सा जांच एवं शिक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित की जाती है। इस पहल में पीएलवी महेंद्र ठाकुर, चंदन कुमार, चंदन रवि एवं राजूरंजन मिश्रा सहित ग्रामीणों का सहयोग रहा।

खरौंधी में महायज्ञ की तैयारी तेज

5 से 9 मार्च तक होगा शतचंडी महायज्ञ, कलश यात्रा से होगा शुभारंभ

नवीन मेल संवाददाता

खरौंधी। प्रखंड मुख्यालय सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में आगामी 5 से 9 मार्च तक आयोजित होने वाले शतचंडी महायज्ञ को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। गांव में भक्ति और उत्साह का माहौल है। आयोजन स्थल पर भव्य मंडप का निर्माण कराया जा रहा है तथा व्यवस्था संचालन के लिए अलग-अलग समितियों का गठन कर जिम्मेदारियां तय की गई हैं। यह महायज्ञ स्वामी सुंदर राज महाराज के सान्निध्य में संपन्न होगा। यज्ञ समिति के अध्यक्ष धर्मेंद्र पासवान एवं संरक्षक उपेंद्र दास ने बताया कि यह आयोजन धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। लगभग सौ वर्ष पुराने देवी मंदिर से माता की प्रतिमा को नव-निर्मित भव्य मंदिर में विधिवत स्थापित किया जाएगा। इसी अवसर पर शतचंडी महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। समिति के अनुसार 5 मार्च को भव्य कलश यात्रा के साथ यज्ञ की शुरुआत होगी। 6 मार्च को मंडप पूजन और अग्नि प्रवेश के उपरांत हवन कार्यक्रम संपन्न होगा। उसी दिन संध्या में माता की मूर्ति स्थापना के लिए विधिवत मंत्रोच्चारण कर निमंत्रण दिया जाएगा। 7 मार्च को पुनः पूजन और हवन होगा। 8 मार्च को पूजा-अर्चना के बाद माता की प्रतिमा को नए मंदिर में स्थापित किया जाएगा। 9 मार्च को पूर्णाहुति, संत विदाई तथा विशाल भंडारे के साथ आयोजन का समापन होगा। स्वामी सुंदर राज महाराज ने कहा कि महायज्ञ का उद्देश्य समाज में आध्यात्मिक चेतना का प्रसार करना और आपसी सद्भाव को मजबूत करना है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की है। आयोजन के दौरान प्रतिदिन दोपहर एक बजे प्रवचन तथा रात्रि में वृंदावन के कलाकारों द्वारा रासलीला की प्रस्तुति होगी।

भटके बालक को पुलिस ने सकुशल परिजनों से मिलाया

मयूरहंड (चतरा)। परोरिया गांव में एक 10 वर्षीय बालक के भटकने की सूचना मिलने पर ग्रामीणों ने मानवता का परिचय देते हुए उसे सुरक्षित रखा और पुलिस को खबर दी। पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल के निर्देश पर थाना प्रभारी आशिष प्रसाद ने बच्चे को थाना लाकर पहचान का प्रयास किया। बाद में उसकी पहचान हर्ष कुमार (10 वर्ष), निवासी कटकमदाग, हजारीबाग के रूप में हुई। जानकारी के अनुसार बालक अपने नाना के घर चौपारण आया था और वहीं से भटककर मयूरहंड पहुंच गया। पुलिस ने परिजनों से संपर्क कर आवश्यक सत्यापन के बाद बच्चे को सौंप दिया। इस दौरान पुलिस ने ग्रामीणों की सराहना की और बच्चों की सुरक्षा के प्रति सजग रहने की अपील की।

गर्मी बढ़ते ही जल संकट गहराने लगा

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। गर्मी की शुरुआत के साथ ही जिले के कई क्षेत्रों में जल संकट की स्थिति बनने लगी है। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के अनुसार हर घर नल योजना के तहत हजारों योजनाएं संचालित हैं, जिनमें कई निर्माणाधीन हैं। ड्राइजोन के रूप में चिन्हित 40 से अधिक क्षेत्रों में पानी की किल्लत अधिक है। विभाग ने खराब चापाकलों की मरम्मत और निर्माणाधीन योजनाओं को शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया है, ताकि गर्मी के मौसम में पेयजल संकट से राहत मिल सके।

बैलेट बॉक्स में बंद हुआ प्रत्याशियों का भाग्य, 27 को होगा फैसला

- 28 फरवरी को जीत का सेहरा पहनने वालों की मनेगी होली

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 के तहत सोमवार को नगर पंचायत चुनाव शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो गया। अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षद पद के सभी प्रत्याशियों का भाग्य अब बैलेट बॉक्स में बंद हो चुका है। 27 फरवरी को मतगणना के साथ ही यह तय हो जाएगा कि नगर की कमान किसके हाथ में जाएगी।

नगर क्षेत्र में कुल 22 मतदान केंद्र बनाए गए थे। सभी बूथों पर सुबह 7 बजे से मतदान प्रक्रिया प्रारंभ हुई। शुरुआती घंटों में मतदान की रफ्तार सामान्य रही, लेकिन दिन चढ़ने के साथ मतदाताओं की संख्या बढ़ती गई। युवा, महिलाएं एवं बुजुर्गों ने उत्साहपूर्वक मतदान में हिस्सा लिया। शाम 5 बजे निर्धारित समय पर मतदान शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया।

इस चुनाव में नगर अध्यक्ष पद के लिए 8 प्रत्याशी मैदान में हैं, जबकि 15 वार्डों के पार्षद पद के लिए कुल 56 प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। मतदान के दौरान प्रत्याशी विभिन्न बूथों पर जाकर मतदान की स्थिति का जायजा लेते रहे। अधिकांश प्रत्याशियों ने स्वयं भी अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

मतदान समाप्ति के बाद सभी बैलेट बॉक्स को मतदान कर्मियों द्वारा सील कर कड़ी सुरक्षा के बीच वज्रगृह के लिए रवाना किया गया। प्रशासन की निगरानी में मतपेटियों को सुरक्षित जमा कराया गया। अब सभी प्रत्याशियों और उनके समर्थकों की नजरें 27 फरवरी को होने वाली मतगणना पर टिकी हैं।

यदि परिणाम अनुकूल रहे तो विजयी प्रत्याशियों के लिए 28 फरवरी की होली जीत के जश्न के साथ मनाई जाएगी।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीसी उत्कर्ष गुप्ता ने किया मतदान

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2026 के तहत जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने चंदनडीह स्थित राजकीयकृत उत्क्रमित उच्च विद्यालय के मतदान केंद्र संख्या 14/1 पर पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

मतदान केंद्र पर पहुंचकर उन्होंने मतदान प्रक्रिया का अवलोकन किया तथा तैनात कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने मतदान व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध एवं मतदाताओं को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली।

उपायुक्त गुप्ता ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक मतदाता की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी मतदाताओं से निर्भीक एवं निष्पक्ष वातावरण में मतदान करने की अपील की।

उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी मतदान सुनिश्चित करने के लिए व्यापक और सुदृढ़ व्यवस्था की गई है। सभी मतदान केंद्रों पर पेयजल, शौचालय, बिजली, सुरक्षा सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। जिले में मतदान शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो रहा है और प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।

नगर निकाय चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न, 66.12 प्रतिशत मतदान

- जिला निर्वाचन पदाधिकारी व एसपी ने प्रेसवार्ता कर दी जानकारी

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 के तहत नगर पंचायत चुनाव 66.12 प्रतिशत मतदान के साथ शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने संयुक्त प्रेसवार्ता कर इसकी जानकारी दी।

उपायुक्त ने बताया कि नगर क्षेत्र में कुल 22 मतदान केंद्र स्थापित किए गए थे। सभी केंद्रों पर सुबह 7 बजे से मतदान प्रक्रिया शुरू हुई और शाम 5 बजे तक निर्बाध रूप से मतदान कराया गया। कुल 13,217 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने बताया कि मतदान के बाद सभी बैलेट बॉक्स को सील कर पॉलिटेक्निक स्थित वज्रगृह में जमा कराया गया है। मतपेटियों की सुरक्षा के लिए त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है तथा सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है। मतगणना 27 फरवरी को होगी। इसके लिए 15 टेबल बनाए गए हैं और दो राउंड में मतगणना प्रक्रिया पूरी की जाएगी। मतगणना कार्य के लिए 55 कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है।

पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने कहा कि पूरे चुनाव के दौरान सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। सभी बूथों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती रही। उन्होंने बताया कि मतगणना के दिन भी सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए जाएंगे, ताकि प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न हो सके। प्रशासन ने शांतिपूर्ण मतदान के लिए मतदाताओं, राजनीतिक दलों एवं चुनाव कर्मियों का आभार जताया है। अब सभी की निगाहें मतगणना दिवस पर टिकी हैं, जब बैलेट बॉक्स में बंद प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला सामने आएगा।

46वीं राष्ट्रीय सब-जूनियर वॉलीबॉल प्रतियोगिता में लातेहार के चार खिलाड़ी झारखंड टीम में शामिल

- झारखंड बालिका टीम के चीफ कोच बने प्रवीण मिश्रा

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। 46वीं राष्ट्रीय सब-जूनियर बालक/बालिका वॉलीबॉल चैंपियनशिप 2026 में भाग लेने के लिए डे बोर्डिंग बालक/बालिका वॉलीबॉल प्रशिक्षण केंद्र, लातेहार के चार खिलाड़ी हुगली, पश्चिम बंगाल रवाना हुए हैं। लातेहार में आयोजित 23वीं झारखंड राज्य सब-जूनियर वॉलीबॉल प्रतियोगिता में प्रदर्शन के आधार पर 18-18 बालक एवं बालिका खिलाड़ियों का चयन किया गया था। झारखंड बालिका टीम का प्रशिक्षण शिविर लातेहार में आयोजित हुआ, जबकि बालक टीम का प्रशिक्षण शिविर रांची में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण के बाद 14-14 खिलाड़ियों का अंतिम चयन किया गया। लातेहार से बालिका वर्ग में अनुष्का कुमारी, रजनी कुमारी और आभा कुमारी तथा बालक वर्ग में विवेक कुमार का चयन हुआ है। ये खिलाड़ी हुगली (पश्चिम बंगाल) में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। डे बोर्डिंग बालिका प्रशिक्षण केंद्र, लातेहार के प्रशिक्षक सह सचिव, लातेहार जिला वॉलीबॉल संघ प्रवीण मिश्रा को झारखंड बालिका टीम का चीफ कोच बनाया गया है। वे टीम के साथ हुगली रवाना हुए। खिलाड़ियों एवं कोच को जिला खेल पदाधिकारी अविनेश कुमार त्रिपाठी, लातेहार जिला वॉलीबॉल संघ के चेयरमैन जय सिंह, अध्यक्ष रंजीत पांडेय, कार्यकारी अध्यक्ष पंकज तिवारी, उपाध्यक्ष मनोहर प्रसाद, विवेक श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष नीरज कुमार सहित अन्य पदाधिकारियों ने बधाई दी।

हुचलू में ट्रांसफार्मर खराब, रमज़ान में ग्रामीणों की बढ़ी परेशानी

चंदवा। प्रखंड क्षेत्र की बारी पंचायत के हुचलू गांव में बिजली ट्रांसफार्मर खराब होने से कई दिनों से आपूर्ति ठप है। इससे ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार ट्रांसफार्मर पूर्व में भी कई बार खराब हो चुका था। आपसी सहयोग से मरम्मत कर काम चलाया जाता रहा, लेकिन इस बार ट्रांसफार्मर पूरी तरह जल चुका है और मरम्मत संभव नहीं है। बिजली बाधित होने से पेयजल संकट गहरा गया है। मोटर पंप बंद रहने से लोगों को दूर से पानी लाना पड़ रहा है। बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है और मोबाइल चार्जिंग सहित दैनिक कार्यों में कठिनाई हो रही है। पवित्र रमज़ान माह के दौरान रोजेदारों को सहरी और इफ्तार के समय विशेष दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। रात में अंधेरा रहने से सुरक्षा की चिंता भी बनी हुई है। ग्रामीणों ने बिजली विभाग से अविलंब नया ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की है।

महुआडांड़ थाना प्रभारी पर मारपीट व अवैध कार्रवाई का आरोप, एसपी से शिकायत

नवीन मेल संवाददाता

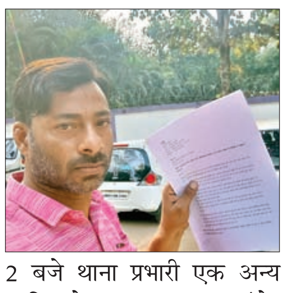

महुआडांड़। थाना प्रभारी पर गंभीर आरोप लगाते हुए एक व्यक्ति ने पुलिस अधीक्षक से लिखित शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई है। शिकायतकर्ता अनजर खान ने आरोप लगाया है कि थाना प्रभारी ने उनके साथ अवैध रूप से मारपीट की, घर में जबरन प्रवेश किया तथा सामान उठाने जैसी कार्रवाई की।

आवेदन के अनुसार 18 फरवरी 2026 की सुबह लगभग 3 बजे थाना प्रभारी कथित रूप से उनके घर पहुंचे और गेट फांदकर अंदर घुस गए। उस समय शिकायतकर्ता अपने बच्चों के साथ घर में मौजूद थे। आरोप है कि उन्हें जबरन उठाकर मारपीट की गई और मोबाइल फोन छीन लिया गया।

शिकायत में यह भी कहा गया है कि 21 फरवरी को दोपहर करीब 2 बजे थाना प्रभारी एक अन्य व्यक्ति के साथ पुनः घर पहुंचे। उस समय घर पर कोई मौजूद नहीं था। आरोप है कि दरवाजा तोड़कर घर में प्रवेश किया गया और घर का सामान उनकी पत्नी को दिलवा दिया गया।

इसके अलावा 22 फरवरी की शाम महुआडांड़ बाजार क्षेत्र में भी मारपीट करने का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता ने पुलिस अधीक्षक, लातेहार से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई तथा परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

अतिक्रमण पर प्रशासन का सख्त प्रहार, अवैध निर्माण ध्वस्त

नवीन मेल संवाददाता

महुआडांड़ (लातेहार)। प्रखंड क्षेत्र में अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए सरकारी जमीन पर किए गए अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के बाद अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया है।

एसडीओ बिपिन कुमार दुबे ने बताया कि मनोज जायसवाल के विरुद्ध अंचल कार्यालय में अतिक्रमण वाद संख्या 02/25-26 दर्ज था। जांच में पाया गया कि मौजा रामपुर, खाता संख्या 268 अंतर्गत प्लॉट संख्या 177 (रकवा 20 डी, तालाब), प्लॉट संख्या 178 (रकवा 7 डी, तालाब) तथा प्लॉट संख्या 174 (रकवा 15 डी, अनाबादी, बिहार सरकार) की भूमि पर अवैध कब्जा कर निर्माण कार्य किया गया था।

मामले की अंतिम सुनवाई 28 जनवरी को पूरी कर संबंधित व्यक्ति को 15 दिनों के भीतर अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया गया था। बावजूद इसके निर्माण कार्य जारी रखा गया। सूचना मिलते ही प्रशासन ने थाना प्रभारी एवं अंचल अधिकारी को मौके पर भेजकर जांच कराई, जहां पाया गया कि बाउंड्री के भीतर प्लिंथ लेवल तक निर्माण किया जा चुका था।

इसके बाद प्रशासन ने बुलडोजर चलाकर अवैध निर्माण को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि सरकारी जमीन पर कब्जा करने वालों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

बारियातू में 25 फरवरी को होली मिलन समारोह

नवीन मेल संवाददाता

बारियातू। प्रखंड मुख्यालय स्थित स्व. महंगू साव के आवास पर 25 फरवरी को आयोजित होने वाले होली मिलन सह सम्मान समारोह की सफलता को लेकर तैलिक साहू समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष अर्जुन साहू ने की। बैठक में समारोह की रूपरेखा, अतिथियों के स्वागत, सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं सम्मान समारोह की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा हुई।

समाज के जिलाध्यक्ष रंजीत साहू ने तैयारियों की समीक्षा करते हुए पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपीं और आयोजन को भव्य एवं ऐतिहासिक बनाने का आह्वान किया।

जानकारी के अनुसार कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रमंडलीय अध्यक्ष रामदास साहू, कोडरमा की जेएमएम नेत्री शालिनी गुप्ता, हजारीबाग के कटकमसांडी से प्रियंका साहू तथा बड़कागांव से पूर्णिमा साहू शामिल होंगी।

समिति के सदस्यों ने बताया कि कार्यक्रम की लगभग सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। समारोह में करीब दो हजार लोगों के शामिल होने की संभावना है। बैठक में बारियातू, बालूमाथ, हेरहंज सहित अन्य प्रखंडों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

चंदवा में धूमधाम से निकली खाटू श्याम की शोभायात्रा

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। सरोज नगर स्थित श्रीराम जानकी दरबार से सोमवार को बाबा के पूजन के उपरांत खाटू श्याम की शोभायात्रा सह निशान यात्रा धूमधाम से निकाली गई। श्रद्धालु महिला, पुरुष एवं बच्चे हाथों में खाटू श्याम बाबा का निशान ध्वज लेकर यात्रा में शामिल हुए।

फूल-मालाओं से सुसज्जित वाहन में श्री श्याम बाबा की प्रतिमा स्थापित की गई थी। गाजे-बाजे की धुन पर श्रद्धालु झूमते-नाचते आगे बढ़ रहे थे। शोभायात्रा का श्रीराम जानकी मंदिर के समीप पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया।

यात्रा सरोज नगर से निकलकर बुध बाजार, मेन रोड और सुभाष चौक होते हुए पुनः श्रीराम दरबार मंदिर पहुंची, जहां विधिवत पूजन-आरती की गई।

कार्यक्रम में पुरोहित प्रयाग पाठक, रोहित अग्रवाल, मिंकु शर्मा, विकास अग्रवाल, गोविंद पटवारी, सुशील पटवारी, सुमित पटवारी, आनंद कानोडिया, आशीष अग्रवाल, रविकांत कानोडिया, किशोर गिनोडिया, विनोद सांवरिया, नीरज, सुशील, सोनम अग्रवाल, विनीता अग्रवाल, ममता अग्रवाल, सरिता अग्रवाल, मोहिनीश कुमार सहित कई श्रद्धालु उपस्थित थे।

न्यूज बॉक्स

वाहन की चपेट में आने से झामुमो नेता की मां की मौत, कार्यकर्ताओं में शोक

बालूमाथ। थाना क्षेत्र के बरनी ग्राम के समीप सोमवार को अज्ञात वाहन की चपेट में आने से 60 वर्षीय चिमो देवी, पति माते उरांव, निवासी ग्राम कोमर, की मौत हो गई। मृतका झामुमो के प्रखंड सचिव की मां बताई जा रही हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार चिमो देवी बरनी के पास बालूमाथ जाने के लिए सड़क किनारे वाहन का इंतजार कर रही थीं। इसी दौरान किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तुरंत बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अशोक कुमार ने जांच के उपरांत मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही बालूमाथ पुलिस अस्पताल पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लातेहार सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। घटना की जानकारी मिलने पर झामुमो प्रखंड अध्यक्ष प्रदीप गंझू, झामुमो नेता मो. इमरान, साबिर अंसारी सहित कई कार्यकर्ता सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे और शोक व्यक्त किया। वहीं पूर्व विधायक सह झामुमो केंद्रीय उपाध्यक्ष बैद्यनाथ राम, जिला अध्यक्ष लाल मोती नाथ शाहदेव तथा जिला 20 सूत्री उपाध्यक्ष अरुण कुमार दुबे ने भी गहरी संवेदना प्रकट की। घटना के बाद गांव में शोक की लहर है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

नन्हें रोजेदारों ने रखा रोजा नमाज अदा कर पेश की मिसाल

चंदवा। पवित्र रमज़ान माह में जहां बड़े-बुजुर्ग इबादत में लीन हैं, वहीं दो नन्हें बच्चों ने रोजा रखकर सबका दिल जीत लिया। असद खान (7 वर्ष), पिता मशरूर खान (तिलैया टांड, चंदवा) और मो. अर्श अली (6 वर्ष), पिता मो. अख्तर (शुक्रबाजार हरैया) ने पूरे उत्साह और अकीदत के साथ रोजा रखा तथा नमाज अदा की। परिजनों ने बताया कि दोनों बच्चे कई दिनों से रोजा रखने की जिद कर रहे थे। परिवार के मार्गदर्शन में उन्होंने सेहरी की और पूरे दिन सब्र के साथ रोजा रखा। शाम को अजान के बाद खजूर और पानी से रोजा खोला। दिनभर पांचों वक्त की नमाज अदा कर उन्होंने अनुशासन और आस्था की मिसाल पेश की। मोहल्ले के बुजुर्गों ने बच्चों को दुआएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। स्थानीय लोगों का कहना है कि कम उम्र में धार्मिक संस्कार और अनुशासन की यह भावना समाज के लिए सकारात्मक संदेश है। नन्हें रोजेदारों की इस पहल ने रमज़ान की रौनक को और बढ़ा दिया है।

नगर परिषद चुनाव के दौरान उपायुक्त व एसपी ने किया निरीक्षण

चतरा। नगर परिषद आम निर्वाचन के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त कीर्तिश्री जी एवं पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल ने विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था, मतदाताओं की सुविधाओं और मतदान प्रक्रिया की समीक्षा की। उन्होंने मतदान कर्मियों को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मतदान केंद्रों पर पर्याप्त सुरक्षा बल तैनात पाए गए। मतदाताओं में उत्साह देखा गया और कहीं से किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली।

चतरा नगर परिषद चुनाव में 68.88 प्रतिशत मतदान

चतरा। नगर परिषद आम निर्वाचन में सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। कुल 68.88 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। महिला एवं युवा मतदाताओं की भागीदारी उल्लेखनीय रही। प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। मतदान केंद्रों पर लंबी कतारें देखी गईं, लेकिन व्यवस्था सुचारू रही। अधिकारियों ने शांतिपूर्ण मतदान के लिए मतदाताओं और कर्मियों का आभार व्यक्त किया।

डुमरी कला में अवैध खनन का आरोप, ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

चतरा। हंटरगंज प्रखंड के डुमरी कला गांव में अवैध खनन को लेकर ग्रामीणों ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपा है। ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में नियमों की अनदेखी कर खनन कार्य किया जा रहा है, जिससे पर्यावरण और स्थानीय संसाधनों को नुकसान पहुंच रहा है। ग्रामीणों ने उच्चस्तरीय जांच की मांग करते हुए कहा कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा। प्रशासन ने मामले की जांच का आश्वासन दिया है।

लोहरदगा में रिकार्ड मतदान, 68.72 प्रतिशत वोटिंग

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा शहर में सोमवार को नगर परिषद चुनाव को लेकर दिन की शुरूआत मतदान प्रतिशत के हिसाब से काफी तेज रही, लेकिन जैसे-जैसे दिन ढलता गया, वैसे-वैसे मतदान का प्रतिशत सुस्त होता गया। शहर के विकास के लिए मतदाता सुबह घर से जल्दी निकले। इनमें महिलाओं की संख्या अधिक थी। यहां पर वार्ड के 102 और अध्यक्ष पद के दस प्रत्याशियों में अपने पसंद के प्रत्याशी के चयन को लेकर जबरदस्त उत्साह देखा गया। हालांकि सूरज के सिर पर चढ़ते ही मतदान की रफ्तार कम हो गई थी। लोहरदगा से कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत और पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज साहू ने अपने परिवार के साथ मताधिकार का प्रयोग किया। शहर के 46 मतदान केंद्रों में सुबह सात बजे से पहले लाइन शुरु हुई थी। लोग पहले वोट देकर निश्चित होना चाहते थे। महिलाएं इसमें आगे थी। पुरुषों ने भी पहले महिलाओं को वोट देने को लेकर प्रेरित किया। चुनाव में इस बार बूथ के बाहर भी प्रत्याशी और उनके समर्थक मतदाताओं को समझाते और अपने पक्ष में करते नजर आए। कुल 43070 मतदाता में से सुबह 9:00 बजे तक 11.40 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग कर लिया था। इसके बाद मतदान तेज हुआ और सुबह नौ बजे से लगभग दोगुना सुबह 11 बजे तक 24.32 प्रतिशत मतदान हो गया। हालांकि फिर मतदान की गति धीमी हुई और दोपहर एक बजे तक 38.89 ही मतदान का प्रतिशत रहा। यह पिछले दो घंटे का मात्र 14 प्रतिशत था। इसके पीछे मतपत्र के माध्यम से मतदान को कारण बताया गया। जैसे-जैसे भीड़ बढ़ती गई, वैसे-वैसे मतदान में समय भी लगने लगा था। दोपहर एक बजे तक 38.89 प्रतिशत मतदान हुई वही दोपहर तीन बजे से 52.87 प्रतिशत मतदान हो चुका था। वही शाम को 5 बजे तक कुल मतदान 68.72% रही।

डीसी ने जिला नियंत्रण कक्ष का लिया जायजा तकनीकी इंतजामों की विस्तृत जानकारी ली

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। नगर निकाय चुनाव के सफल संचालन और पल-पल की निगरानी के लिए लोहरदगा में प्रशासनिक सक्रियता तेज हो गई है। इसी कड़ी में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त डॉ. ताराचंद ने जिला नियंत्रण कक्ष (Control Room) का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी सुशील अग्रवाल के पर्यवेक्षण में सभी प्रतिनियुक्त कर्मी कार्य करते पाए गए। उपायुक्त ने डेटा प्रबंधन, सूचनाओं के आदान-प्रदान और चुनावी गतिविधियों की मॉनिटरिंग के लिए किए गए तकनीकी इंतजामों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने तैनात कर्मियों को निर्देशित किया कि वे सतर्कता के साथ कार्य करें ताकि मतदान प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की बाधा न आए।

इस अवसर पर सुरक्षा और प्रशासनिक तालमेल सुनिश्चित करने के लिए मुख्य रूप से पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी, उपविकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। नियंत्रण कक्ष से जिले के हर बूथ की गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जा रही है ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई की जा सके।

हमने विकास और बेहतर नगर व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मतदान किया : धीरज साहू

लोहरदगा। नगर निकाय चुनाव को लेकर जिले में मतदान की प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से जारी है। सुबह से ही विभिन्न मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। युवा, महिलाएं और बुजुर्ग मतदाता उत्साह के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, ताकि मतदान निष्पक्ष और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो सके। इसी क्रम में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू ने भी अपने परिजनों के साथ नए नगर परिषद कार्यालय स्थित मतदान केंद्र पहुंचकर अपना मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान के बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि उन्होंने अपना वोट विकास के मुद्दे पर दिया है। उन्होंने कहा कि नगर निकाय चुनाव स्थानीय विकास से जुड़ा चुनाव है और इसमें जनता की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। "हमने विकास, पारदर्शिता और बेहतर नगर व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मतदान किया है। मैं सभी मतदाताओं से अपील करता हूं कि वे भी विकास के मुद्दे पर सोच-समझकर अच्छे और योग्य उम्मीदवारों को चुनें, ताकि लोहरदगा का समग्र विकास हो सके," उन्होंने कहा। मतदान केंद्र पर आम मतदाताओं के बीच भी खासा उत्साह देखने को मिला। कई मतदाताओं ने कहा कि वे अपने शहर की सफाई व्यवस्था, सड़क, जल निकासी, पेयजल और मूलभूत सुविधाओं में सुधार की उम्मीद के साथ मतदान कर रहे हैं। नगर निकाय चुनाव को लेकर पूरे शहर में लोकतंत्र का उत्सव देखने को मिल रहा है। अब सभी की नजरें मतदान प्रतिशत और आने वाले परिणामों पर टिकी हैं, जो यह तय करेंगे कि आने वाले वर्षों में नगर परिषद की बागडोर किसके हाथों में होगी।

96 वर्षीय मजदूर नेता राजवंश सिंह ने डाला वोट, कहा- राष्ट्रीय उन्नति के लिए मतदान जरूरी

लोहरदगा। नगर परिषद चुनाव के मद्देनजर थाना रोड स्थित बालिका मध्य विद्यालय (बूथ संख्या 18, भाग 1) में मतदान के दौरान उस वक्त उत्साह का माहौल देखने को मिला, जब भारतीय मजदूर संघ के वरिष्ठ नेता राजवंश सिंह अपने मताधिकार का प्रयोग करने पहुंचे। 96 वर्ष की आयु में भी उनका जज्बा युवाओं को मात दे रहा था। वोट डालने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए वयोवृद्ध नेता ने कहा कि लोकतंत्र का यह महापर्व राष्ट्र के निर्माण का सबसे बड़ा अवसर है। उन्होंने जोर देकर कहा राष्ट्रीय उन्नति और देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए हर नागरिक को अपने मत का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। लोकतंत्र तभी मजबूत होगा जब हम अपनी जिम्मेदारी समझेंगे। राजवंश सिंह जैसे वरिष्ठ नागरिकों की मतदान केंद्र पर उपस्थिति ने न केवल चुनाव कर्मियों का उत्साह बढ़ाया, बल्कि वहां मौजूद युवा मतदाताओं के लिए भी प्रेरणा का केंद्र रही। प्रशासन द्वारा उनके सम्मान और सुगम मतदान के लिए विशेष प्रबंध किए गए थे।

लोहरदगा नगर के सम्मानीय मतदाताओं का आभार : अनिल

लोहरदगा। भाजपा समर्थित नगर परिषद के अध्यक्ष पद उम्मीदवार अनिल उरॉव ने कहा कि आज लोहरदगा नगर चुनाव उत्सव में नगर की जनता अपनी सहभागिता बढ़ चढ़कर निभाई, जिसका नतीजा यह हुआ कि पिछली सारी रिकार्ड तोड़ते हुए अप्रत्याशित मतदान हुआ। मुझे यकीन है कि लोहरदगा नगर की जनता का भरपूर प्यार भी मुझे मिला है। आशा है आगामी 27 तारीख को पूरा लोहरदगा जिला केशरियामय हो जाएगा और आप सभी अपनी विजयी जुलूस में शामिल होंगे। आप सभी के प्यार ने हमारे जीवन को जो ऊर्जा दी है, वह मेरे जीवन का संबल बन सदैव हमारे साथ रहेगी।

संत गाडगे व्यक्ति नहीं, विचारधारा के प्रतिमूर्ति थे : अमित कुमार

नवीन मेल संवाददाता

कुड़ू। अखिल भारतीय धोबी महासंध कुड़ू ईकाई के द्वारा सोमवार को धोबी समाज के अगुवा सह गुरूदेव रहे बाबा संत गाडगे जी महाराज की 150 वीं जयंती ब्लाक मोड़, रामनगर तथा अन्य स्थानों पर मनाई गई। रामनगर धोबी टोला कुड़ू मे आयोजित जयंती समारोह के मुख्य अतिथि धोबी महासंध के प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित कुमार ने कहा कि बाबा साहब हमारे लिए आदर्श थें। उनके बताए मार्ग पर चलने की जरूरत है। संत गाडगे एक व्यक्ति नहीं विचारधारा का नाम था ।बाबा साहब संत गाडगे जी महाराज ने कहा था कि समाज का उत्थान बगैर जागरूकता के नही हो सकता है। बाबा ने कहा था कि शिक्षित बनो, संगठित रहो तथा अपने हक तथा अधिकारो के लिए आगे बढ़ो। बाबा के बताए रास्ते पर चलते हुए अपने हक तथा अधिकार के लिए आगे बढ़ने की आवश्यकता है। धोबी समाज को उसका अधिकार तभी मिल सकता है जब समाज के लोग एक सुत्र में बंधते हुए आगे बढ़ेगे। बाबा संत गाडगे ने स्वच्छता के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिया। विशिष्ट अतिथि महासंघ के प्रदेश नेता राजू कुमार रजक ने कहा कि बाबा साहब ने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को न्याय दिलाने के लिए काफी लम्बा संघर्ष किए थे। समाज का विकास बगैर शिक्षा के नही हो सकता है। समाज आज भी काफी पिछड़ा हुआ है सभी को संगठित होने की जरूरत है। इससे पहले बाबा साहब के चित्र पर पुष्पांजलि करते हुए तथा दीप प्रज्ज्वलित करते हुए श्रदा सुमन अर्पित किया गया। बाबा संत गाडगे के चित्र के समक्ष केक काटते हुए जन्मदिन मनाया गया। मौके पर बच्चों के बीच टाफी तथा मिठाई का वितरण किया गया। शहरी क्षेत्र के साथ- साथ प्रखंड के ककरगढ़, सलगी, सुंदरू, पंडरा, ओपा समेत अन्य गांवों मे धोबी महासंघ के द्वारा संत गाडगे महाराज की जयंती मनाई गई। मौके पर महासंघ के प्रदेश मीडीया प्रभारी अमित कुमार प्रदेश नेता राजू कुमार रजक लोहरदगा जिला अध्यक्ष राकेश कुमार रजक प्रखंड अध्यक्ष जयधन बैठा,बरूण बैठा, दिलिप बैठा, राजा कुमार, जितेंद्र रजक, सीताराम रजक, गौतम रजक, आकाश बैठा, रूणा बैठा, सुजित रजक, मनीष बैठा, जगबीर रजक, उर्मिला देवी, रमेश बैठा, चंचला देवी, श्याम बैठा, अनिता देवी, अभिषेक कुमार रिंकू, अधनु बैठा, राजू रंजन बैठा, आकाश कुमार राजा सहित अन्य शामिल थे।

लोहरदगा नगर निकाय चुनाव : 46 मतदान केंद्रों पर हुआ मतदान

महिला और युवा मतदाताओं की लंबी कतारें, 27 फरवरी को आएंगे नतीजे

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। जिले में नगर निकाय चुनाव को लेकर सोमवार सुबह 7 बजे से मतदान की प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से शुरू हुई। सुबह से ही मतदाता अपने-अपने मतदान केंद्रों पर पहुंचने लगे थे। दोपहर 2 बजे तक शहर के विभिन्न मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतारें देखी गईं। खासकर पीएम श्री राजकीय मध्य विद्यालय, नवाड़ीपाड़ा स्थित मतदान केंद्र पर मतदाताओं में विशेष उत्साह नजर आया, जहां लोग लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए अनुशासित तरीके से कतारबद्ध होकर वोट देने के लिए खड़े थे। नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 1 से 23 तक के पार्षद पदों के साथ-साथ नगर परिषद अध्यक्ष पद के लिए भी मतदान कराया जा रहा है। चुनाव को लेकर प्रशासन की ओर से व्यापक तैयारियां की गई थीं। जिले में कुल 46 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जहां सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

प्रत्येक केंद्र पर पुलिस बल की तैनाती की गई है ताकि मतदान प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके। महिला मतदाताओं में इस बार खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। बड़ी संख्या में महिलाएं सुबह से ही मतदान केंद्रों पर पहुंच रही हैं और बढ़-चढ़कर अपने मताधिकार का प्रयोग कर रही हैं। युवाओं में भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया को लेकर जागरूकता साफ तौर पर दिखाई दे रही है। पहली बार मतदान करने वाले युवा मतदाता भी उत्साह के साथ मतदान केंद्रों पर पहुंचे। प्रशासन की ओर से मतदान केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था की गई है, ताकि मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग मतदाताओं के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। मतदान केंद्रों पर साफ-सफाई, पेयजल और छाया की भी व्यवस्था की गई है। जिले में मतदान शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से जारी है। चुनाव परिणाम 27 फरवरी को घोषित किए जाएंगे, जिसके बाद नगर परिषद की नई सरकार का गठन होगा। लोकतंत्र के इस महापर्व में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी जिले की लोकतांत्रिक परंपरा को और सशक्त कर रही है।

कार्यक्रम

सरना अस्मिता पर सांसद सुखदेव भगत का बड़ा बयान, कहा

संस्कृति और धार्मिक स्थलों की रक्षा हमारा कर्तव्य

- पुतलो ग्राम में सरना स्थल घेराबंदी का शिलान्यास, जल-जंगल-जमीन की रक्षा का आह्वान

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। आदिवासी अस्मिता और सांस्कृतिक पहचान को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र के सांसद सुखदेव भगत ने बेड़ो प्रखंड के पुतलो ग्राम में सरना स्थल घेराबंदी कार्य का शिलान्यास किया। सादे किन्तु गरिमामय समारोह में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, समाज के बुद्धिजीवी, जनप्रतिनिधि एवं महिला-पुरुष उपस्थित रहे। शिलान्यास के उपरांत अपने संबोधन में सांसद सुखदेव भगत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सरना स्थल आदिवासी समाज की आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक पहचान का जीवंत केंद्र है। इसकी सुरक्षा और संरक्षण हम सबका सामूहिक दायित्व है। घेराबंदी से इसकी पवित्रता और पहचान अक्षुण्ण बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार राज्य भर में सरना, मसना स्थलों की घेराबंदी तथा धुमकुड़िया भवनों का निर्माण कर आदिवासी संस्कृति को संरक्षित और सशक्त करने का कार्य कर रही है। यह पहल न केवल धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को अपनी परंपराओं से जोड़ने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

सांसद ने जोर देते हुए कहा कि जल, जंगल और जमीन की सुरक्षा आदिवासी जीवन का मूल आधार है। यदि ये सुरक्षित रहेंगे, तभी हमारी संस्कृति और अस्तित्व सुरक्षित रहेगा। उन्होंने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे अपनी सांस्कृतिक धरोहरों की रक्षा के लिए एकजुट होकर आगे आएं। उन्होंने यह भी कहा कि सरना स्थल केवल पूजा-अर्चना का स्थान नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, पारंपरिक निर्णय और सामुदायिक एकता का केंद्र भी है। यहां समाज के महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाते हैं और पारंपरिक रीति-रिवाजों का निर्वहन होता है। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने सांसद के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि यह कदम आदिवासी अस्मिता को नई मजबूती प्रदान करेगा। ग्रामीणों में भी इस पहल को लेकर उत्साह और संतोष देखा गया। समारोह का समापन सामूहिक संकल्प के साथ हुआ कि सरना स्थल की गरिमा और पवित्रता को बनाए रखने के लिए समाज संगठित होकर कार्य करेगा।

न्यूज बॉक्स

लोहरदगा के सर्वांगीण विकास के लिए सदैव तत्पर रहेंगे : सूखैर भगत

लोहरदगा। जिला कांग्रेस कमिटी, लोहरदगा के अध्यक्ष सूखैर भगत ने आम मतदाताओं के प्रति आभार प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि नगर निकाय चुनाव–2026, लोहरदगा के इस लोकतांत्रिक महापर्व में सबसे पहले मैं अपने हृदय की गहराइयों से जिला कांग्रेस कमिटी लोहरदगा एवं कांग्रेस परिवार के प्रत्येक सम्मानित साथी, कार्यकर्ता और शुभचिंतक का कोटि-कोटि आभार व्यक्त करता हूँ। कहा कि आप सभी ने कठिन परिस्थितियों में भी अडिग विश्वास, अथक परिश्रम और निस्वार्थ समर्पण के साथ जिस तरह साथ निभाया, वह मेरे लिए केवल सहयोग नहीं बल्कि जीवन भर का भावनात्मक संबल है। साथ ही लोकतंत्र की आवाज़ बने प्रेस एवं मीडिया के सभी सम्मानित बंधुओं, हमारी पूरी जुझारू टीम और लोहरदगा नगर की जागरूक, संवेदनशील और स्वाभिमानी जनता जनार्दन को मैं हृदय से नमन करते हुए धन्यवाद देता हूँ। आपके प्रेम, समर्थन और विश्वास ने हमें भीतर से और अधिक मजबूत, और जनसेवा के लिए और अधिक संकल्पित बनाया है। यह भरोसा ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। लोहरदगा के सर्वांगीण विकास, भाईचारा, अमन-चैन और जनहित के लिए हम सदैव पूरी निष्ठा और ईमानदारी से आपकी सेवा में तत्पर रहेंगे।

बाल विवाह रोक थाम को लेकर चलाया गया जागरूकता अभियान

सेन्हा। प्रखंड क्षेत्र के अलौदी पंचायत स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय अलौदी में झालसा रांची के निर्देशानुसार डालसा अध्यक्ष सह प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश राजकमल मिश्रा एवं सचिव राजेश कुमार के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से बाल विवाह रोक थाम व लिंग चयनात्मक प्रथा उन्मूलन को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। उसी निमित पीएलवी पुनु देवी और प्रियांशु यादव और श्रीमति कुमारी के द्वारा प्रखंड क्षेत्र के अलौदी ग्राम स्थित विद्यालय में शिक्षक-शिक्षिका और छात्र-छात्राओं को कम उम्र में विवाह नही करने के उद्देश्य को बताते हुए बाल विवाह रोक थाम के लिये जागरूकता अभियान चलाया गया। जिस पर बताया गया की कम उम्र में शादी विवाह करना कानून अपराध है। सरकार द्वारा निर्धारित उम्र से पहले माता पिता अपने लड़के-लड़कियों का विवाह करते हैं। तो उन्हें आर्थिक दंड के साथ जेल की सजा हो सकती है। सभी लोगों को पढ़ाई लिखाई कर भविष्य बनाने का पूर्ण अधिकार है। साथ ही कहा गया कि कम उम्र में विवाह करने से लड़के-लड़कियां जल्द ही माता पिता बन जाते हैं। जिसे उनको काफी परेशानी होती है। कम उम्र में विवाह करने से अधिकांश लड़कियों का शारीरक मानसिक तनाव होता है। जिसे वे भविष्य में अधिक परेशान रहती है। सरकार द्वारा लड़कों के लिए 20 वर्ष व लड़कियों के 18 वर्ष विवाह के लिए उम्र सीमा निर्धारित किया गया है। खास कर छात्र-छात्राओं से पढ़ाई लिखाई कर भविष्य को संवारने के बाद शादी विवाह करने और बाल विवाह रोकथाम के लिए जागरूक करने का अपील किया गया। मौके पर शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ साक्षी कुमारी, ज्वाला कुमारी, बादल उरांव, रोहणी कुमारी, शशिकांत उरांव, खुशी कुमारी, विशाल महतो, महक कुमारी, अनिता कुमारी, शुभम लोहरा, अंकित उरांव, अनिमा कुमारी, सूरज महतो समेत विद्यालय के अन्य शिक्षक-शिक्षिका व छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

बाल विवाह मुक्ति रथ ने कैरो प्रखंड का किया भ्रमण

कैरो / लोहरदगा। ग्राम स्वराज्य संस्थान के संयुक्त प्रयास से चलाए जा रहे बाल विवाह मुक्ति रथ ने कैरो प्रखंड का भ्रमण किया। इस दौरान रथ के माध्यम से विभिन्न हाट-बाजारों एवं प्रखंड कार्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनके माध्यम से आम नागरिकों एवं हितधारकों को बाल विवाह के दुष्परिणाम, कानूनी प्रावधान तथा बाल अधिकारों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गईं। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जिला प्रशासन, प्रखंड प्रशासन एवं पंचायत प्रतिनिधियों के संयुक्त तत्वावधान में समुदाय के सभी वर्गों को जागरूक कर जिले को बाल विवाह मुक्त जिला बनाना है। कार्यक्रम के दौरान कैरो प्रखंड व थाना के कर्मियों ने बाल विवाह मुक्ति रथ का स्वागत करते हुए कहा कि बाल विवाह एक सामाजिक अभिशाप है तथा 18 वर्ष से कम आयु की बालिकाओं का विवाह कराना कानूनन अपराध है। उन्होंने पंचायत कर्मियों, मुखिया एवं सहिया सेविकाओं से आह्वान किया कि वे सभी मिलकर इस सामाजिक बुराई को अपने क्षेत्र से समाप्त करें।

यज्ञ में आहूति देने से मनुष्य के सभी पाप हो जाते हैं नष्ट : प्रदीप मिश्रा

सेन्हा। प्रखंड मुख्यालय स्थित नवनिर्मित दुर्गा प्राण प्रतिष्ठा के निमित आयोजित शत चंडी यज्ञ का आयोजन के दौरान यज्ञाचार्य प्रदीप मिश्रा द्वारा सोमवार को नंदकिशोर शुक्ला, अवधकिशोर साहू, अजय सोनी, मदन साहू, शिवा महतो, राजकुमार साहू, राजू साहू सहित अन्य यजमानों को सपत्नीक यज्ञ कराया गया। वही यज्ञाचार्य प्रदीप मिश्रा ने यजमानों को बताते हुए कहा कि यज्ञ में आहुति देने से मनुष्य का सभी पाप नष्ट हो जाता है। क्योंकि यज्ञ में 33 कोटि देवी देवताओं का निवास रहता है। इसलिए यज्ञ करने पर ही श्रद्धालु भक्तों को एक साथ 33 कोटि देवी देवताओं का पूजन करने का सौभाग्य प्राप्त होता है। जबकी तीर्थ यात्रा में एक साथ ऐसा सम्भव नही हो पाता है। शत चंडी महायज्ञ और दुर्गा मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर श्रद्धालु भक्तों के हृदय में उमंग व भक्ति है। साथ ही प्रत्येक दिन संध्याकाल में विष्णुचित्त महाराज के द्वारा श्रीमद्भागवत गीता महात्म्य का प्रवचन सुनाया जा रहा है। मौके पर अवनीश पाठक, हर्ष शास्त्री, अभिषेक मिश्रा, बिपुल शास्त्री, राजेश पाठक, विपिन शास्त्री सहित अन्य विद्वान आचार्य पुरोहित के अलावे अध्यक्ष जोधनरायण साहू, उपाध्यक्ष अजय साहू, संतोष महतो, बृजमोहन प्रसाद, केदारनाथ साहू, कमेश महतो, रविन्द्र शुक्ला सहित सैकड़ों भक्त महिला पुरुष मौजूद थे।

महिला कालेज कर्मियों की होली बेरंग होगी, वेतन के पड़े लाले

लोहरदगा। मधुसूदन लाल अग्रवाल महिला कॉलेज कर्मियों को 3 महीने से वेतन नहीं मिला है। पिछले कई सालों से कॉलेज के कर्मियों को वेतन के लिए महीनों इंतजार करने की जैसे नियति बन गई है। हाल यह है कॉलेज कोष में पर्याप्त राशि होने के बावजूद पिछले साल एक साल बाद वेतन भुगतान हुआ था। जनप्रतिनिधि अधिकारी कालेज कर्मियों की गुहार पर चुप्पी साधे रहे थे। इस बार भी यही स्थिति बनती नजर आ रही है। सूत्रों के अनुसार सत्ता पक्ष की राजनीति से जुड़े लोगों की गैर जरूरी दखलअंदाजी कॉलेज में समस्याओं की वजह बन गई है।

नगरपालिका चुनाव 2026

गुमला के सभी बूथों पर शांतिपूर्ण मतदान, युवाओं में दिखा उत्साह

● अधिकारियों ने निष्पक्ष पारदर्शी और भयमुक्त मतदान सुनिश्चित कराने में निभायी अहम भूमिका

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। नगरपालिका आम चुनाव 2026 को सफल, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित एवं पुलिस अधीक्षक हारिस बिन ज़मा ने सोमवार को जिले के विभिन्न मतदान केंद्रों का संयुक्त निरीक्षण किया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने मतदान केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था और मतदाताओं के लिए की गई सुविधाओं का जायजा लिया। सुबह 7 बजे से ही जिले के सभी मतदान केंद्रों पर मतदाता उत्साहपूर्वक कतार में लगकर अपने मताधिकार का प्रयोग करते नजर आए। पूरे जिले में मतदान शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से संचालित हो रहा है।

निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने आजाद बस्ती स्थित चलंत बूथ संख्या 10/1 एवं 10/2, कम्युनिटी हॉल अम्बेडकर नगर के बूथ संख्या 4/1, मॉडल आंगनवाड़ी केंद्र खड़िया पाड़ा के बूथ संख्या 4/2, व्यापार मंडल के बूथ संख्या 5/1, संयुक्त सहकारिता भवन के बूथ संख्या 5/2 तथा नगर परिषद परिसर स्थित बूथ संख्या 21/1 एवं 21/2 का निरीक्षण किया।

इस दौरान अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल, स्वच्छता, बिजली आपूर्ति तथा मतदाताओं की सुविधा से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की।

उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने मौके पर तैनात दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों एवं मतदान कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि मतदान प्रक्रिया को पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी एवं भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान सभी केंद्रों पर व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं।

जिला प्रशासन द्वारा सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं तथा कंट्रोल रूम के माध्यम से लगातार निगरानी की जा रही है।

प्रशासन ने जिले के मतदाताओं से अपील की है कि वे निर्धारित समय के भीतर अपने मतदान केंद्र पर पहुंचकर लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं।

भरनो में एक मार्च को लगेगा पारंपरिक फागुन मेला

नवीन मेल संवाददाता

भरनो। भरनो प्रखंड मुख्यालय परिसर में आयोजित होने वाला पारंपरिक वार्षिक फागुन मेला इस वर्ष 01 मार्च 2026 को आयोजित किया जाएगा। मेले की तैयारियों को लेकर प्रखंड प्रशासन ने प्रक्रिया शुरू कर दी है। फागुन मेला के सफल आयोजन को लेकर प्रखंड कार्यालय भरनो द्वारा डाक (नीलामी) की प्रक्रिया पूरी की जानी है। इस संबंध में प्रखंड कार्यालय परिसर में 26 फरवरी 2026, गुरुवार को पूर्वाह्न 11 बजे से डाक की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। प्रखंड विकास पदाधिकारी अरुण कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि फागुन मेला क्षेत्र की सांस्कृतिक परंपरा और सामाजिक आस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। मेले के सुचारू संचालन के लिए डाक प्रक्रिया के माध्यम से विभिन्न व्यवस्थाओं का चयन किया जाएगा।

उन्होंने प्रखंड के सभी आम एवं खास लोगों, व्यवसायियों तथा इच्छुक व्यक्तियों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि और समय पर प्रखंड कार्यालय पहुंचकर डाक प्रक्रिया में भाग लें। प्रशासन को उम्मीद है कि इस वर्ष भी फागुन मेला पूरे उत्साह, परंपरा और उल्लास के साथ आयोजित होगा, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे।

बुढ़ीपाठ में कुड़ुख भाषा के संरक्षण की नई पहल

'चम्मबी लूर कुड़िया स्कूल' का शुभारंभ, मातृभाषा से जुड़ेंगे बच्चे

नवीन मेल संवाददाता

भरनो (गुमला)। भरनो प्रखंड के बुढ़ीपाठ गांव में सोमवार को जनजातीय भाषा और संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए कुड़ुख चम्मबी लूर कुड़िया स्कूल का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस विद्यालय की स्थापना का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में कुड़ुख भाषा और तोलोंग लिपि का प्रचार-प्रसार करना है, ताकि नई पीढ़ी अपनी मातृभाषा और सांस्कृतिक पहचान से जुड़ी रह सके। विद्यालय का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. नारायण उरांव तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा के अध्यक्ष मुकेश उरांव, पड़हा अध्यक्ष लधुवा उरांव, जुगल उरांव सहित अन्य गणमान्य लोगों ने दीप प्रज्वलित कर एवं फीता काटकर किया।

कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ हुई, जिससे आयोजन पूरी तरह सांस्कृतिक रंग में रंगा नजर आया। विद्यालय के संस्थापक रतिया उरांव ने सभी अतिथियों का पारंपरिक अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि डॉ. नारायण उरांव ने कहा कि आधुनिकता की दौड़ में आदिवासी समाज की भाषा और संस्कृति धीरे-धीरे विलुप्त होती जा रही है। ऐसे समय में इस तरह के विद्यालय की स्थापना अत्यंत सराहनीय और प्रेरणादायक कदम है।

पेड़ से गिरी किशोरी सदर अस्पताल में भर्ती

पालकोट (गुमला)। पालकोट थाना क्षेत्र के गोडाडीह गांव में सोमवार को एक किशोरी पेड़ से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल किशोरी की पहचान रतिया खड़िया की 17 वर्षीय पुत्री सविता कुमारी के रूप में हुई है। परिजनों ने उसे तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल गुमला में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज जारी है।परिजनों के अनुसार, सोमवार सुबह सविता कुमारी बकरी चराने के लिए झापी पहाड़ गई थी। इसी दौरान वह पेड़ पर चढ़कर डाली काट रही थी। अचानक डाली टूट जाने से उसका संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे जमीन पर गिर पड़ी।

कक्षा 6, 7 और 9 में नामांकन के लिए दिशा-निर्देश जारी

नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर। झारखंड आवासीय विद्यालय कातिंग में आज शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए नामांकन प्रक्रिया को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विद्यालय की रिक्त सीटों, श्रेणीवार आरक्षण और नामांकन की पारदर्शिता पर विस्तार से चर्चा कर कई अहम निर्णय लिए गए।बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी सत्र में कक्षा 6, 7 और 9 के लिए नामांकन लिए जाएंगे। सामाजिक न्याय और समावेशी शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए सीटों का बंटवारा कक्षा 6 कुल 50 सीटें है जिसमें अनुसूचित जनजाति 31 सीटें,अनुसूचित जाति 01 सीट, ओबीसी एवं सामान्य 05 सीटें,अल्पसंख्यक के लिए 01 सीट, बीपीएल श्रेणी 12 सीटें, उच्च कक्षाएं के कक्षा 7 के लिए 02 सीटें,कक्षा 9 के लिए 01 सीट है।बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिला परिषद सदस्य मेरी लकड़ा ने कहा कि आवासीय विद्यालयों का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और जरूरतमंद बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। उन्होंने नामांकन प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी रखने के निर्देश दिए।कातिंग पंचायत की मुखिया मधुरा मिंज और चैनपुर मुखिया शोभा देवी ने भी शिक्षा के अधिकार पर जोर देते हुए कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े बच्चों को इन सीटों का लाभ मिलना चाहिए। विद्यालय की वार्डन सिलवाती देवी ने अतिथियों का स्वागत किया और आगामी सत्र की तैयारियों की जानकारी साझा की।बैठक के दौरान विद्यालय की सभी शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं। उन्होंने न केवल नामांकन बल्कि आने वाले सत्र में शैक्षणिक गुणवत्ता को और बेहतर बनाने पर अपने विचार रखे।

4-5 माह से मानदेय नहीं मिलने पर सहिया बहनों में नाराजगी

डीसी को सहिया बहनें आज सौंपेंगी मांगपत्र

● नियमित स्वास्थ्य सेवाएं देने के बावजूद भुगतान नहीं मिलने से कर्मियों में नाराजगी बढ़ी

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत कार्यरत सहिया, सहिया साथी, बीटीटी और एसटीटी कर्मियों को पिछले 4 से 5 माह से प्रोत्साहन राशि और मानदेय का भुगतान नहीं होने के कारण उनमें गहरा असंतोष व्याप्त है। लंबित भुगतान के चलते इन कर्मियों को आर्थिक और पारिवारिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं का नियमित और जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करने के बावजूद मानदेय नहीं मिलने से कर्मियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। कर्मियों का कहना है कि वे लगातार क्षेत्र में स्वास्थ्य योजनाओं को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, लेकिन भुगतान लंबित रहने से उनकी स्थिति दयनीय हो गई है।

इस समस्या के समाधान को लेकर सहिया सह सामूहिक प्रशिक्षक संघ ने पहल करते हुए 24 फरवरी, मंगलवार को उपायुक्त महोदया एवं सिविल सर्जन महोदय को मांगपत्र सौंपने का निर्णय लिया है। इस मांगपत्र के माध्यम से लंबित मानदेय और प्रोत्साहन राशि का जल्द भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की जाएगी। संघ की संरक्षण उमा देवी एवं उपाध्यक्ष अंजना साहू ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए कहा कि यदि जल्द भुगतान नहीं किया गया तो सहिया कर्मियों को आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। संघ ने जिला प्रशासन से सहिया कर्मियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र समाधान करने की मांग की है, ताकि स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित न हों और कर्मियों को राहत मिल सके।

समाज के विरोध से आहत प्रेमी युगल ने दी जान, गांव में पसरा मातम

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। गुमला जिले के कामडारा थाना क्षेत्र अंतर्गत गबरटोली गांव के समीप अंतरजातीय प्रेम संबंध के विरोध से आहत एक प्रेमी युगल ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस दर्दनाक घटना से पूरे क्षेत्र में शोक और सनसनी का माहौल है। घटना की सूचना मिलते ही कामडारा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को फंदे से नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गुमला भेज दिया। सोमवार को दोपहर करीब 12 बजे पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पोढ़व टोली निवासी राजू सिंह की 16 वर्षीय पुत्री सोनी कुमारी और गबरटोली निवासी रमेश बड़ाइक के बीच पिछले कुछ समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों अलग-अलग जाति से होने के कारण उनके रिश्ते का समाज और परिजनों द्वारा विरोध किया जा रहा था। बताया जाता है कि शनिवार को सोनी कुमारी मैट्रिक की प्रायोगिक परीक्षा देने बसिया गई थी। उसके पिता उसे लेने पहुंचे, लेकिन उससे पहले ही उसका प्रेमी वहां पहुंच गया और दोनों साथ फरार हो गए।

परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका।

बांसडीह घाट में अनियंत्रित होकर गिरी बाइक, युवक घायल

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। रायडीह थाना क्षेत्र के काटा सारू गांव निवासी 20 वर्षीय अनिल उरांव सोमवार देर दोपहर सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया। बांसडीह घाट के समीप उसकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई, जिससे वह बुरी तरह जख्मी हो गया।

घटना के बाद आसपास मौजूद स्थानीय लोगों ने मानवता का परिचय देते हुए परिजनों को सूचना दी और घायल युवक को तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल गुमला पहुंचाया। फिलहाल अस्पताल में उसका इलाज जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अनिल उरांव मजदूरी का काम करता है। वह सोमवार को गुमला में काम खत्म कर बाइक से अपने घर काटा सारू लौट रहा था। इसी दौरान बांसडीह घाट के पास अचानक बाइक अनियंत्रित हो गई और वह सड़क पर गिर पड़ा। हादसे में उसे गंभीर चोटें आई हैं।

बरगांव में खड़िया पेट्रोल पंप का शुभारंभ

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। मुरकुंडा रोड स्थित बरगांव के समीप खड़िया पेट्रोल पंप का विधिवत शुभारंभ सोमवार को हर्षोल्लास के साथ किया गया। पेट्रोल पंप की प्रोपराइटर लक्ष्मिण कुमारी हैं। उद्घाटन से पूर्व पुरोहित विष्णु शर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधान से पूजन-अर्चन कराकर पेट्रोल पंप के सफल संचालन की कामना की।

इसके पश्चात जिला परिषद उपाध्यक्ष संयुक्त देवी, सरगांव पंचायत के मुखिया पतराज उरांव, कसीरा पंचायत के मुखिया राजेश खड़िया, अमंवा पंचायत की मुखिया सीता देवी, मुकुंद पंचायत के सरपंच फकीरचंद भगत तथा अमंवा पंचायत के सरपंच रमेश सिंह सहित सुरेश लकड़ा, अनीता, लक्ष्मी एवं सुनील ने संयुक्त रूप से फीता काटकर पेट्रोल पंप का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने कहा कि पेट्रोल पंप के शुरू होने से बरगांव और आसपास के ग्रामीणों को अब ईंधन के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। इससे समय और संसाधनों की बचत होगी तथा क्षेत्र के विकास को भी गति मिलेगी।

कुएं में मिला 15 वर्षीय किशोर का शव

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। जिले के घाघरा थाना क्षेत्र अंतर्गत सिलाफारी गांव में सोमवार को एक कुएं से 15 वर्षीय किशोर का शव बरामद होने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान कसपोढया गांव निवासी स्वर्गीय ढुनू मुंडा के पुत्र कामदेव मुंडा के रूप में की गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कामदेव मुंडा अपने जीजा छोटेलाल मुंडा के साथ सिलाफारी गांव में रह रहा था। वह 18 फरवरी की शाम से अचानक लापता हो गया था। परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कहीं कोई सुराग नहीं मिल सका। इसी बीच सोमवार को सिलाफारी गांव निवासी सुरेश साहू के कुएं में एक शव तैरता हुआ दिखाई दिया। शव देख ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी गई।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए पंचनामा तैयार किया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गुमला भेज दिया गया।

फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही किशोर की मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। वहीं, इस घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव में शोक का माहौल है।

बसिया में टीबी मुक्त भारत अभियान को लेकर प्रशिक्षण आयोजित

जनभागीदारी से टीबी मुक्त पंचायत बनाने पर जोर

नवीन मेल संवाददाता

बसिया (गुमला)। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत रेफरल अस्पताल बसिया के सभागार में सोमवार को प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य टीबी बीमारी के प्रति जागरूकता फैलाना, टीबी फोरम का गठन करना तथा जनभागीदारी के माध्यम से टीबी मुक्त पंचायत का निर्माण सुनिश्चित करना था।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रखंड प्रमुख, प्रखंड विकास पदाधिकारी, चिकित्सा पदाधिकारी, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, प्रखंड क्रम पदाधिकारी, टीबी विभाग के वरीय चिकित्सा पर्यवेक्षक, सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी, एएनएम, पंचायत के मुखिया, पंचायत सचिव, ग्राम प्रधान, टीबी चैंपियन, पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं स्थानीय गैर सरकारी संगठनों के सदस्यों सहित प्रखंड एवं पंचायत स्तर के कई जनप्रतिनिधि और स्वास्थ्य कर्मी शामिल हुए।

कार्यक्रम में रेफरल अस्पताल बसिया के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. विजय लकड़ा, डॉ. शिपिंग बरला, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी संदीप कुमार साहू एवं टीबी विभाग के वरीय चिकित्सा पर्यवेक्षक अलेक्सियुस एक्का ने संयुक्त रूप से प्रशिक्षण दिया।

इस दौरान डॉ. विजय लकड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान का लक्ष्य देश को टीबी जैसी गंभीर बीमारी से मुक्त करना है।इसके लिए आवश्यक है कि घर-घर तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जाएं और सभी लोग इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाएं। वहीं डॉ. शिपिंग बरला ने कहा कि टीबी उन्मूलन के लिए जोखिम वाले समूहों के बीच विशेष अभियान चलाकर टीबी रोगियों की पहचान करना और उन्हें समय पर उपचार से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों से क्षेत्र में सक्रिय रहकर टीबी मरीजों की खोज करने की अपील की। प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी संदीप कुमार साहू ने उपस्थित सभी सदस्यों से अपने-अपने क्षेत्रों में घर-घर जाकर टीबी रोगियों की पहचान करने तथा स्वास्थ्य विभाग के सभी कार्यक्रमों को सफल बनाने में सहयोग करने का आग्रह किया।

कुटमा ग्राम सभा में पेड़ कटाई विवाद सुलझा, निजी संपत्ति बताकर आरोप खारिज

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। सदर प्रखंड अंतर्गत कुटमा गांव स्थित भूरिया कमेटी चबूतरा में सोमवार को ग्राम सभा की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में पेड़ काटने व बेचने के मामले में गुमला थाना में दर्ज सनहा पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता ग्राम प्रधान महावीर पाहन ने की। इस अवसर पर मुखिया, सरपंच, वार्ड सदस्य सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

ग्राम सभा में कुटमा निवासी धनंजय जायसवाल द्वारा महावीर साहू, सोमरा खड़िया, घुडा खड़िया, बंधन लोहारा, मनक महतो एवं रूपेश सिंह को आरोपी बनाए जाने के मामले पर विचार-विमर्श किया गया। आरोप था कि संबंधित व्यक्तियों द्वारा करंज पेड़ काटकर बेच दिया गया, जिसको लेकर धनंजय जायसवाल ने गुमला थाना में सनहा दर्ज कराया था।

बैठक के दौरान की गई जांच-पड़ताल में यह तथ्य सामने आया कि संबंधित जमीन स्वर्गीय रामनवमी सिंह की निजी संपत्ति है। उनके पोते रूपेश सिंह ने अपनी माता के इलाज के लिए आर्थिक आवश्यकता को देखते हुए उक्त जमीन पर लगे छह करंज पेड़ों को नामित व्यक्तियों को बेच दिया था।

ग्राम सभा ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि जमीन एवं पेड़ रामनवमी सिंह की निजी संपत्ति थी और रूपेश सिंह ने पारिवारिक जरूरत के तहत पेड़ों की बिक्री की। ऐसे में धनंजय जायसवाल द्वारा दर्ज कराया गया सनहा गलत पाया गया।

विचार प्रवाह

हम भावनाओं को अत्यधिक महत्त्व देते हैं, यहां तक कि हम यह भी मानते हैं कि उचित प्रकार की भावना अत्यंत आनंददायी होती है। इससे क्या फर्क पड़ता है कि आपको कैसा लगता है? अपने प्रारब्ध को भोगें जब तक कि यह प्रभु की इच्छा है कि आप ऐसा करें। उचित कार्य करें और यथासमय शांति एवं आनंद की सही भावना का उदय होगा। **- श्री ज्ञानमाता**

मुफ्त की रेवड़ी से बिगड़ती अर्थव्यवस्था और उपेक्षित कृषि

इंडिया

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

कभी भारत में कहा जाता था कि युद्ध और प्यार में सब कुछ जायज है जबकि इंडिया में इसमें राजनीति भी व्यापक रूप से जुड़ गया है क्योंकि भीड़तंत्र को ही लोकतंत्र स्वीकार कर लेने की प्रवृति बढ़ती जा रही है।सर्वोच्च न्यायालय ने राज्यों द्वारा चुनाव से पहले बांटी जाने वाली मुफ्त की रेवड़ियों के रूप में लोकलुभावन वादे और योजनाओं को लेकर जो तीखी टिप्पणियां की हैं, वे देश के लोकतांत्रिक और सामाजिक-राजनीतिक चरित्र के मद्देनजर गहरी चिंता का विषय हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि चुनावी राजनीति में मुफ्त योजनाओं की घोषणाओं की होड़ ने जिस प्रवृत्ति को जन्म दिया है, वह अब नीति और नैतिकता, दोनों के लिए चुनौती बनती जा रही है। ऐसी लोकलुभावन घोषणाओं के पीछे तर्क यही होता है कि वे सामाजिक न्याय और कल्याणकारी राज्य की अवधारणा को मजबूत करती हैं। निस्संदेह, संविधान भारत को एक कल्याणकारी राज्य के रूप में परिकल्पित करता है और कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए लक्षित सहायता आवश्यक भी है। लेकिन, सवाल यह है कि क्या हर चुनाव के पहले अंधाधुंध मुफ्त वितरण उसी दिशा में उठाया गया कदम है, या यह महज राजनीतिक लाभ का साधन बनकर रह चुका है। तमिलनाडु की मुफ्त बिजली योजना पर सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने इससे ही जुड़ा एक दूसरा सवाल उठाया है कि आखिर हम पूरे देश में किस तरह की संस्कृति विकसित कर रहे हैं? शीर्ष अदालत का यह कहना भी बिल्कुल उचित है कि तमिलनाडु सरकार की घोषणा सरकारी खजाने पर बोझ तो डालेगी ही, इससे बिजली वितरण कंपनियों की सेहत पर भी बुरा असर पड़ेगा। ऐसा ही एक दूसरा उदाहरण पिछले हफ्ते का है, जब तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने एक योजना के तहत आने वाली 1.31 करोड़ महिलाओं में से प्रत्येक के खाते में पांच हजार रुपये हस्तांतरित किए। उनकी इस घोषणा से एक ही झटके में राज्य सरकार पर 6,550 करोड़ रुपए का आर्थिक बोझ बढ़ गया है। ऐसा तब है, जब उनकी सरकार केंद्र पर तमिलनाडु के खिलाफ फंड जारी करने में भेदभाव करने का आरोप लगा रही है। न्यायालय की चिंता का मूल यही है कि जब राज्य सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े पैमाने पर मुफ्त योजनाओं की घोषणा करते हैं, तो इसका बोझ अंततः करदाताओं और भावी पीढ़ियों पर पड़ता है। राजकोषीय घाटा बढ़ता है और विकास योजनाएं प्रभावित होती हैं। यह भी विचारणीय है कि क्या मुफ्त योजनाएं सचमुच सशक्तीकरण का माध्यम बन रही हैं? भारतीय राजनीतिक तंत्र में मुफ्त योजनाओं की संस्कृति इतनी गहराई से समाई हुई है कि इनका कोई अंत नहीं दिखता। बात सिर्फ तमिलनाडु की नहीं, शीर्ष अदालत के सवाल सभी राज्यों व राजनीतिक दलों के लिए आईना हैं और सभी को इस दिशा में गंभीरता से सोचना भी होगा। मुफ्त राज सहायता का सबसे पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम यादव ने किया था और यह आशंका जताई थी कि इससे उनके कृषि प्रधान राज्य उत्तर प्रदेश में लोग कृषि से विमुख होंगे जिसका पूरी अर्थव्यवस्था पर असर पड़ेगा। हमारे जीवन चक्र में हम न सिर्फ एक दूसरे पर निर्भर हैं बल्कि ईश्वर ने हमें ऐसी व्यवस्था भी बांधा है कि हम न सिर्फ अन्न उगाएं बल्कि उसे पकाएं तभी खा पाएं। कल्पना कीजिए हमें भूख ही न लगे या हमें किसी चीज की आवश्यकता ही न हो तो हम समय पर उठकर दिनचर्या से लेकर परिवार पालने के लिए भागदौड़ या मेहनत क्यों करेंगे? मुफ्त अनाज जरूरतमंद को मिले तो अमृत पर फर्जी लोगों को या कुपात्र को मिले तो सामाजिक व्यवस्था का संतुलन बिगड़ेगा ही ।आजकल हर किसी को सरकारी नौकरी का लालच दिया जा रहा है जबकि नौकरियों की संख्या सीमित है और अच्छी शिक्षा के कारण कठिन प्रतियोगिता पास करना आसान नहीं।होना तो यह चाहिए था कि सभी को समान शिक्षा दी जाए और योग्यतानुसार नौकरी या व्यवसाय का अवसर मिले। किसी कुशल कारीगर के परिवार में हुनरमंद लोग नौकरी से ज्यादा कमाते हैं जबकि नौकरियों में कई बार उनका प्रदर्शन सामान्य रहता है। बिगड़ती अर्थव्यवस्था के प्रमुख प्रभाव में मुफ्त बिजली, पानी, नकद राशि और अन्य सुविधाओं के वादे राज्य के बजट का एक बड़ा हिस्सा खा जाते हैं। उदाहरण के लिए, कर्नाटक में कुछ योजनाओं पर राज्य के 2023-24 के वित्तीय घाटे का लगभग खर्च होने का अनुमान है। शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे (सड़क, पुल) जैसे उत्पादक क्षेत्रों के लिए धन की कमी हो जाती है। चुनावी वादों को पूरा करने के लिए सरकारें कर्ज लेती हैं, जिससे राज्य का कर्ज-जीएसडीपी अनुपात बढ़ता है और वित्तीय स्थिति नाजुक हो जाती है। उत्पादकता में कमीः मुफ्त की चीजों की आदत से कार्यबल में काम करने और कमाने का प्रोत्साहन कम हो सकता है। महंगाई में वृद्धिः भारी सरकारी खर्च से अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति या महंगाई बढ़ सकती है। दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता के लिए, कल्याणकारी योजनाओं और मुफ्त रेवड़ियों के बीच अंतर करना आवश्यक है। सरकारों को उत्पादक विकास और कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, न कि केवल तात्कालिक राजनीतिक लाभ के लिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पिछले कुछ दिनों में दो बार देश का ध्यान इस ओर आकर्षित कर चुके हैं कि रेवड़ी संस्कृति किस तरह लोकतंत्र और अर्थतंत्र का बेड़ा गर्क कर रही है। यह वही संस्कृति है, जिसे मुफ्तखोरी की राजनीति भी कहा जाता है। यह राजनीति न केवल लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है, बल्कि देश की आर्थिक स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव डालने वाली भी है। यह किसी से छिपा नहीं कि रेवडिय़ां बांटने की राजनीतिक संस्कृति ने न जाने कितने देशों को तबाह किया है।यूरोप के कुछ विकसित देश इसी रेवड़ी संस्कृति के कारण आज आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। भारत के पड़ोस में ही श्रीलंका, पाकिस्तान का भी इसी रेवड़ी संस्कृति ने बुरा हाल किया है। अपने देश में ही देखा जाए तो कई राज्य सरकारें इस रेवड़ी संस्कृति के कारण लगभग दीवालिया होने की कगार पर हैं। उनका बजट घाटा बढ़ता जा रहा है, लेकिन वे मुफ्तखोरी की राजनीति का परित्याग करने के लिए तैयार नहीं। इस राजनीति ने राज्य के बिजली बोर्डों का भी बुरा हाल कर रखा है, क्योंकि राज्य सरकारें चुनावी लाभ के लिए मुफ्त में या लागत से बहुत कम में बिजली दे रही हैं। इसका दुष्परिणाम बिजली बोर्ड भुगत रहे हैं।

एआई समिट में कांग्रेस के शर्टलेस प्रदर्शन के मायने

देश की बात

विजय केसरी

> भारत का संविधान देश के नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी है। इसका कदापि अर्थ यह नहीं होना चाहिए कि लोग अपनी नैतिक जिम्मेवारी को भूल जाएं। पार्टी स्तर पर विरोध प्रदर्शन हो। नीतिगत स्तर पर विरोध प्रदर्शन हो। ऐसा करने से उन्हें कौन रोक रहा है?

देश की राजधानी दिल्ली में आयोजित एआई समिट के दौरान युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने एकाएक शर्टलेस प्रदर्शन, देश के प्रधानमंत्री और आयोजन के औचित्य के खिलाफ नारे बाजी कर एक अक्षम्य अपराध करने जैसा कृत्य किया है। अगर मैं ऐसा लिखता हूं तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी । युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के शर्टलेस प्रदर्शन का देशभर में व्यापक निंदा हो रही है। हम सबों को ज्ञात होना चाहिए कि अगर भारत एआई के क्षेत्र में पीछे रह गया तो बहुत पीछे चल जाएगा। अगर भारत एआई के क्षेत्र में सृजन कर्ता बनेगा तभी भारत 2047 तक एक विकसित देश के रूप में स्वयं को स्थापित कर पाएगा। अन्यथा भारत विश्व भर के देशों की कंपनियों के उत्पादों का केवल एक बाजार बनकर रह जाएगा। क्या कांग्रेस पार्टी भारत को विश्व भर की कंपनियां के उत्पादों के बिक्री केन्द्र के रूप में विकसित करना चाहती हैं? अगर यह सच है, तो भारत का स्वालंबन, देश की प्रतिभा और विकास के बढ़ते कदम पर रोक लगाने जैसा होगा। भारत का संविधान देश के नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी है। इसका कदापि अर्थ यह नहीं होना चाहिए कि लोग अपनी नैतिक जिम्मेवारी को भूल जाएं। पार्टी स्तर पर विरोध प्रदर्शन हो। नीतिगत स्तर पर विरोध प्रदर्शन हो। ऐसा करने से उन्हें कौन रोक रहा है? राज्यसभा और लोकसभा में विरोध प्रदर्शन होते ही रहते हैं। वहां पर इस मुद्दे को तरीके से उठाते। दिल्ली में आयोजित एआई समिट से उन्हें क्या शिकायत है? इस मुद्दे को दोनों सदनों में उठाते। यह एक लोकतांत्रिक तरीका होता है। लेकिन इस तरह के वैश्विक आयोजन के दौरान शर्टलेस प्रदर्शन करना किसी भी सूरत में उचित नहीं है। हम सबों को ज्ञात होना चाहिए कि अभिव्यक्ति की आजादी के साथ ही नैतिक जिम्मेदारी भी बनती है कि कोई ऐसा काम न करें, जिससे कि भारत की छवि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धूमिल हो। इसके साथ ही यह भी ज्ञात होना चाहिए कि विकास के क्षेत्र में भारत के बढ़ते कदम पर भूल कर भी रोका न लगाया जाए। लोकतंत्र की मजबूती का तकाज़ा यह है कि देश की सुरक्षा और विकास के मुद्दे पर विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच मैत्री भाव रहे। यह देश के हित में होगा। देश की सुरक्षा और विकास के मुद्दे पर पक्ष और विपक्ष दोनों को आपसी वैमनस्य और राजनीति से मुक्त होकर कार्य करने की जरूरत है।

युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को यह कदापि भूलना नहीं चाहिए कि जिस कार्यक्रम में वे सभी शर्टलेस प्रदर्शन कर रहे हैं, वह कोई राजनीति कार्यक्रम नहीं बल्कि एक वैश्विक स्तर पर सरकारी कार्यक्रम था। दिल्ली में आयोजित एआई समिट कार्यक्रम में सौ से अधिक देशों के प्रतिनिधि मंडल, बीस की संख्या में विभिन्न देशों से आए राष्ट्राध्यक्ष तथा साठ मंत्रीगण सम्मिलित हुए थे। उन सबों की महती मौजूदगी में कांग्रेस पार्टी के युवा कार्यकर्ताओं ने ऐसा कर देश की ही छवि को एक तरह से बिगड़ने का काम किया है। इससे भारत की छवि वैश्विक स्तर पर क्या बनी होगी? विचारणीय है। अब सवाल यह उठता है कि क्या युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से इस तरह विरोध प्रदर्शन करने की इजाजत ली थी? आगे सवाल यह भी उठता है कि कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की इजाजत के बिना ऐसा उग्र प्रदर्शन युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता गण कर सकते हैं। जबाब है, कदापि नहीं। अर्थात कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व भी इस शर्टलेस प्रदर्शन में शामिल हैं। यह बेहद चिंता की बात है। निष्कर्ष यह है कि कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व राजनीतिक वैमनष्यता के कारण मोदी सरकार की छवि वैश्विक स्तर पर खराब करने के लिए, ऐसा की है। विचारणीय यह है कि इस शर्टलेस व उग्र प्रदर्शन का संपूर्ण देश में तीव्र आलोचना हो रही है। वहीं कांग्रेस पार्टी का शीर्ष नेतृत्व, युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के इस शर्टलेस व उग्र प्रदर्शन पर इतरा रही है। देश वासियों को यह जानना चाहिए कि आई इम्पैक्ट समिट,औपचारिक रूप से इण्डिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 कृत्रिम बुद्धिमत्तापर आधारित एक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न था, जिसका आयोजनभारत मण्डपम्, नयी दिल्ली में 16 - 21 फ़रवरी को सम्पन्न हुआ। यह वैश्विक एआई सम्मेलनों की श्रृंखला का चतुर्थ आयोजन था, इसके पूर्व 2023 में ब्लेच्ली पार्क एआई सेफ़्टी समिट, 2024 में एआई सियोल समिट तथा 2025 में पेरिस में एआई ऐक्शन समिट आयोजित हुए थे। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मन्त्रालयके अधीन इण्डियाएआई मिशन के अन्तर्गत आयोजित यह सम्मेलन इस श्रृंखला का प्रथम आयोजन था, जिसकी मेज़बानी किसीवैश्विक दक्षिणराष्ट्रने की थी।

इस एआई सम्मेलन में अनेक भारतीय एआई प्रतिरूप एवं उत्पाद प्रदर्शित किए गए थे। एक भारतीय ने एआई प्रयोगशाला, सर्वम् एआईने 30 अरब तथा 1.50 खरब प्राचलों वाले विशेषज्ञ-मिश्रण आधारित नवीन भाषा-प्रतिरूपों के साथ-साथ, लेख-से-वाक, वाक-से-लेख एवं दृष्टि प्रतिरूप प्रस्तुत किया। सर्वम् ने 'काज़े' स्मार्टग्लासेस, चतुर-चश्मा,भी प्रदर्शित किया, जिनका परीक्षण प्रधानमन्त्री मोदी ने इस प्रदर्शनी में किया। भारत सरकार-समर्थित भारतजेन 'परम२' प्रतिरूप, जो 17 अरब प्राचलों वाला, 22 भारतीय भाषाओं को समर्पित और बहु-विध क्षमताओं से युक्त है, भी इस सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया। एआई के क्षेत्र में भारत बहुत ही मजबूती के साथ और बहुत ही सूझबूझ के साथ बढ़ाया है, जिसकी सराहना वैश्विक स्तर पर हो रही है। अगर भारत एआई के क्षेत्र में पीछे रह गया तो यह देश सिर्फ विभिन्न देशों की कंपनियों का एक बाजार बनकर रह जाएगा। आने वाले समय में एआई के क्षेत्र में जबरदस्त ढंग से रोजगार भी सृजन होगा। इस सम्मेलन में माइक्रोसॉफ़्टने घोषणा की कि वह दशक के अन्त तक निम्न-आय वाले देशों में एआई पहुँचाने हेतु 50 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश के मार्ग पर अग्रसर है। इस सम्मेलन की विशेषता यह रही कि सम्मेलन के दौरान भारत ने चौबीस घण्टों में एआई उत्तरदायित्व अभियान हेतु सर्वाधिक प्रतिज्ञाएं प्राप्त करने कागिनीज़ विश्व-रिकॉर्डस्थापित कर लिया। 16 -17 फ़रवरी के मध्य 250946 वैध प्रतिज्ञाएं संकलित की गईं। इंटेल इंडिया के सहयोग से इंडिया एआई मिशन के अन्तर्गत संचालित इस अभियान ने अपने प्रारम्भिक 5000 प्रतिज्ञाओं के लक्ष्य को अत्यधिक पार कर लिया। इससे पूर्व आयोजित हुए एआई सम्मेलनों में आयोजन देश को इस तरह की उपलब्धि प्राप्त नहीं हो पाई थी। यह भारत के लिए एक सुनहरा अवसर के समान था। इस मुद्दे पर देश के प्रधानमंत्री मंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 'दुनिया के अनेक विकसित देश आज भारत के साथ व्यापारिक समझौते कर रहे हैं। आज विकसित देश भारत के साथ जुड़ने के लिए उत्सुक हैं। क्योंकि उनको भारत के विकास में अपना भविष्य दिखता है। उनको भारत की युवाशक्ति में उम्मीद दिखती है। आज दुनिया को लगता है कि भारत वो ताकत है, जो 21 वीं सदी की चुनौतियों का समाधान दे सकती है।' उपरोक्त बातों को गंभीरता से लेने की जरूरत है । आज संपूर्ण विश्व की निगाहें भारत पर टिकी हुई हैं। भारत दुनिया का एक बड़ा बाजार के साथ आधुनिकतम तकनीकी और व्यापार के क्षेत्र में बहुत तेजी साथ कदम बढ़ाने वाले एक देश के रूप में अपनी पहचान बनाने में सफल रहा है। भारत सरकार ने इंडिया एआई मिशन के तहत लगभग 1.2 अरब डॉलर का प्रावधान किया है। यह एक सकारात्मक कदम है। देशवासियों को यह भी जानना चाहिए कि आज हमारा देश कृत्रिम बुद्धिमत्ता, एआई के वैश्विक दौड़ में एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। वैश्विक एआई क्षेत्र में विकसित देशों के प्रयोगशालाओं में भारतीय मूल के वैज्ञानिक ही अपने अपने कुशल बुद्धिमता का परिचय दे रहे हैं। बस! जरूरत है,मिलजुल कर सहयोग कर आगे बढ़ने की। वह दिन अब दूर नहीं है, जब एआई के क्षेत्र में भारत विश्व भर में अपना परचम लहरा पाएगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

राष्ट्रीय नवीन मेल
धर्म-अध्यात्म

उन्नति के लिए दान करें, दिखावे के लिए नहीं

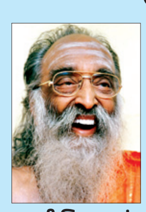

स्वामी चिन्मयानंद

जब लोग हमसे दान मांगते हैं, तो हम अक्सर सिर हिलाकर पूछते हैं कि हमें क्यों देना चाहिए! हमारे अपने घरों में ही कितनी ज़िम्मेदारियाँ होती हैं। दान केवल धन देने का नाम नहीं है। यहाँ दान का अर्थ यह समझना है कि किस व्यक्ति को किस समय क्या आवश्यकता है, तथा अपनी क्षमता (यथा शक्ति) अनुसार उसे देना। हम भोजन, धन, समय, अथवा केवल एक मुस्कान भी देकर किसी के घर और हृदय में प्रेम तथा पोषण ला सकते हैं। दान वह दृष्टिकोण है जिसमें श्रेष्ठता का भाव न हो, जिसमें प्राप्तकर्ता को नीचा न देखा जाए तथा किसी मान्यता या पुरस्कार की इच्छा भी ना हो। दान का उद्देश्य 'मेरा' होने की भावना को दूर करना है, यह सोचने की प्रवृत्ति कि कोई वस्तु हमारी है। यदि हम इस पर गहराई से विचार करें, तो हमें समझ में आएगा कि वास्तविक दाता तो ईश्वर है! वास्तव में कुछ भी हमारा नहीं है। जो कुछ भी हमारे हाथ आया है, वह हमें कृपा से प्राप्त हुआ है। देने में हमें कोई हानि नहीं होती, अपितु वह प्रचुरता किसी अन्य व्यक्ति के घर तथा हृदय में प्रवाहित होती है। दान हृदय के भीतर से उठने वाली एक अनिवार्य भावना की अभिव्यक्ति होना चाहिए। बुद्धिमता पूर्ण दान वह है जो व्यक्ति के मन में अनुभव की गई प्रचुरता से उत्पन्न होता है। यदि कोई व्यक्ति दान देने से स्वयं को निर्धन अनुभव करता है, तो उसने दान नहीं किया, केवल वस्तु देने की शारीरिक क्रिया की है। तपस्या का अर्थ एकाग्रचित्त अभ्यास है। जब भी हम किसी उच्च उद्देश्य के लिए गहन रूप से किसी कार्य पर ध्यान केंद्रित करते हैं, वही तपस्या है। हम शरीर, वाणी तथा मन के स्तर पर तपस्या कर सकते हैं। जैसा कि पहले कहा गया है, यह केवल कार्य करने की बात नहीं है, उसके पीछे की भावना भी महत्वपूर्ण है। कई लोग तीर्थयात्रा, उपवास या जप को तपस्या का रूप मानते हैं। परंतु शरीर के स्तर पर एक सरल तपस्या व्यायामशाला जाकर कसरत करना भी है।

-पुस्तक गीता पंचामृत से साभार)

भारत की विकास यात्रा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की महती भूमिका

आपकी बात

अरविंद रावल

भारत आज दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक महाशक्ति कहलाने वाला राष्ट्र बन गया है। जब देशवासी अपने देश की तरक्की की बाते सुनते हैं तो बेशक बड़ी खुशी और गर्व होता है। भारत की इस विकास यात्रा में केंद्र व राज्यों की सरकारों के साथ साथ देश के नागरिकों का भी अपना अथाह योगदान है तभी तो आज हम दुनिया की तीसरी बड़ी महाशक्ति बनकर आज उभरा है। भारत की विकास यात्रा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की भूमिका भी महती रही है जिसे नकारा नहीं जा सकता है। बेशक कुछ संघ विरोधी विचारधारा वाले लोगों को देश के विकास यात्रा में संघ का योगदान उन्हें अचरज भरा भी लगे किंतु राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के योगदान को यह देश कभी भुला नही पायेगा। आजादी के इस वक्त को याद कर कल्पना करे कुछ तथाकथित सत्ता स्वार्थी राजनेताओ की हुक्मरान बनने की चाहत के चलते जिस देश की आज़ादी धर्म के नाम पर की गई हो वहा कितना खून खराबा अपनों का अपनों के ही हाथो हुआ होगा? पाकिस्तान के उदय के साथ ही लाहोर से लगाकर कराची तक पूर्वी पश्चमी सीमओं तक में बसने वाले हिन्दुओ के कत्लेआम की जो दासता देश ने देखी हे उसकी कल्पना मात्र से आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हे शरीर में सिरहन पैदा हो जाती है। आजादी से पहले भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अखंड भारत की कल्पना को साकार करने की अलख जगाने के लिए लोगो को जागरूक कर रहा था। कई मोको पर राष्ट्रीय स्वयं संघ के जन्मदाता और तत्कालीन प्रथम सरसंघचालक डॉ केशवराव बलिराम हेडगेवार और द्वितीय सरसंघचालक माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर गुरुजी ने भी देश की आजादी की लड़ाई लड़ने वाले सभी बड़े तात्कालीन नेताओं अखंड भारत बनाए रखने की लड़ाई लड़ने की बात कही लेकिन संघ विरोधी मानसिकता वाले कुछ लोगो ने हर बार संघ की बातो को नजरअंदाज करते हुए मुस्लिम लिंग के जिन्ना की जिद के आगे नतमस्तक होकर आखिरकार अखंड भारत को धर्म के टुकड़ो में बाट दिया था। जिन्ना की मुस्लिम लिंग के समर्थक गुंडों और पाकिस्तानी फौजी सिपाहियों ने पाकिस्तान के हर हिस्से में रह रहे हिंदुओं को वहां से भागने के लिए उन पर रक्तरंजित अत्याचार ही नही किए बल्कि हिन्दू बेटियों बहुओं और माताओं की अस्मिता को भी सरेआम लूट कर तार तार किया था। पूर्वी पश्चिमी पाकिस्तान में हिन्दुओं की लाशों के ढेर इस बात के सबूत थे कि कितना जहर हिन्दुओं के प्रति जिन्ना और उसके गुंडों ने सत्ता की लालच लोगों के बीच भरा था। आजादी के उस रक्तरंजित दोर में पाकिस्तान में सबसे पहले हिन्दू मां बहनों और बेटियों की अस्मिता को बचाने के लिए सबसे पहले राष्ट्रीय सेवक संघ के कार्यकर्ता ही आगे आए और जिन्ना के गुंडों और उसके सिपाहियों से अपनी जान की बाजी लगाकर जितना हो सकता था उतने हिन्दुओं को बचाने का भरसक प्रयास भी किया था। इतना ही नही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने विभाजन की त्रासदी से अपनी ही जमीन से बेदखल किए हुए हिंदुओं की मदद हेतू जगह जगह राहत शिविर खोलकर पाकिस्तान से बेदखल प्रताड़ित किए हुए हिन्दूओ और परिजनों को राहत शिविर में न केवल सुरक्षा दी बल्कि स्वयं सेवको ने बिना सरकार की मदद से अपने दम पर महीनों तक उन हिन्दुओ के भोजन पानी और स्वास्थ की भी व्यवस्था की थी। यह तो देश जानता है कि विभाजन के उस कठिन दौर में कैसे आरएसएस के सेवकों ने पाकिस्तान में रह रहे हिंदुओं को बचाया गया है। आज़ादी के दोर के बहुत से लोगो का मानना हे कि यदि आज़ादी के समय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयं सेवक हिन्दुओ को बचाने के लिए अपनी जान की बाजी नही लगाते तो जिन्ना के गुंडे और गुंडागर्दी पर उतारू उसकी सेना नफरत की आग में पाकिस्तान से समूची हिन्दू कोम का ही सर्वनाश कर देते। देश की आज़ादी के साथ राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने भारतीयों में एकजुटता बनी रही इस महान उद्देश्य को लेकर बिना प्रचार-प्रसार के अपने कार्यकर्ताओं के बूते अलख जगाए रखा जिसकी परिणिति यह है कि भारत आज दुनिया की महाशक्तियो को अपने आगे झुकाने वाला देश बन गया है। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

फेसबुक वॉल से

एक्स से

"यात्रा करो और किसी को मत बताओ,
एक सच्ची प्रेम कहानी जियो और
किसी को मत बताओ,
खुशी से जियो और
किसी को मत बताओ,
लोग सुंदर चीजों को बर्बाद कर देते हैं।
– खलील जिब्रान

आज का दोहा

सधी बीन बजती रही, समझ न पाये राग।
धीरे धीरे डस गया, अहंकार का नाग।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444
संपादक

शंकराचार्य विवाद : धर्म, राजनीति और न्याय के त्रिकोण में उलझता सत्य

अलग बात

ब्रज भूषण पांडेय

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के विरुद्ध हालिया कानूनी कार्रवाई ने धर्म और राजनीति के संगम पर एक बहस छेड़ दी है, जहां तथ्य और भावनाएं आपस में उलझकर एक जटिल समस्या बन गई हैं। इस घटनाक्रम ने एक ओर जहां धार्मिक गुरुओं की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सरकारी तंत्र की कार्यप्रणाली के बीच संतुलन का सवाल खड़ा किया है, वहीं दूसरी ओर इसने एक महत्वपूर्ण धार्मिक पद की गरिमा को लेकर गंभीर चिंताएँ भी पैदा की हैं। यह मामला केवल एक व्यक्तिगत विवाद नहीं है, बल्कि एक ऐसा दर्पण है जिसमें हमारे लोकतंत्र, न्याय व्यवस्था और धार्मिक आस्थाओं की वास्तविक तस्वीर झलकती है। इसे समझने के लिए न तो एकांगी दृष्टिकोण अपनाया जा सकता है और न ही भावनाओं को तथ्यों पर हावी होने दिया जा सकता है। एक तरफ यह तर्क दिया जा रहा है कि शंकराचार्य जैसी धार्मिक संस्था का प्रमुख केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक प्रतीक है, और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई को सरकारी तंत्र द्वारा असहमति दबाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। यह आशंका और भी गहरी हो जाती है जब यह सवाल उठता है कि जो सरकार खुद को सनातन धर्म की संरक्षक बताती है, उसके कार्यकाल में एक शंकराचार्य को अदालत का सामना क्यों करना पड़ रहा है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए यह आवश्यक है कि आलोचना का सम्मान किया जाए और कानून का इस्तेमाल राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता या असहमति को कुचलने के हथियार के रूप में न हो। यदि ऐसा होता है, तो यह न केवल लोकतांत्रिक मूल्यों बल्कि धार्मिक स्वतंत्रता के सिद्धांतों के लिए भी खतरा पैदा करता है। दूसरी ओर, इस मामले की जटिलता को तब और बल मिलता है जब हम आरोप लगाने वाले की पृष्ठभूमि पर गौर करते हैं। आशुतोष पांडे नामक व्यक्ति, जिस पर गौतस्करी, बलात्कार और उगाही जैसे गंभीर आरोपों के साथ दो दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं, अचानक धर्म के ठेकेदार के रूप में कैसे उभर आता है? एक हिस्ट्रीशीटर द्वारा लगाए गए आरोपों और दो संदिग्ध हलफनामों के आधार पर सनातन धर्म की सर्वोच्च संस्था पर सवाल उठाना, न्याय और धर्म दोनों की ही अवहेलना प्रतीत होती है। यह पूरा प्रकरण इस बात पर भी सवाल खड़ा करता है कि क्या कानूनी प्रक्रिया का इस्तेमाल किसी व्यक्तिगत प्रतिशोध या आपराधिक साजिश को अंजाम देने के लिए किया जा रहा है? यदि हां, तो यह न्याय व्यवस्था की गंभीर विफलता होगी। हालांकि, किसी भी धार्मिक गुरु को कानून से ऊपर नहीं माना जा सकता, यह तथ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यदि किसी के वक्तव्यों या कृत्यों से सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ने या कानून व्यवस्था के भंग होने की आशंका हो, तो सरकार और प्रशासन का यह कर्तव्य बनता है कि वह निष्पक्ष होकर कानूनी कदम उठाए। यह जरूरी है कि हम यह जांचें कि क्या यह कार्रवाई कानून के सामान्य अनुपालन का हिस्सा है या फिर इसमें कोई चयनात्मक व्यवहार किया जा रहा है। किसी भी धर्मगुरु का यह दायित्व भी बनता है कि वह अपनी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रयोग करते समय सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वाह करें, क्योंकि उनके विचारों का समाज के एक बड़े वर्ग पर गहरा प्रभाव पड़ता है। धर्म की स्वतंत्रता और सामाजिक उत्तरदायित्व के बीच यही नाजुक संतुलन इस पूरे विवाद के केंद्र में है। अंततः, शंकराचार्य विवाद हमें एक गहरे आत्मचिंतन के लिए बाध्य करता है कि हम एक ऐसे समाज का निर्माण कैसे करें जहाँ धार्मिक आस्थाओं का सम्मान हो, लेकिन साथ ही कानून का शासन भी सर्वोपरि रहे। यह घटनाक्रम भावनात्मक प्रतिक्रियाओं और राजनीतिक लाभ के बजाय तथ्यों और निष्पक्षता पर आधारित होना चाहिए। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI.61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 ।प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', सह कार्यकारी संपादक : प्रवीण कुमार दूबे, स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : समाचार - news.rnmail@gmail.com, लेख - article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

एक सोच और अमेरिका-रूस समेत 60 से अधिक देश शामिल

लोस अध्यक्ष ने किया संसदीय मैत्री समूहों का गठन

एजेंसी। नई दिल्ली

दुनिया के देशों के साथ भारत के संसदीय संबंधों को और मजबूत करने के उद्देश्य से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 60 से अधिक देशों के साथ संसदीय मैत्री समूहों का गठन किया है। यह कदम इस बात का संकेत है कि भारत की संसद विश्व की विभिन्न संसदों के साथ प्रत्यक्ष और नियमित संवाद बढ़ाना चाहती है, ताकि पारंपरिक राजनय के साथ-साथ संसदीय स्तर पर भी मजबूत संबंध बने रहें। इन मैत्री समूहों में सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के सांसद शामिल हैं। वरिष्ठ नेताओं में रवि शंकर प्रसाद, एम. थंबीदुरई, पी. चिदंबरम, राम गोपाल यादव, टी.आर. बालू, काकोली घोष दस्तीदार, गौरव गोगोई, कनिमोझी करुणानिधि, मनीष तिवारी, डेरेक ओ'ब्रायन, अभिषेक बनर्जी, असादुद्दीन ओवैसी, अखिलेश यादव, के.सी. वेणुगोपाल, राजीव प्रताप रूडी, सुप्रिया सुले, संजय सिंह, बैजयंत पांडा, शशि थरूर, निशिकांत दुबे, अनुराग सिंह ठाकुर, भर्तृहरि महताब, डी. पुरंदेश्वरी, संजय कुमार झा, हेमा मालिनी, बिप्लब कुमार देब, सुधांशु त्रिवेदी, जगदंबिका पाल, सस्मित पात्रा, अपराजिता सारंगी, श्रीकांत एकनाथ शिंदे, पी.वी. मिधुन रेड्डी और प्रफुल्ल पटेल सहित कई अन्य नेता शामिल हैं। इससे यह भी स्पष्ट हुआ कि राष्ट्र हित के मुद्दों पर भारत एक है। लोकसभा की ओर से 60 से अधिक देशों के साथ मैत्री समूह गठित करने का निर्णय इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लोकसभा अध्यक्ष की ओर से 60 से अधिक देशों के साथ मैत्री समूह गठित करने का निर्णय इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भारत संसद वैश्विक संवाद से द्विपक्षीय संबंधों को मिलेगी नई मजबूती

जिन देशों के साथ ये मैत्री समूह बनाए गए हैं, उनमें श्रीलंका, जर्मनी, न्यूजीलैंड, स्विट्जरलैंड, दक्षिण अफ्रीका, भूटान, सऊदी अरब, इजरायल, मालदीव, अमेरिका, रूस, यूरोपीय संसद, दक्षिण कोरिया, नेपाल, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, जापान, इटली, ओमान, ऑस्ट्रेलिया, ग्रीस, सिंगापुर, ब्राजील, वियतनाम, मेक्सिको, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य सांसदों को अपने विदेशी समकक्षों से सीधे बात करने का अवसर देना है। वे अपने अनुभव साझा करेंगे, एक-दूसरे से सीख सकेंगे और नियमित संपर्क के जरिए आपसी विश्वास बढ़ाएंगे। इससे द्विपक्षीय संबंधों को मजबूती मिलेगी और आपसी समझ बेहतर होगी। इन समूहों के माध्यम से व्यापार, तकनीक, सामाजिक नीतियों, संस्कृति और आज की वैश्विक चुनौतियों जैसे विषयों पर भी चर्चा होगी। लोकसभा सचिवालय ने बयान में कहा कि अध्यक्ष ओम बिरला ने हमेशा इस बात पर जोर दिया है कि संसदीय राजनय भारत की वैश्विक पहचान को मजबूत बनाता है। उनके नेतृत्व में संसद ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सक्रिय भागीदारी की है और भारत को एक आत्मविश्वासी, जिम्मेदार और परिपक्व लोकतंत्र के रूप में प्रस्तुत किया है, जो संवाद और सहयोग में विश्वास रखता है। संसद से संसद और जनता से जनता के बीच संपर्कबढ़ाने पर जोर देते हुए यह पहल विदेश संबंधों में एक व्यापक और भागीदारी आधारित दृष्टिकोण को दर्शाती है।

बांग्लादेश की सेना में बड़ा फेरबदल, पीएम रहमान भारत से रक्षा सलाहकार को वापस बुलाया

बांग्लादेश। बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने 17 फरवरी को अपनी सरकार के ऑफिस संभालने के कुछ ही दिनों बाद देश की मिलिट्री लीडरशिप में बड़े बदलावों को मंज़ूरी दे दी है। इस फेरबदल से बांग्लादेश आर्मी के कई सीनियर पदों पर असर पड़ेगा, जिसमें खास ऑपरेशनल कमांड और देश की टॉप मिलिट्री इंटेलिजेंस एजेंसी शामिल हैं। ढाका ट्रिब्यून की एक रिपोर्ट के मुताबिक, नए एडमिनिस्ट्रेशन के चार्ज संभालने के तुरंत बाद आर्मी हेडक्वार्टर ने ये बदलाव जारी किए। इस कदम को आम तौर पर नई लीडरशिप की तरफ से आर्म्ड फोर्सेज़ पर अपना कंट्रोल मजबूत करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। इसके लिए उन्होंने मुहम्मद यूनुस की लीडरशिप वाली पिछली सरकार के तहत नियुक्त सीनियर अधिकारियों को बदला है, जिसके बाद पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को हटा दिया गया था। सबसे अहम अपॉइंटमेंट्स में लेफ्टिनेंट जनरल एम मैनुर रहमान का अपॉइंटमेंट है, जिन्हें नया चीफ ऑफ जनरल स्टाफ बनाया गया है। इससे पहले वह आर्मी ट्रेनिंग एंड डॉक्ट्रिन कमांड में जनरल ऑफिसर कमांडिंग के तौर पर काम कर चुके हैं। वह लेफ्टिनेंट जनरल मिजानुर रहमान शमीम की जगह लेंगे, जो हाल ही में रिटायरमेंट लीव पर गए थे। मेजर जनरल कैसर राशिद चौधरी को डायरेक्टरेट जनरल ऑफ़ फोर्सेज़ इंटेलिजेंस का डायरेक्टर जनरल अपॉइंट किया गया है, जो बांग्लादेश की सबसे बड़ी मिलिट्री इंटेलिजेंस बॉडी है।

यूनुस ने 'मुझे विदेश दौरे पर जाने से रोका बांग्लादेशी राष्ट्रपति का आरोप

नई दिल्ली। बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की सरकार बनते ही नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस के अंतरिम सरकार के शासनकाल की पोल खोल दी है। राष्ट्रपति ने यूनुस पर गंभीर आरोप लगाया और कहा कि उन्होंने देश के संवैधानिक राष्ट्रपति पद को नजरअंदाज किया। बांग्लादेशी मीडिया कालेर कंठो को दिए इंटरव्यू में यूनुस के शासनकाल को लेकर राष्ट्रपति शहाबुद्दीन ने कहा, "उन डेढ़ सालों में मैं किसी चर्चा में नहीं रहा, फिर भी मेरे खिलाफ तरह-तरह की साजिशें रची जा रही हैं। देश की शांति और व्यवस्था को हमेशा के लिए खत्म करने और संवैधानिक खालीपन पैदा करने की कई कोशिशें हुई हैं। मैं अपने फैसले पर अडिग था। इसीलिए उनकी कोई साजिश कामयाब नहीं हुई। खासकर गैर-संवैधानिक तरीकों से प्रेसिडेंट को हटाने की कई साजिशें नाकाम हो गईं। इसलिए बंगभवन में डेढ़ साल का अनुभव अच्छा नहीं कहा जा सकता।"राष्ट्रपति ने आगे कहा, "आज मुझे यह कहने में कोई झिझक नहीं है कि अंतरिम सरकार ने गैर-संवैधानिक तरीके से एक पुराने चीफ जस्टिस को लाने और मेरी जगह किसी और को लाने की साजिश की है। मुझे इसके बारे में पता चला। सरकार के एक सलाहकार ने जज से संपर्क किया।

पाकिस्तानी के केपी में क्वाडकॉप्टर हमला तीन सुरक्षाकर्मियों की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में अर्धसैनिक बल, फेडरल कॉन्स्टैबुलरी (एफसी) को निशाना बनाकर किए गए एक के बाद एक किए गए दो हमलों में तीन सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई। मारे गए सुरक्षाकर्मी घायल साथियों को एंबुलेंस में लेकर अस्पताल जा रहे थे तभी उन पर दूसरा हमला किया गया। स्थानीय मीडिया आउटलेट्स ने इसकी जानकारी दी। प्रमुख दैनिक डॉन ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि सोमवार को खैबर पख्तूनख्वा के करक जिले में ये हमला हुआ। करक पुलिस प्रवक्ता शौकत खान ने अज्ञात हमलावरों को आतंकवादी बताया। उनके मुताबिक कथित आतंकवादियों ने शुरू में दरगाह शहीदान इलाके में फेडरल कांस्टेबुलरी फोर्ट पर क्वाडकॉप्टर से हमला किया। करक जिले के पुलिस अधिकारी सऊद खान ने कहा कि जब घायलों को एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया जा रहा था, तो गाड़ी पर भी हमला किया गया, जिसमें फेडरल कांस्टेबुलरी के तीन जवान मारे गए। केपी में पिछले एक हफ्ते के दौरान अर्धसैनिक बलों, या सैन्यबलों, को निशाना बनाकर की गई ये तीसरी वारदात है। पिछले हफ्ते ही केपी के बाजौर जिले में एक चेकपोस्ट पर हुए आत्मघाती हमले में 11 सुरक्षाकर्मी मारे गए थे।

अमेरिका का 'सीमित हमला' भी आक्रामक कार्रवाई मानी जाएगी : ईरान

तेहरान। अमेरिका से बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने दावा किया है कि वो किसी भी 'सीमित हमले' की कार्रवाई को 'आक्रामक' मानते हुए उसका जवाब जरूर देगा। तेहरान ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सीमित हमले को लेकर दी टिप्पणी के बाद ये बयान दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एस्माईल बाकेई ने तेहरान में नियमित प्रेस ब्रीफिंग के दौरान पूछे गए सवाल के जवाब में कहा, "मुझे लगता है लिमिटेड स्ट्राइक (सीमित हमले) जैसा कुछ नहीं होता है। आक्रामक कार्रवाई को आक्रामक ही माना जाएगा, और कोई भी देश अपने बचाव के अंदरूनी अधिकार के तहत रिएक्ट करेगा, इसलिए हम भी वही करेंगे। ट्रंप ने शुक्रवार को कहा था कि अगर तेहरान यूएस के साथ डील नहीं करता है तो वह एक 'लिमिटेड स्ट्राइक' पर विचार कर रहे हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि मैं इस पर विचार कर रहा हूं। दोनों देशों ने मंगलवार को स्विट्जरलैंड में ओमान की मध्यस्थता में अप्रत्यक्ष बातचीत का दूसरा राउंड पूरा किया। आगे की बातचीत की पुष्टि ईरान और ओमान ने तो की है, लेकिन अमेरिका ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। तीसरे दौर की संभावित बातचीत गुरुवार को हो सकती है। बाकई ने ये भी कहा कि ईरानी सशस्त्र सेना सतर्क है और कूटनीतिक बातचीत के साथ-साथ हर कदम पर नजर रख रही है। उन्होंने कहा कि जब भी ईरान को लगेगा कि दूसरी तरफ बातचीत को धोखे के टूल के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है, तो वह परिस्थिति के अनुसार काम करेंगे।

मैक्सिको का 125 करोड़ का ईनामी ड्रग माफिया ढेर

एजेंसी। मैक्सिको

दुनिया के सबसे खतरनाक ड्रग लॉर्ड एल मेंचो का अंत। मैक्सिकन सेना ने जलिस्को में एक खूनी मुठभेड़ के बाद इस मोस्ट-वांटेड डॉन को मार गिराया। जैसे ही उसकी मौत की खबर फैली, कार्टेल के सदस्यों ने सात राज्यों में हंगामा किया, गाड़ियां जला दीं और हाईवे जाम कर दिए। US ने उसके सिर पर 1.25 बिलियन डॉलर का इनाम रखा था। मैक्सिको के सबसे बड़े दुश्मन और दुनिया के मोस्ट वॉन्टेड ड्रग किंगपिन नेमेसियो ओसेगुएरा सर्वेंट्स, जिसे दुनिया 'एल मेंचो' के नाम से जानती है, का खात्मा हो गया है। बीबीसी और मैक्सिको के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, सेना के एक बड़े ऑपरेशन के दौरान 'एल मेंचो' गंभीर रूप से घायल हो गया था और अस्पताल ले जाते समय उसने दम तोड़ दिया।

1.5 करोड़ डॉलर का था इनामः इस कार्टेल ने कई बार सुरक्षाबलों और सरकारी अधिकारियों पर हमले किए हैं। इन पर मिलिट्री हेलीकॉप्टर गिराने तक के आरोप हैं। अमेरिका ने उस पर 1.5 करोड़ डॉलर (करीब 125 करोड़ रुपये) का इनाम रखा था।

कैसे हुआ खात्मा? सेना का 'प्लान्ड' ऑपरेशन : मैक्सिको के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यह ऑपरेशन स्पेशल फोर्सेस, एयरफोर्स और नेशनल गाड्र्स ने मिलकर किया था। जलिस्को राज्य के तापल्पा कस्बे में कार्टेल के गुर्गों और सेना के बीच जबरदस्त मुठभेड़ हुई। इस दौरान CJNG के 4 संदिग्ध सदस्य मारे गए, जबकि 3 सैनिक घायल हुए. झड़प में घायल होने के बाद जब 'एल मेंचो' को एयर लिफ्ट करके मैक्सिको सिटी ले जाया जा रहा था, तभी उसकी मौत हो गई। मौके से रॉकेट लॉन्चर और बख्तरबंद गाड़ियां भी जब्त की गई हैं।

होली की अनोखी परंपरा, जलती आग पर चलते हैं पुजारी

एजेंसी। मथुरा

रंगों के पर्व होली की शुरुआत ब्रज क्षेत्र में फुलेरा दूज के साथ हो चुकी है। फूलों की होली, लठमार या लड्डू की होली, सभी मन मोहते हैं। वहीं, कृष्ण नगरी मथुरा के फालैन गांव में अनोखी परंपरा देखने को मिलती है, जहां के निवासी सदियों से चली आ रही परंपरा का निर्वहन भक्ति और विश्वास के साथ करते हैं।

मथुरा जिले के फालैन गांव में सदियों पुरानी होलिका दहन की परंपरा आज भी जीवंत है, जो भक्त प्रह्लाद की आस्था और अग्नि परीक्षा की याद दिलाती है। यह गांव 'प्रह्लाद की नगरी' के नाम से जाना जाता है और यहां होलिका दहन केवल अच्छाई की जीत का प्रतीक नहीं, बल्कि अटूट विश्वास, तपस्या और साहस का उदाहरण है। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के अनुसार, फालैन गांव का होलिका दहन आस्था का अद्भुत उत्सव है। होलिका दहन से लगभग 45 दिन पहले गांव का पुजारी कठोर व्रत, तप, ब्रह्मचर्य पालन, भूमि-शयन और विशेष अनुष्ठान शुरू करता है। प्रह्लाद मंदिर में रहकर वह दिन में एक बार भोजन करता है और सात्विक जीवन जीता है। इसके बाद होलिका दहन की रात, प्रह्लाद कुंड में स्नान और पूजा के बाद विशाल होलिका प्रज्वलित की जाती है। जब आग प्रचंड रूप ले लेती है और अंगारे दहकने लगते हैं, तब पुजारी नंगे पैर, निडर होकर जलती हुई होलिका के बीच से गुजरता है या दौड़ लगाता है। यह दृश्य श्रद्धालुओं के लिए बेहद खास होता है। यह परंपरा सतयुग से चली आ रही मानी जाती है, जो भगवान विष्णु के भक्त प्रह्लाद की कहानी से जुड़ी है। होलिका, प्रह्लाद को गोद में लेकर आग में बैठी, लेकिन प्रह्लाद की आस्था से वह खुद जल गई और प्रह्लाद सुरक्षित रहे।

'लाडली बहना' की राशि बढ़ाने के वादे से पीछे हट रही सरकार : कांग्रेस

भोपाल। कांग्रेस ने सोमवार को भाजपा के नेतृत्व वाली मध्य प्रदेश सरकार पर मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना को लेकर निशाना साधा। कांग्रेस का आरोप है कि इस योजना के तहत नए लाभार्थियों के पंजीकरण या वित्तीय सहायता बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। कांग्रेस ने सरकार पर उस वक्त निशाना साधा, जब महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने विधानसभा में बजट सत्र के दौरान उठाए गए सवालों का लिखित उत्तर दिया। कांग्रेस विधायक सतीश सिकरवार और महेश परमार ने पूछा कि क्या सरकार ने पिछले सप्ताह पेश किए गए पूरक बजट में इस योजना के तहत नए पंजीकरण का प्रस्ताव रखा है, क्या न्यूनतम पात्रता आयु 21 से घटाकर 18 करने की कोई योजना है और क्या मासिक सहायता राशि बढ़ाई जाएगी। लिखित जवाब में भूरिया ने कहा कि लाडली बहना योजना के तहत नए पंजीकरणों के लिए कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य के लिए गुणवत्ता बने विकास का मूलमंत्र : गोयल

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि अगर भारत को अपने दीर्घकालिक आर्थिक लक्ष्यों को हासिल करना है, तो गुणवत्ता को विनिर्माण और निर्यात व्यवस्था का मुख्य आधार बनाना होगा। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) और क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया (क्यूसीआई) द्वारा आयोजित पहले राष्ट्रीय गुणवत्ता सम्मेलन को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'जीरो डिफेक्ट, जीरो इफेक्ट' का विजन अमृत काल में भारत की विकास यात्रा का मार्गदर्शन करना चाहिए और 'विकसित भारत 2047' के सपने को साकार करने में मदद करनी चाहिए। उन्होंने कहा, "भारत केवल उपभोक्ता देश बनकर आगे नहीं बढ़ सकता। देश को उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों और सेवाओं का वैश्विक निर्माता बनना होगा। 'ब्रांड इंडिया' विश्वसनीयता, भरोसे और उत्कृष्टता का प्रतीक बनना चाहिए।" मंत्री ने कहा कि अगले छह से सात वर्षों में 2 ट्रिलियन डॉलर के निर्यात लक्ष्य, जिसमें 1 ट्रिलियन डॉलर वस्तुओं का और 1 ट्रिलियन डॉलर सेवाओं का निर्यात शामिल है, को हासिल करने के लिए भारतीय उत्पादों को वैश्विक मानकों पर खरा उतरना होगा।

गोयल ने बताया कि पिछले तीन से साढ़े तीन वर्षों में भारत ने 38 विकसित देशों के साथ नौ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) किए हैं, जो वैश्विक जीडीपी और व्यापार के लगभग दो-तिहाई हिस्से को कवर करते हैं। उन्होंने कहा कि इन समझौतों से वस्त्र, चमड़ा, फुटवियर और दवा उद्योग जैसे क्षेत्रों में नए अवसर खुलते हैं, लेकिन इन बाजारों का पूरा लाभ उठाने के लिए भारतीय कंपनियों को लगातार उच्च गुणवत्ता बनाए रखनी होगी। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि श्रम-प्रधान क्षेत्रों में क्षमता होने के बावजूद वैश्विक व्यापार में भारत की हिस्सेदारी अभी भी सीमित है। गोयल ने उद्योग जगत से अपील की कि वे बेहतर बाजार पहुंच का लाभ उठाएं और यह सुनिश्चित करें कि भारत में बिकने वाले उत्पादों की गुणवत्ता निर्यात किए जाने वाले उत्पादों के समान हो। उन्होंने कहा कि पहले ऐसा समय था जब उपभोक्ता 'एक्सपोर्ट क्वालिटी' उत्पाद मांगते थे।

कौन होगा इंडिया ब्लॉक का नेता?

मणि शंकर अय्यर ने राहुल गांधी के नेतृत्व पर उठाए गंभीर सवाल

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने राहुल गांधी के नेतृत्व पर सवाल उठाते हुए उनसे इंडिया ब्लॉक के नेता पद से इस्तीफा देने का आग्रह किया है। अय्यर ने ममता बनर्जी, अखिलेश यादव, एम.के. स्टालिन और तेजस्वी यादव सहित कई प्रमुख विपक्षी नेताओं के नाम गांधी के बाद यह भूमिका संभालने के संभावित उम्मीदवारों के रूप में सुझाए। कांग्रेस पार्टी की हालिया चुनावी हार का जिक्र करते हुए उन्होंने जोर दिया कि ये नेता गठबंधन को मजबूत करने और सुदृढ़ बनाने के लिए अधिक समय दे सकते हैं। अय्यर ने कहा कि हम इतने अक्षम थे कि हमने ममता बनर्जी को दूर रखा, और इसी वजह से कांग्रेस कमजोर हुई। मुझे उम्मीद है कि राहुल गांधी इस पद को अपने पास रखने की कोशिश करने के बजाय क्षेत्रीय पार्टी नेताओं—चाहे वह स्टालिन हों, ममता दीदी हों, अखिलेश हों, तेजस्वी हों या कोई और—को कमान संभालने देंगे। शायद वे ज्यादा समय दे पाएंगे। उनके इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस नेता इमरान मसूद ने कहा कि केवल राहुल गांधी ही इंडिया ब्लॉक का प्रभावी नेतृत्व कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि केवल राहुल गांधी ही भाजपा को टक्कर दे सकते हैं। यह पहली बार नहीं है जब मणि शंकर अय्यर ने कांग्रेस के प्रति आलोचनात्मक रुख अपनाया है। इससे पहले भी उन्होंने कहा था कि पिनारयी विजयन केरल के मुख्यमंत्री के रूप में अपनी भूमिका बरकरार रखने के लिए पूरी तरह से योग्य हैं। उनकी ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं जब कांग्रेस राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारी कर रही है। अय्यर ने यह टिप्पणी 'विजन 2031: विकास और लोकतंत्र' शीर्षक वाले अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में बोलते हुए की, जिसका उद्घाटन स्वयं मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन ने किया। उन्होंने विजयन की प्रशंसा की और सुझाव दिया कि पंचायती राज व्यवस्था में केरल की स्थिति को मजबूत करने के लिए संशोधन किए जाने चाहिए।

इंडिया गठबंधन में खींचतान राहुल की लीडरशिप पर भरोसा नहीं : तुहिन सिन्हा

मुंबई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर के राहुल गांधी की नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठाए जाने और इंडिया गठबंधन की कमान ममता बनर्जी को सौंपने की बात कहे जाने के बाद सियासी हलचल तेज हो गई है। इस मुद्दे पर भाजपा ने कांग्रेस और पूरे विपक्षी गठबंधन पर तीखा हमला बोला है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता तुहिन सिन्हा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्षी दलों के भीतर ही नेतृत्व को लेकर खींचतान इस बात का प्रमाण है कि राहुल गांधी की लीडरशिप पर भरोसा नहीं बचा है। तुहिन सिन्हा ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, "टीएमसी की ओर से मांग उठ रही है कि 2029 में ममता बनर्जी विपक्ष का नेतृत्व करें। डीएमके चाहती है कि एमके स्टालिन विपक्ष की कमान संभालें। कुछ अन्य नेताओं का मानना है।

मणिशंकर अय्यर डेड इंडी अलायंस को जिंदा करना चाहते हैं: शाहनवाज हुसैन

नई दिल्ली। भाजपा प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर के ममता बनर्जी को इंडिया ब्लॉक गठबंधन का लीडर बताए जाने पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि मणिशंकर अय्यर डेड इंडी अलायंस को जिंदा करना चाहते हैं। अच्छा होगा वे ही लीडर बन जाए। आईएएनएस से बातचीत में भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि ममता बनर्जी से ज्यादा सक्षम मणिशंकर अय्यर ही हैं, क्योंकि वे उनसे ज्यादा पढ़े-लिखे हैं। वे आईएफएस रहे हैं बहुत दिनों तक संसद में रहे हैं और कांग्रेस व इंडिया एलाइंस को भी जरूरत है, तो अगर मणिशंकर अय्यर को इंडिया एलाइंस का चीफ बनाया जाए, तो ज्यादा अच्छा होगा। उनका नाम कोई ले नहीं रहा है, इसलिए हमने ले दिया। इस पर चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इंडिया अलायंस नाम की कोई वस्तु धरती पर है ही नहीं।

एक नजर

एलओसी पर पाकिस्तानी गिरा रहा है 5,000 रुपए के नोटों भरे गुब्बारे

नई दिल्ली। जम्मू और कश्मीर पुलिस ने बताया कि सोमवार को जम्मू के पास अखनूर सेक्टर में लाइन ऑफ़ कंट्रोल (एलओसी) के पास दो गुब्बारे मिले, जिन पर पाकिस्तान का 5,000 रुपये का नोट और एक यूएस डॉलर लगा हुआ था। अधिकारियों के मुताबिक, हवाई जहाज़ के आकार के सफेद और लाल गुब्बारे खौर बॉर्डर बेल्ट के पास गुनारा गांव में एक पेड़ में उलझे हुए मिले।

गुब्बारों पर पाकिस्तानी मोबाइल नंबर और QR कोड लिखा था

उन्होंने बताया कि माना जा रहा है कि गुब्बारों पर पाकिस्तानी मोबाइल नंबर और QR कोड लिखा था और ये पाकिस्तान की तरफ से इंटरनेशनल बॉर्डर पार करके आए हैं। सिक्योरिटी एजेंसियों ने गुब्बारों के पीछे का मकसद पता लगाने और यह वेरिफ़ाई करने के लिए जांच शुरू कर दी है कि उनके पास मिली करेंसी असली है या नकली। जम्मू और कश्मीर पुलिस के अधिकारियों ने कहा कि अभी और जानकारी का इंतज़ार है। हालांकि बॉर्डर इलाकों में पाकिस्तान से गुब्बारों का आना आम बात है, लेकिन अधिकारियों ने कहा कि यह पहली बार है जब उनमें विदेशी करेंसी के नोट लगे हुए मिले हैं।

सैम पित्रोदा ने आईटी सेक्टर में गिनाई भारत की 'नाकामियां

नई दिल्ली। इंडिया एआई इंपैक्ट समिट में युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की ओर से किया गया शर्टलैस प्रदर्शन अभी चर्चा में बना ही हुआ था कि कांग्रेस की ओर से एक और विवाद खड़ा कर दिया गया है। हम आपको बता दें कि अक्सर विवादित बयान देकर सुर्खियों में रहने वाले इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा ने कहा है कि भारत ने आईटी क्षेत्र में बड़ी संख्या में युवा प्रतिभाएं तो तैयार कीं, लेकिन देश स्वयं उनका लाभ नहीं उठा सका। इस बयान के बाद भाजपा ने कांग्रेस पर भारत को बदनाम करने का आरोप लगाते हुए तीखी प्रतिक्रिया दी है। हम आपको बता दें कि एक यूट्यूब चैनल को दिए गए साक्षात्कार में सैम पित्रोदा ने कहा कि भारत में युवा प्रतिभा तो बहुत है, लेकिन वह कच्ची है। उन्होंने कहा कि सॉफ्टवेयर उद्योग में भारत ने बड़ी संख्या में प्रतिभाशाली युवाओं को तैयार किया, परंतु इसका लाभ बहुराष्ट्रीय कंपनियों को मिला। उन्होंने कहा कि हमने बहुत सारा टैलेंट बनाया, लेकिन अंततः इससे दुनिया भर की मल्टीनेशनल कंपनियों को फायदा हुआ। प्रोग्रामिंग, बैंकिंग, कानूनी तंत्र, उद्योग, मैन्युफैक्चरिंग और लॉजिस्टिक्स में भारतीय प्रतिभा ने योगदान दिया, पर देश खुद उस स्तर की वैश्विक कंपनी या उत्पाद खड़ा नहीं कर सका।

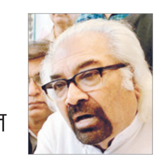

जेएनयू प्रशासन को ध्यान देना चाहिए छात्रों के बीच टकराव न हो : नीरज कुमार

पटना। जदयू नेता नीरज कुमार ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में दो गुटों के बीच हुई झड़प पर कहा कि प्रशासन को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि इस तरह की घटना न हो और छात्रों के बीच टकराव पैदा न हो। पटना में जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी हमारी विरासत है, और अगर इस विरासत में पॉलिटिकल झगड़े आते हैं तो यह बुरा है। आपसी समझ का माहौल ईमानदारी से बनाए रखना चाहिए। आइडियोलॉजिकल मतभेद हो सकते हैं, लेकिन झगड़े नहीं होने चाहिए। जेएनयू एडमिनिस्ट्रेशन की जिम्मेदारी है, और उन्हें कंट्रोल करना चाहिए। महिलाओं के खिलाफ घरेलू हिंसा को लेकर नीरज कुमार ने कहा कि जहां डेमोक्रेटिक मूल्यों की रक्षा नहीं की जाती है, और नीतियां धर्म के आधार पर चलाई जाती हैं, वहां सिर्फ अन्याय ही दिखेगा। धर्म के बहाने महिलाओं के साथ होने वाला बुरा बर्ताव पूरी तरह से नामंजूर है। यह महिला सशक्तिकरण का नया दौर है, और कोई भी धर्म बेटियों का अपमान करने, उन्हें शिक्षा से दूर रखने, या उनके साथ भेदभाव करने की इजाजत नहीं देता।

केरल : अब भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने को तैयार हैं पद्मजा वेणुगोपाल

त्रिशूर। 66 वर्षीय पद्मजा वेणुगोपाल चौथी बार चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। यह पहली बार है जब वह कांग्रेस के अलावा किसी अन्य राजनीतिक दल के बैनर तले चुनाव लड़ने जा रही हैं। पहले तीन बार कांग्रेस की उम्मीदवार रह चुकीं पद्मजा अब भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह उनके राजनीतिक करियर में एक निर्णायक बदलाव है, जो उनकी विरासत और बार-बार मिली चुनावी हार दोनों से आकारित हुआ है। करुणाकरण चार बार मुख्यमंत्री रहे और कभी केरल की राजनीति पर अपना दबदबा रखते थे। वे राज्य के इतिहास में सबसे प्रभावशाली कांग्रेस नेताओं में से एक रहे हैं। अपने राजनीतिक उत्कर्ष के दौरान, करुणाकरण ने अपने बेटे के. मुरलीधरन को सफलतापूर्वक सक्रिय राजनीति में उतारा और कांग्रेस संगठन के भीतर परिवार की राजनीतिक स्थिति को मजबूत किया।

असम : गांधी परिवार ने 7 महीने तक नहीं दिया था मिलने का समय : भूपेन बोरा

गुवाहाटी। कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए दिग्गज नेता भूपेन बोरा ने गांधी परिवार पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने आरोप लगाए कि कांग्रेस में कई साल बिताने के बावजूद 7 महीने तक गांधी परिवार ने उन्हें मिलने का समय नहीं दिया। इसी बीच, उन्होंने भाजपा आलाकमान की सराहना की। भूपेन बोरा ने कहा, "कांग्रेस में कई साल बिताने के बावजूद, उन्हें सात महीने तक गांधी परिवार, यानी सोनिया गांधी, विपक्ष के नेता राहुल गांधी या कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा से मिलने का समय नहीं मिल पाया।" इसके उलट, उन्होंने दावा किया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह उनसे पांच मिनट के अंदर मिले। भूपेन बोरा ने मीडिया से बात करते हुए कहा, "मैंने सात महीने तक इंतजार किया, लेकिन गांधी परिवार से मिलने का समय नहीं मिला। लेकिन अमित शाह मुझसे पांच मिनट के अंदर मिले। इससे ही दोनों पार्टियों के बीच का अंतर पता चलता है।"उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता गौरव गोगोई को उनके घर आने में नौ महीने लग गए।

कांग्रेस के अंदर खानदानी समस्या, देश की जनता इलाज करेगी : सुधांशु त्रिवेदी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में एआई समिट के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं के विरोध-प्रदर्शन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि समिट में एक तरफ हमारी युवा शक्ति की शैक्षिक क्षमता का बहुत उच्च कोटि का प्रदर्शन हुआ, तो वहीं कांग्रेस की निम्नता और नग्नता का कुटिल प्रदर्शन देखने को मिला। उन्होंने कहा कि अभी तक पूरा देश इस विषय को लेकर आक्रोशित है और अब कांग्रेस पार्टी के गठबंधन सहयोगियों की ओर से भी इस पर आपत्ति जताई गई है। अब कांग्रेस पार्टी के अंदर से भी यह स्वर गूंजने लगा है कि इस तरह के अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में गरिमापूर्ण आचरण की अपेक्षा होती है। ऐसे आयोजनों में इस प्रकार का हल्का, छिछोरा और नग्न आचरण करना निहायत निंदनीय है।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

" Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट

Facilities
- आरसीटी
- पायरिया का ईलाज
- टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- स्माईल डिजाइन
- इनविजिवल क्लिप
- दंत रोपण
- फिक्स दाँत लगाना
- अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

कैसे हुआ भारत में हिंदू मंदिरों का क्रमिक विकास व संरक्षण ?

मुगलों के हमलों में छोटी पोर्टेबल मूर्तियां घरों में छिपाई गईं, राजस्थान की हवेलियां शरणस्थली बनीं

कृष्णमोहन सिंह

नई दिल्ली। हिंदू मंदिरों ने राजनीतिक आक्रमणों, दार्शनिक परिवर्तनों और सामाजिक उथल-पुथल का सामना किया, फिर भी वे फले-फूले। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की 2024 रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 1 लाख से अधिक सक्रिय हिंदू मंदिर मौजूद हैं। इनमें 70 % 10वीं शताब्दी के बाद बने। हार्वर्ड संस्कृत अध्ययन केंद्र का 2025 शोध बताता है कि ये संरचनाएं प्रकृति पूजा से भक्ति युग तक अनुकूलित होती रहीं। इनके विकास को कालक्रम से समझें।

प्रारंभिक चरण: प्रकृति पूजा से मूर्तिपूजा (200 ईस्वी तक)-

लगभग 200 ईस्वी में मथुरा में हिंदू देवताओं की पहली पहचान योग्य मूर्तियां बनीं । बलुआ पत्थर से बने शिवलिंग (कभी मुख युक्त), विष्णु, कृष्ण व बलराम की मूर्तियाँ भी यहां बनाई गईं। कुषाण सिक्कों पर शिव-विष्णु-देवी प्रतीक मिले, जो यूनानी-पारसी प्रभाव दर्शाते हैं। एएसआई के 2023 खुदाई डेटा से पता चलता है कि लोग इन्हें बंद गर्भगृहों में नहीं, बल्कि नदी किनारे खुले उपवनों में पूजते थे। यह प्रकृति पूजा से मूर्ति पूजा का प्रथम चरण था।

गर्भगृह का उदय: प्रारंभिक संरचनाएं (300 600 ईस्वी)-

500 ईस्वी तक मूर्तियां संरचनाओं में प्रवेश कर गईं। उत्तर प्रदेश के भीतरगांव में ईंटों का सबसे पुराना ज्ञात मंदिर मिला। मध्य प्रदेश के नचना में शिव मंदिर ने हिमालय की नकल की – पर्वताकार छत और द्वार पर गंगा-यमुना की नक्काशी बनी। झांसी के पास देवगढ़ का विष्णु मंदिर (5वीं शताब्दी) शास्त्रीय वास्तुकला की शुरुआत था। यहां अनंत नाग पर शयनस्थ विष्णु और गरुडारूढ चारभुजा रूप राम-कृष्ण कथाओं से जुड़े। यूनेस्को की 2025 रिपोर्ट इन्हें प्रोटो-नागर शैली का आधार मानती है।

चट्टान-कट वैभव: स्मारकीय युग (600-800 ईस्वी)-

600 ईस्वी बाद चट्टान कला का कैनवास बनीं। एलिफेंटा और एलोरा की गुफाएं, कर्नाटक का पट्टाडकल, चेन्नई के पास मामल्लपुरम का तट मंदिर शिव-विष्णु के भव्य चित्रण प्रस्तुत करते हैं। एलोरा का कैलाश नाथ मंदिर एक ही चट्टान से तराशा गया पहाड़ी महल है। कर्नाटक पुरातत्व विभाग का 2024 सर्वे कहता है कि इनमें 80 प्रतिशत मूर्तियां तांत्रिक मंडलों पर बनीं। ये पूजा स्थल ही नहीं, राजाओं की शक्ति के प्रतीक थे।

स्वतंत्र मंदिरों का उदय: स्थायी शैलियां (800 1000 ईस्वी)-

आठवीं शताब्दी से पत्थर-दर-पत्थर स्वतंत्र मंदिर बने। कांचीपुरम का कैलाशनाथ, हम्पी-पट्टाडकल परिसर उभरे। दसवीं शताब्दी तक जटिलता बढ़ी – उत्तर की वक्ररेखीय नागर शैली, दक्षिण की पिरामिड विमान शैली। मंदिर तांत्रिक अनुष्ठानों के केंद्र बने, जहां पुजारी धन-समृद्धि आकर्षित करते थे। खजुराहो (चंदेल, 950-1050 ईस्वी) इसका चरम था।

आक्रमणों का दौर: अनुकूलन और पुनरुत्थान (1000 ईस्वी से 18वीं शताब्दी)-

11वीं शताब्दी में महमूद गजनवी ने सोमनाथ मंदिर को लूटा, मगर उसी काल में खजुराहो (एएसआई 2025: 85 में 25 बचे) और भुवनेश्वर का लिंगराज परिसर बने। मुगल सरदारों के हमलों में छोटी पोर्टेबल मूर्तियां घरों में छिपाई गईं। राजस्थान की हवेलियां शरणस्थली बनीं। अकबर के राजपूत सेनापति मानसिंह ने 16वीं शताब्दी में वृंदावन का गोविंद मंदिर बनवाया, जिसे बाद औरंगजेब ने तोड़ा। 17वीं शताब्दी में बंगाल का टेराकोटा कृष्ण मंदिर बनाया गया।

मराठा उदय ने नई लहर लाई – भोंसले-होल्कर ने नासिक, ग्वालियर और काशी विश्वनाथ मंदिर (विशेषकर राम व शिव -केंद्रित पुनर्निर्माण) बनवाए गये। भक्ति आंदोलन ने मंदिर निर्माण को तंत्र से जनभक्ति की ओर मोड़ा । जिसके चलते पुरी जगन्नाथ, तमिलनाडु श्रीरंगम लाखों के केंद्र बने।इनके निर्माण में स्थानीय राजाओं का योगदान रहा।

मंदिर विकास डेटाशीट (यूनेस्को 2023-25 आधारित)-

कालखंड	प्रमुख उदाहरण	विशेषताएं	स्थिति (अनुमानित)
200 ईस्वी	मथुरा मूर्तियां	खुले उपवन, मूर्ति संक्रमण	500+ अवशेष
300-600 ईस्वी	देवगढ़, नचना, भीतरगांव	प्रथम गर्भगृह	20+ संरक्षित
600-800 ईस्वी	एलोरा, पट्टाडकल	चट्टान-कट, तांत्रिक	50+ यूनेस्को साइट्स
800-1000 ईस्वी	खजुराहो, हम्पी	नागर/द्रविड़ स्वतंत्र	300+ बचे
1000 ईस्वी बाद	सोमनाथ, काशी विश्वनाथ, पुरी	भक्ति पुनरुत्थान	70,000+ सक्रिय

दक्षिण चीन सागर में 7.1 तीव्रता का भूकंप, कांप उठा समुद्र का अंतस्तल

नई दिल्ली । दक्षिण चीन सागर रविवार को 7.1 तीव्रता के भूकंप से थर्रा उठा। संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार सोमवार को दक्षिण चीन सागर में 7.1 तीव्रता का एक प्रमुख भूकंप आया। इससे समुद्र का अंतस्तल तक कांप उठा। यह भूकंप स्थानीय समयानुसार सोमवार की सुबह 12:57 बजे आया, जो पूर्वी समय के अनुसार रविवार दोपहर 11:57 बजे था। न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार इस भूकंप का केंद्र मलेशिया के बोर्नियो द्वीप पर साबाह राज्य में कोटा बेलुड से लगभग 55-62 किमी (34-38 मील) उत्तर-पश्चिम में दक्षिण चीन सागर में था।

हाइकोर्ट बोला-फिजिकल रिलेशन के बाद शादी से मना करना अपराध

नई दिल्ली । दिल्ली हाइकोर्ट ने कहा कि फिजिकल रिलेशन के बाद शादी मना करना एक अपराध है। कोर्ट ने ये बात एक व्यक्ति की जमानत याचिका पर सुनवाई को दौरान कही। कोर्ट ने कहा कि कुंडली मेल न खाने की वजह से शादी से मना करने पर भारतीय न्याय संहिताका सेक्शन 69 लग सकता है, जो धोखे से सेक्सुअल इंटरकोर्स को अपराध मानता है। जज ने कहा कि आरोपी ने प्रॉसिक्यूटर को बार-बार भरोसा दिलाया था कि उनकी शादी में कोई रुकावट नहीं है, जिसमें कुंडली मैच करना भी शामिल है। आरोपी ने इस आधार पर बेल मांगी कि रिश्ता आपसी सहमति से था, और दोनों एक-दूसरे को आठ साल से जानते थे।

राष्ट्रपति भवन में राजाजी की प्रतिमा लगाने से तमिलनाडु में भाजपा को कितना लाभ?

ब्यूरो

● इसके पहले मुगल गार्डन का नाम 'अमृत उद्यान', दरबार हॉल का नाम 'गणतंत्र मंडप' व अशोक हॉल का 'अशोक मंडप' , राजपथ को कर्तव्य पथ, पीएमओ को सेवा तीर्थ कर दिया गया

नई दिल्ली। क्या एडविन लुटियंस की प्रतिमा हटाने की पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार 22 फरवरी 2026 को 'मन की बात' में घोषणा की कि राष्ट्रपति भवन में ब्रिटिश वास्तुकार सर एडविन लुटियंस की कांस्य प्रतिमा (बस्ट) हटाई जा रही है। उसकी जगह स्वतंत्र भारत के पहले भारतीय गवर्नर-जनरल चक्रवर्ती राजगोपालाचारी (राजाजी) की प्रतिमा लगाई गई, जिसका अनावरण सोमवार 23 फरवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 'राजाजी उत्सव' के अवसर पर किया। यह कदम राष्ट्रपति भवन के केंद्रीय प्रांगण में हुआ, जहां यह प्रतिमा अब ग्रैंड ओपन स्टेयरकेस के पास अशोक मंडप के निकट स्थापित है। मालूम हो कि लुटियंस का नाम नई दिल्ली के दिल से जुड़ा है। 1911 में दिल्ली को ब्रिटिश राजधानी बनाने के फैसले के बाद 1920 के दशक में वास्तुकार लुटियंस ने हर्बर्ट बेकर के साथ मिलकर राष्ट्रपति भवन (तत्कालीन वायसराय हाउस), नॉर्थ ब्लॉक, साउथ ब्लॉक, इंडिया गेट और पूरे रायसीना हिल कॉम्प्लेक्स का डिजाइन तैयार किया।

इन इमारतों में भारतीय और मुगल स्थापत्य का मिश्रण है, और विश्व के स्थापत्य कला का बेजोड़ नमूना है। इसके अलावा यह तबके ब्रिटिश साम्राज्य की शक्ति का प्रतीक भी रहा है। आज भी दिल्ली का वह इलाका 'लुटियंस दिल्ली' कहलाता है, जो राजनीतिक-प्रशासनिक केंद्र है। लुटियंस की प्रतिमा दशकों से राष्ट्रपति भवन में खड़ी थी, जो उनके योगदान को मान्यता देती थी। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "स्वतंत्रता के 78 वर्ष बाद भी ब्रिटिश प्रशासकों की मूर्तियां बनी रहीं, जबकि देश के महान सपूतों को स्थान नहीं मिला। आज देश गुलामी के प्रतीकों से मुक्त हो रहा है और भारतीय संस्कृति से जुड़े प्रतीकों को महत्व दे रहा है।" यह कदम अकेला नहीं है।

पिछले कुछ वर्षों में राष्ट्रपति भवन ने औपनिवेशिक विरासत से दूरी बनाने की कई पहल की हैं। जनवरी 2026 में लॉर्ड कर्जन के भाषणों और विलियम होगार्थ की मूल कृतियों को लाइब्रेरी से हटाकर उनकी जगह वेद, उपनिषद, पुराण और 11 शास्त्रीय भाषाओं की 2,300 प्राचीन पांडुलिपियां व पुस्तकें 'ग्रंथ कुटीर' में रखी गईं। जनवरी में ही ब्रिटिश एड्स- डे - कैंप के चित्र हटाकर परम वीर चक्र विजेताओं की 21 तस्वीरें 'परम वीर दीर्घा' गैलरी में लगाई गईं। बीते वर्ष जुलाई में राष्ट्रपति मुर्मू ने दरबार हॉल का नाम 'गणतंत्र मंडप' और अशोक हॉल का 'अशोक मंडप' किया। 'दरबार' शब्द राजशाही व ब्रिटिश शासन से जुड़ा था, जबकि 'मंडप' प्राचीन भारतीय परंपरा से। जनवरी 2024 में मुगल गार्डन का नाम 'अमृत उद्यान' रखा गया, जो अब जनता के लिए खुला है। 2022 में राजपथ का नाम 'कर्तव्य पथ' किया गया, जो 'राज' से 'जन-स्वामित्व' की ओर बदलाव दर्शाता है। ये सभी कदम 'अमृत काल' में पीएम मोदी के पंच प्रण के पांचवें संकल्प—औपनिवेशिक मानसिकता के किसी भी निशान को मिटाना—से जुड़े हैं। यह प्रतीकात्मक है—जैसे 2023 में नए संसद भवन का उद्घाटन, जहां पुरानी लुटियंस-डिजाइन वाली संसद के स्थान पर नया भवन आया। लेकिन सवाल उठता है, क्या यह बदलाव सिर्फ दिल्ली तक सीमित है या राजनीतिक लाभ के लिए भी? राजाजी तमिलनाडु के थे, स्वतंत्रता सेनानी, गांधी के 'अंतःकरण की आवाज' कहे जाते थे। क्या यह तमिलनाडु में भाजपा की स्थिति मजबूत करने की कोशिश है, जहां अप्रैल-मई 2026 में होने वाला विधानसभा चुनाव नजदीक हैं? कुछ विश्लेषकों का मानना है कि राजाजी जैसे सम्मानित नेता को आगे लाकर दक्षिण में सियासी संदेश दिया जा रहा है, लेकिन क्या प्रतिमा से वोट मिलेंगे, यह बहस का विषय है।लेकिन सच्चाई यह भी है कि कोई माने या न माने लुटियंस ने जो बनाया, वह आज भी विश्व वास्तु व भवन निर्माण में भारत की शान है।

पोलैंड की नई राजदूत नियुक्त की गई नीता भूषण

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) की 1994 बैच की अधिकारी नीता भूषण पोलैंड में भारत की राजदूत नियुक्त की गई हैं। जल्द ही वह पोलैंड में अपना कार्यभार संभालेंगी। वर्तमान समय में वह न्यूजीलैंड में भारतीय उच्चायुक्त के रूप में काम संभाल रही हैं। इससे पहले उन्होंने जापान, जर्मनी, यूएई और बांग्लादेश में बतौर राजनयिक अपनी सेवाएं दी हैं। उन्होंने अबू धाबी में उप राजदूत और अमेरिका के

शिकागो में महावाणिज्य दूत के रूप में भी अपनी जिम्मेदारी संभाली है। नीता भूषण विदेश मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव (मध्य यूरोप) भी रही हैं। नीता भूषण ने दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज से इकोनॉमिक्स ऑनर्स की डिग्री ली और फिर उन्होंने मद्रास विश्वविद्यालय से एम.फिल किया। सितंबर 2022 में उन्हें न्यूजीलैंड में भारत की उच्चायुक्त नियुक्त किया गया। नीता के पास कुक आइलैंड्स, नियू, वनुआतु और समोआ का भी अतिरिक्त प्रभार रहा। शिकागो में उन्होंने 2017 से लेकर 2019 तक अपनी सेवा दी। यहां उन्होंने अमेरिका के मिडवेस्ट क्षेत्र के 10 राज्यों में भारतीय हितों का नेतृत्व किया।

बांग्लादेश में दो समूहों में हिंसक झड़प बेटा व पिता समेत 4 की मौत

एजेंसी । ढाका

बांग्लादेश के नरैल सदर उपजिला में वर्चस्व को लेकर दो समूहों में हिंसक झड़प हो गई। इस घटना में पिता और बेटे समेत चार लोगों की मौत हो गई। बांग्लादेशी मीडिया द डेली स्टार की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, पुलिस ने बताया कि सोमवार सुबह नरैल सदर उपजिला में वर्चस्व कायम करने को लेकर दो विरोधी समूहों के बीच झड़प हो गई। मरने वालों की पहचान खलील मोल्ला, उनके बेटे तहज्जुद मोल्ला (38), उनके पड़ोसी फिरदौस शेख (33) और ओसिकुर फकीर (35) के रूप में हुई है। ये सभी बाराकुला गांव के रहने वाले थे। सिंगशोलपुर यूनियन के बाराकुला इलाके में सुबह करीब 5:15 बजे झड़पें शुरू हुईं। द डेली स्टार से बात करते हुए, नरैल सदर पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर (इन्वेस्टिगेशन) अजय कुमार कुंडू ने कहा कि खलील मोल्ला और खैर मोल्ला के दो समूहों के बीच इलाके में दबदबा बनाने को लेकर लंबे समय से झगड़ा चल रहा था। खैर मोल्ला के समूह के लोगों ने सुबह विरोधियों पर अचानक हमला कर दिया, जिससे दोनों पक्षों के बीच हिंसक झड़प शुरू हो गई। इंस्पेक्टर ने कहा, "एक समूह के तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, दूसरे समूह के ओसिकुर फकीर को हॉस्पिटल ले जाया गया।

नेपाल के बीरगंज में दो समूहों के बीच झड़प के बाद तनावपूर्ण माहौल

एजेंसी । नई दिल्ली

नेपाल में 5 मार्च को चुनाव होने जा रहा है। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहा है, देश के कुछ इलाकों में हिंसा की तस्वीरें सामने आ रही हैं। नेपाली मीडिया की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, रविवार शाम को दो युवा समूहों के बीच झड़प के बाद परसा जिले के बीरगंज में अनिश्चितकाल के लिए कर्फ्यू लगा दिया गया है। नेपाली मीडिया काठमांडू पोस्ट की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, जिला प्रशासन ऑफिस परसा ने कहा कि बिगड़ती सुरक्षा स्थिति का हवाला देते हुए कर्फ्यू सोमवार सुबह 9:45 बजे से अगली सूचना तक लागू कर दिया गया है। यह आदेश बीरगंज मेट्रोपॉलिटन सिटी के अंदर लागू है। चीफ डिस्ट्रिक्ट ऑफिसर भोला दहल ने कहा कि कर्फ्यू पूर्व में बाईपास रोड से पश्चिम में सिरसिया नदी तक और उत्तर में गंडक चौक और दक्षिण में शंकराचार्य गेट तक के इलाके में लागू है। कर्फ्यू वाले क्षेत्र में आना-जाना, जमावड़ा, रैली, प्रदर्शन, मीटिंग और धरने पर रोक लगा दी गई है। हालांकि, जरूरी सर्विस देने वाली गाड़ियां, पत्रकार, पहले से तय यूनिवर्सिटी एग्जाम में बैठने वाले स्टूडेंट, परीक्षा लेने वाले स्टाफ, टूरिस्ट गाड़ियां, और मानवाधिकार संगठन और डिप्लोमैटिक मिशन की गाड़ियां चल सकती हैं।

कवच और एआई से मजबूत हो रही भारत में रेलवे सुरक्षा

कवच एक स्वचालित स्थितिजन्य जागरूकता प्रणाली है जो ट्रेनों को मानवीय भूलों, संचालन की सीमाओं और उपकरणों की नाकामी से होने वाली खतरनाक घटनाओं के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करती है। रेल चालकों को उनके केबिन में सिग्नलिंग सूचना के समयबद्ध प्रदर्शन के जरिए चलने की अनुमति, लक्षित गति, लक्षित दूरी और सिग्नल के पहलुओं का यह प्रदर्शन 120 किलोमीटर प्रति घंटा से अधिक रफ्तार में सुरक्षित संचालन के लिए आवश्यक हो जाता है। आरडीएसओ से विकसित प्रणाली बिना अनुमति सिग्नल पार करने की दशा में तथा अत्यधिक गति और टक्कर से ट्रेनों की रक्षा करता है। पारंपरिक सिग्नलिंग प्रणाली का संचालन पटरी के किनारे सिग्नलों को देखने और गति नियंत्रित रखने की चालक की क्षमता पर काफी हद तक निर्भर था। मानव

पर निर्भर इस प्रणाली की अपनी सीमाएं थीं। सिग्नल को नजरंदाज किए या गलत समझे जाने से गंभीर दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती थी जिससे चालक को निर्धारित गति, लक्षित दूरी, किसी खास समय में अवस्थिति और पटरी के झुकाव के बारे में जानकारी अपने केबिन में नहीं मिल पाती थी। पटरी के घुमाव और खराब मौसम की वजह से सिग्नल की दृश्यता प्रभावित होती थी। सुरक्षा के लिए ट्रेनों के बीच दूरी ज्यादा रखे जाने की वजह से नेटवर्क की क्षमता में कमी आती थी। बिना पूर्व सूचना के बाधित सेक्शन में ट्रेन संचालन से जोखिम और बढ़ जाता था।उत्तरी भारत में कुहासे और कम दृश्यता की स्थितियों से स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणालियों की जरूरत और बढ़ गई थी।एटीपी प्रणालियों को ट्रेन की अवस्थिति, गति और चलने की अनुमति की लगातार निगरानी के लिए विकसित किया गया है। भारतीय रेलवे पूरे रेल नेटवर्क में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, दूरसंचार और डिजिटल प्रौद्योगिकियों का लाभ उठा रही है। कवच के साथ-साथ, ये पहलें वास्तविक समय की निगरानी, पूर्वानुमानित रखरखाव, स्वचालित अलर्ट के माध्यम से पारंपरिक सुरक्षा प्रणालियों की पूरक बनती हैं। इनका उद्देश्य मानवीय हस्तक्षेप पर निर्भरता कम करना, सिस्टम की प्रतिक्रिया क्षमता में सुधार करना और दुर्घटना रोकथाम एवं बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है। अत्यधिक संवेदनशील रेल गलियारों में रेलवे पटरियों पर हाथियों और अन्य जंगली जानवरों की उपस्थिति का पता लगाने के लिए 'वितरित ध्वनिक सेंसिंग' (डीएएस) तकनीक पर आधारित एक एआई समर्थित अतिक्रमण प्रणाली विकसित की गई है। यह प्रणाली जानवरों की आवाजाही के संबंध में वास्तविक समय में सावधान करती है और ट्रेन चालकों, स्टेशन मास्टरों तथा नियंत्रण कक्षों को चेतावनी भेजती है, जिससे निवारक कार्रवाई तुरंत संभव होती है और दुर्घटना के जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है।

वैश्विक सिनेमा में धूम मचाने के लिए फरहान अख्तर तैयार...

भारतीय कलाकार लगातार अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी मौजूदगी दर्ज करा रहे हैं। इन्हीं नामों में से एक है फरहान अख्तर... वह एक अभिनेता, निर्देशक और निर्माता के रूप में पहले ही अलग पहचान बना चुके हैं और अब वैश्विक सिनेमा में धूम मचाने के लिए तैयार हैं। वह निर्देशक सैम मेंडेस के प्रोजेक्ट 'द बीटल्सः ए फोर-फिल्म सिनेमैटिक इवेंट' पर काम कर रहे हैं। अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर फरहान अख्तर ने खुलासा किया है कि वह मशहूर सितार वादक रविशंकर का किरदार निभाने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, ''यह मौका मेरे लिए बेहद खास है, क्योंकि यह दुनिया के सबसे प्रभावशाली म्यूजिक बैंड में से एक 'द बीटल्स' की कहानी का हिस्सा बनने का अवसर है।''

फरहान अख्तर ने कहा, ''इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना अपने आप में बड़ी जिम्मेदारी है। बीटल्स जैसे बैंड पर फिल्म का हिस्सा बनना और वह भी सैम मेंडेस जैसे निर्देशक के साथ काम करना किसी सपने से कम नहीं है। मेरे लिए महान संगीतकार रवि शंकर जैसी शख्सियत को पर्दे पर उतारना आसान नहीं है, चूंकि वह भारतीय शास्त्रीय संगीत को पश्चिमी दुनिया तक पहुंचाने वाले संगीतकार थे। ऐसे में मेरे लिए किरदार को और भी बेहतरीन तरीके से निभाने की चुनौती और बढ़ जाती है।'' बातचीत के दौरान फरहान अख्तर ने एक किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया, ''उत्तर भारत में लखनऊ के पास एक छोटे से गांव में भी लोग बीटल्स का नाम जानते थे। भले ही वहां लोग अंग्रेजी नहीं बोलते थे, लेकिन अगर उनसे पश्चिमी दुनिया के किसी मशहूर नाम के बारे में पूछा जाता, तो जवाब होता था 'बीटल्स'। यह इस बात का सबूत है कि भारत का बीटल्स के साथ एक खास रिश्ता रहा है, जो सीधे संगीत के जरिए जुड़ा है।

मतदान केंद्रों के अंदर लंबी कतारें बाहर टेंटों में दिनभर रही हलचल

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची नगर निगम चुनाव के दौरान लोकतंत्र के महापर्व का उत्साह शहर के कोने-कोने में नजर आया। जहां एक ओर मतदान केंद्रों के भीतर अपनी बारी का इंतजार करते मतदाताओं की लंबी कतारें चुनावी सरगर्मी बढ़ा रही थीं, वहीं केंद्रों के बाहर का नजारा भी किसी 'वॉर रूम' से कम नहीं था। सुबह जैसे ही मतदान की प्रक्रिया शुरू हुई, विभिन्न वार्डों के उम्मीदवारों के समर्थकों ने बाहर लगाए गए टेंटों में मोर्चा संभाल लिया। मतदान केंद्रों के भीतर जहां वोटर अपनी भागीदारी को लेकर उत्साहित दिखे। वहीं, बाहर समर्थकों की टोलियां दिनभर सक्रिय रहीं। मतदाताओं को एक जगह से दूसरे जगह भेजते रहे इस दौरान टेंटों पर मौजूद कार्यकर्ता मतदाताओं का नाम सूची में खोजकर उन्हें उनकी क्रम संख्या और संबंधित मतदान केंद्र की जानकारी दे रहे थे।

हालांकि जिन मतदाताओं का नाम सूची में नहीं मिल रहा था, उन्हें लेकर कार्यकर्ता भी असमंजस में दिखे। ऐसे मतदाताओं को कभी दूसरे वार्ड तो कभी किसी अन्य बूथ पर जाकर जांच कराने की सलाह दी जाती रही। इस दौरान कई मतदाता एक स्थान से दूसरे स्थान तक भटकते रहे और उन्हें अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ा। जलपान भी चलता रहा चुनाव के दौरान दिनभर टेंटों पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता बनी रही। समर्थक मतदाताओं को फोन कर मतदान के लिए बुलाते रहे और बूथ तक पहुंचने में सहयोग करते दिखे। कई टेंटों पर पानी और बैठने की व्यवस्था भी की गई थी, जिससे मतदाताओं को सहूलियत मिल सके। इस दौरान बीच-बीच में चाय-पानी भी चलता रहा।

राज्य में सबसे कम वोटिंग रांची निगम में, पिछली बार से 6% कम

रांची। राज्य में सोमवार को 48 नगर निकाय क्षेत्रों में चुनाव के लिए वोटिंग की गई। सभी नगर निकाय क्षेत्रों सबसे कम मतदान रांची नगर निगम क्षेत्र में ही हुआ है। रांची नगर निगम में सिर्फ 43.28 प्रतिशत मतदान हुआ है, जो पिछली बार 2018 में हुए चुनाव से भी करीब छह प्रतिशत कम है। पिछली बार 49.28 प्रतिशत मतदान हुआ था। वहीं] रांची जिला के बुंडू नगर पंचायत के चुनाव में 74 फीसदी मतदान हुआ है। बुंडू में पिछली बार के मुकाबले दो फीसदी अधिक मतदान हुआ है। उस दौरान बुंडू में 72 फीसदी मतदान हुआ था। बता दें कि जहां रांची वोटिंग के मामले में सबसे अंतिम पायदान में है वहीं बुंडू 48 निकाय क्षेत्रों में मतदान के मामले में टॉप तीन में है। बता दें कि रांची नगर निगम क्षेत्र में शुरुआती दो घंटे में सिर्फ सात फीसदी ही मतदान हुआ था। सबसे अंतिम दो घंटे में भी सिर्फ आठ फीसदी ही मतदान हुआ। सबसे अधिक मतदान दोपहर एक से तीन बजे के बीच में हुआ है।

बिजली के पोल से टकराई बाइक, गैस एजेंसी संचालक की मौत

रांची। कांके थाना क्षेत्र के वेटरनरी स्थित जुमार पुल के पशुपति मंदिर के पास बिजली के पोल से टकराकर बाइक सवार आकाश इंडेन गैस के संचालक की मौके पर मौत हो गई। घटना रविवार की रात लगभग 11 बजे की है। कांके थाना प्रभारी प्रकाश कुमार रजक ने बताया कि 40 वर्षीय आकाश अनमोल सांचा बाइक से रिंग रोड स्थित घर से अरसंडे स्थित अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान जुमार पुल के पास उनकी बाइक अनियंत्रित होकर बिजली के पोल से जा टकराई। परिजनों को इस घटना की जानकारी सोमवार की सुबह ग्रामीणों के माध्यम से मिली। इसके बाद पिता, पत्नी, एक पुत्र और एक पुत्री का रो-रोकर बुरा हाल है। रिम्स में शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद सोमवार की शाम छह बजे सुकुरहुट्टू कब्रिस्तान में उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया गया। उनकी मौत पर पूर्व झामुमो प्रखंड अध्यक्ष जावेद अख्तर अंसारी, वर्तमान प्रखंड अध्यक्ष नवीन तिर्की, खुर्शीद आलम, सोनू मुंडा, चंद्रदीप कुमार, समनूर मंसूरी, सबीबुल रहमान, शेख शहाबुद्दीन आदि ने गहरा शोक जताया है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को कार्यक्रम में शामिल होने का मिला आमंत्रण

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सोमवार का कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज, बारीडीह जमशेदपुर के प्रभारी डीन डॉ हरीश चंद्र बंधु ने मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को उन्होंने 26 फरवरी को मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज परिसर में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया। विदित हो कि 26 फरवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का जमशेदपुर दौरा प्रस्तावित है, इसी क्रम में राष्ट्रपति का मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज आगमन कार्यक्रम प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री से मुलाकात के क्रम में जनसंपर्क पदाधिकारी मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज प्रियंका सिंघल एवं लीगल हेड जय प्रकाश उपस्थित रहे।

सीएम से पं. रघुनाथ मुर्मु हेरिटेज ट्रस्ट के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

नवीन मेल संवाददाता

रांची। सीएम से आवासीय कार्यालय में सोमवार को पंडित रघुनाथ मुर्मु हेरिटेज ट्रस्ट, रायरंगपुर, ओडिशा के एक प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने ट्रस्ट द्वारा आगामी 11 और 12 अप्रैल 2026 को दुबई के बुर्ज खलीफा में आयोजित किए जाने वाले ओलचिकी शताब्दी समारोह के प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री से विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कार्यक्रम की रूपरेखा, उद्देश्य और इसकी सांस्कृतिक महत्ता से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने सीएम को वें ऑफ इंडिया द्वारा ओलचिकी लिपि में अनूदित झारखंड का मानचित्र सप्रेम भेंट किया। मुलाकात के दौरान ट्रस्ट के अध्यक्ष चुन्नियान मुर्मु, कोषाध्यक्ष अंता आलोक बास्के तथा सदस्य डॉ. डुमनी माई मुर्मु उपस्थित थे।

श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट ने राज्यपाल से की भेंट, दिया आमंत्रण

नवीन मेल संवाददाता

रांची। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में 1 मार्च को वृंदावन की तर्ज पर फूलों की होली, वृंदावन से पधारे कलाकारों द्वारा आकर्षक नृत्य-नाटिका एवं संगीतमय भजन संध्या का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महोत्सव को लेकर ट्रस्ट द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं, ताकि श्रद्धालुओं को भक्तिमय और आनंदमय वातावरण का अनुभव हो सके। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार को आमंत्रित करने के लिए ट्रस्ट का प्रतिनिधिमंडल लोकभवन पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल में ट्रस्ट के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, सचिव मनोज चौधरी, प्रवक्ता संजय सर्राफ एवं दीपेश निराला शामिल थे। सभी ने राज्यपाल को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया तथा 1 मार्च को सपरिवार मंदिर पधारने का आमंत्रण दिया। इस अवसर पर राज्यपाल को ट्रस्ट द्वारा संचालित विभिन्न सेवा एवं धार्मिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी भी दी गई।

प्रतिनिधिमंडल ने श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में नियमित पूजा-अर्चना, सत्संग एवं सामाजिक कार्यक्रमों की जानकारी साझा की। साथ ही सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम में संचालित सेवा कार्यों एवं गौशाला में गौसेवा संबंधी गतिविधियों से भी अवगत कराया। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने बताया कि फूलों की होली एवं भजन संध्या का यह आयोजन समाज में प्रेम, सद्भाव और आध्यात्मिक चेतना का संदेश देगा। यह आयोजन धार्मिक आस्था के साथ-साथ सांस्कृतिक समरसता का भी प्रतीक बनेगा।

रोटरी क्लब के शिविर में 62 दिव्यांगों को नि:शुल्क लगेंगे कृत्रिम हाथ

रांची। रोटरी क्लब ऑफ रांची की ओर से मंगलवार को रांची क्लब परिसर स्थित रोटरी भवन में विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में 62 जरूरतमंद दिव्यांगजनों को अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक कृत्रिम हाथ नि:शुल्क लगाए जाएंगे। क्लब के अध्यक्ष अमित अग्रवाल ने बताया कि सुविधा का लाभ उन व्यक्तियों को मिलेगा, जिन्होंने किसी दुर्घटना या बीमारी के कारण अपने हाथ खो दिए हैं। वहीं, प्रवीण राजगढ़िया ने जानकारी दी कि शिविर में पुणे की इनाली फाउंडेशन की विशेषज्ञ टीम मौजूद रहेगी। कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ करेंगे। आयोजन की तैयारियों के सिलसिले में क्लब के एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल संतोष गंगवार से भी मुलाकात कर उन्हें शिविर में आमंत्रित किया है। राज्यपाल से मिलने वालों में अध्यक्ष अमित अग्रवाल, जशदीप सिंह, गिरीश अग्रवाल और प्रवीण राजगढ़िया शामिल थे।

सीआईएसएफ हटाने का फैसला एचईसी की बंदी का संकेत : लालदेव

रांची। हटिया कामगार यूनियन (ऐटक) के उपाध्यक्ष लालदेव सिंह ने एचईसी से सीआईएसएफ हटाने के निर्णय पर सोमवार को कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि यह फैसला एचईसी की बंदी प्रक्रिया की ओर बढ़ता कदम है। लालदेव सिंह ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार एचईसी को चलाने को इच्छुक नहीं है। पहले बैंक गारंटी वापस ली गई और अब सीआईएसएफ को हटाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों की वापसी से कारखाने की परिसंपत्तियों की सुरक्षा प्रभावित होगी, इससे उत्पादन और वेतन भुगतान की स्थिति और बिगड़ सकती है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में सरकार को स्पष्ट निर्णय लेना चाहिए ताकि कार्यरत और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के बकाया भुगतान का समाधान हो सके।

झमाझम बारिश से बदला मौसम, आज अलर्ट

रांची में तेज हवा के साथ पड़ी बौछारें

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड के अलग-अलग हिस्सों में बारिश से मौसम बदल गया है। सोमवार शाम को रांची में मौसम ने करवट ली और काले बादलों के साथ हुई झमाझम बारिश हुई। बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम के कारण झारखंड के मौसम में यह बदलाव आया है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 घंटों के दौरान राज्य के अलग-अलग हिस्सों में तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है। राज्य के कुछ हिस्सों में मंगलवार को भी मौसम खराब रहेगा। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, रांची में सोमवार रात को काले बादल छा गए और तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश हुई। इस दौरान आंधी जैसी तेज हवाएं चलीं। मौसम केंद्र की ओर से साझा की गई जानकारी के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में बने वेदर सिस्टम के कारण मौसम में यह बदलाव आया है। अगले 24 घंटों के दौरान रांची समेत राज्य के कुछ अन्य हिस्सों में भी गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है।

मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के दौरान रांची, रामगढ़, बोकारो, कोडरमा, हजारीबाग, खुंटी, सिमडेगा, गुमला, लोहारदगा, लातेहार जिलों के अलग-अलग हिस्सों में गरज चमक और तेज हवाओं के साथ बारिश की चेतावनी दी है। मौसम विभाग ने कल यानी 24 फरवरी को भी राज्य के अलग-अलग हिस्सों में मौसम खराब रहने का पूर्वानुमान जारी किया है।

ऑटो चालकों ने मनाया होली मिलन समारोह

रांची। झारखंड प्रदेश सीएनजी ऑटो चालक महासंघ की ओर से सोमवार को धूमधाम से होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित ऑटो चालाकों ने जमकर गीत-संगीत गाया। रंग-गुलाल, अबीर बिखेरे। पुष्पमाला और गमछा देकर अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया। समारोह की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सोनी ने की, जबकि संचालन प्रदेश कोषाध्यक्ष भोला सिंह ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में चतरा जिला के प्रफुल पांडे उपस्थित थे। इस अवसर पर संगठन विस्तार की घोषणा करते हुए चतरा जिला इकाई के अध्यक्ष पद पर विजय कुमार साहू को मनोनीत किया गया और प्रफुल पांडे को संरक्षक बनाया गया। नवमनोनीत अध्यक्ष को एक माह के भीतर जिला कमेटी गठित कर सूची प्रदेश कार्यालय को सौंपने का दायित्व दिया गया।

आंधी-बारिश के बाद गुल हुई शहर की बिजली

रांची। मौसम में आए बदलाव और सोमवार की शाम को 30 किमी प्रतिघंटा से चली हवा और बारिश से रांची शहर की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। पेड़ों की टहनियां बिजली के तारों पर गिर गई, जिसके कारण सुरक्षात्मक कारणों से शहर के कई फीडरों से बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई। करीब एक घंटा तेज बारिश और हवा के चलने से रांची की बिजली बंद रही। जानकारी के अनुसार, बारिश व हवा कम होने के बाद एक-एक कर सभी फीडरों की बिजली बहाल कियाग या। लेकिन, पेड़ों की टहनियां बिजली के तारों पर लटके रहने के कारण बारिश के बाद लोकल फॉल्ट की समस्या आनी शुरू हुई, तब तक कई मोहल्लों व इलाकों की बिजली बंद रखी गई। बारिश समाप्त होने के बाद विभिन्न विद्युत प्रमंडल के द्वारा अपने-अपने इलाकों में गश्ती की गई और तारों में पेड़ों की टहनियां गिरी हुई हैं या नहीं, उसका जायजा लिया गया। इसके बाद क्रमवार फीडरों से बिजली बहाल करनी शुरू हुई। बीच-बीच में छोटी स्थानीय खराबी की शिकायत आई, जिसके कारण कई मोहल्लों में बारिश बाद भी एक घंटे से ज्यादा समय बिजली बंद रही।

द पॉलिसी ट्रायथलॉन में आईआईएम शिलांग की टीम हुए विजेता

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रांची में सोमवार को राष्ट्रीय स्तर की पब्लिक पॉलिसी प्रतियोगिता 'विधानः द पॉलिसी ट्रायथलॉन' के दूसरे संस्करण का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता आईआईएम रांची और नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ (एनयूएसआरएल), रांची की एक अनूठी संयुक्त पहल है। वर्ष 2025 में शुरू किए गए इस छात्र-नेतृत्व वाले मंच का मुख्य उद्देश्य युवाओं के बीच साक्ष्य-आधारित सार्वजनिक नीति विमर्श, व्यावहारिक नीति-चिंतन और स्वस्थ लोकतांत्रिक चर्चा को बढ़ावा देना है। आयोजन की कमान एनयूएसआरएल की कौटिल्य सोसाइटी और आईआईएम रांची के पॉलिट्रिक्स व पैराडॉक्स क्लब के हाथों में रही। प्रतियोगिता में देशभर के प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे आईआईएम, एनएलयू और आईआईटी के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कड़े मूल्यांकन चरणों के बाद कुल 11 टीमों ने राष्ट्रीय फाइनल में जगह बनाई और समसामयिक नीतिगत विषयों पर अपने प्रभावी प्रस्ताव व समाधान प्रस्तुत किए। प्रतिस्पर्धा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए आईआईएम शिलांग की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जिन्हें 20,000 रुपये की नकद राशि प्रदान की गई। एनयूएसआरएल रांची की टीम दूसरे स्थान (15,000 रुपये) पर रही, जबकि राजीव गांधी राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, पटियाला की टीम ने तीसरा स्थान (10,000 रुपये) हासिल किया। नीति-निर्माण में युवाओं की भूमिका अहम समापन सत्र में मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने विजेता व फाइनलिस्ट टीमों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए।

उन्होंने नीति-निर्माण की प्रक्रिया में युवाओं की सक्रिय भागीदारी को राष्ट्र के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

बीआईटी के छात्रों ने बनाया ऑल-टेरेन व्हीकल, राष्ट्रीय प्रतियोगिता में दिखाएंगे दम

रांची। बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान (बीआईटी), मेसरा के 'फायरबोल्ट रेसिंग क्लब' द्वारा सोमवार को संस्थान परिसर में विशेष प्रदर्शन और सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उद्देश्य छात्रों द्वारा निर्मित ऑल-टेरेन व्हीकल (एटीवी) का प्रदर्शन करना और राष्ट्रीय स्तर की आगामी प्रतियोगिता से पूर्व संस्थान के अधिकारियों के साथ संवाद करना था। कार्यक्रम के दौरान टीम ने अपने निर्मित आईसी इंजन आधारित ऑल-टेरेन व्हीकल का सजीव प्रदर्शन किया। क्लब के सदस्यों ने वाहन की डिजाइन प्रक्रिया, निर्माण के चरणों और इसकी तकनीकी बारीकियों की विस्तृत जानकारी दी। अधिकारियों और शिक्षकों ने वाहन का बारीकी से अवलोकन कर छात्रों के तकनीकी कौशल की सराहना की और उनका उत्साहवर्धन किया। यह टीम हैदराबाद में आयोजित होने वाली प्रतिष्ठित 'बाजा साई इंडिया-2026' प्रतियोगिता में संस्थान का प्रतिनिधित्व करेगी। समारोह में संस्थान के रजिस्ट्रार डॉ. सुदीप दास, छात्र मामलों के डीन डॉ. प्रवीण श्रीवास्तव, एसोसिएट डीन डॉ. गौतम शांडिल्य, परीक्षा नियंत्रक डॉ. ऋतेश कुमार सिंह और फैकल्टी एडवाइजर डॉ. परितोष महता उपस्थित थे।

पूर्व केंद्रीय मंत्री व टीएमसी नेता मुकुल राय का निधन अपूरणीय क्षति : सीएम

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एक्स पोस्ट के जरिए कहा कि पूर्व केंद्रीय रेल मंत्री और तृणमूल कांग्रेस नेता मुकुल रॉय के निधन से मन आहत है। मुकुल रॉय का निधन बंगाल की राजनीति के लिए अपूरणीय क्षति है। मरांग बुरु दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान कर परिवारजनों और उनके शुभचिंतकों को दुःख की यह घड़ी सहन करने की शक्ति दें।

मुकुल रॉय के निधन पर नुरुल्लाह हबीब नदवी ने जताया दुख

टीएमसी के वरिष्ठ नेता मुकुल रॉय के निधन पर नुरुल्लाह हबीब नदवी ने गहरी संवेदना प्रकट की है।

पूर्व सदस्य, सलाहकार समिति दक्षिण पूर्व रेलवे एवं रेल मंत्रालय भारत सरकार से जुड़े नदवी ने कहा कि अपने रेल मंत्री कार्यकाल के दौरान मुकुल रॉय ने उन्हें दक्षिण पूर्व रेलवे की सलाहकार समिति का सदस्य नियुक्त किया था, जो उनके लिए सम्मान की बात रही। उन्होंने कहा, "उनके निधन से मुझे व्यक्तिगत रूप से गहरा आघात पहुंचा है।

इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं। ईश्वर उनके परिवार को यह अपार दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।" मुकुल रॉय का निधन भारतीय राजनीति के लिए एक अपूरणीय क्षति माना जा रहा है, जिससे सार्वजनिक जीवन व राजनीतिक जगत में शोक की लहर है।

झारखंड का बजट लोगों के जीवन में खुशहाली लाएगा : लाल किशोर

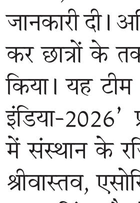

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता लाल किशोर नाथ शाहदेव ने उम्मीद जताई है कि मंगलवार को विधानसभा में पेश होने वाला बजट सभी वर्गों के जीवन में खुशहाली लाएगा। उन्होंने कहा कि यह बजट चुनाव पूर्व किए गए वादों को पूरा करने की दिशा में एक और कदम बढ़ाने का प्रयास होगा। लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि केंद्र की तुलना में लोगों को राज्य के बजट से अधिक उम्मीदें होती हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि राज्य सरकार सीधे तौर पर सड़क, पानी, खेती, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे बुनियादी मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करती है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026-27 का बजट समाज के हर वर्ग को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इसमें विशेष रूप से युवा, महिला और किसानकी प्रगति और जरूरतों को प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही कल्याणकारी योजनाओं के जरिए कमजोर वर्गों को मजबूती दी जाएगी। प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि बजट में राज्य में इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार पर जोर रहेगा। आर्थिक संतुलन और अनुशासन प्रवक्ता के अनुसार, सरकार वित्तीय नियमों का पूरी तरह पालन किए जाने की संभावना है। बजट में राजस्व का प्रबंधन इस तरह किया जाएगा कि विकास के साथ-साथ राजकोषीय अनुशासन भी बना रहे। लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि बजट तैयार करने से पहले मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री ने विभिन्न संगठनों के साथ कई दौर की बैठकें की हैं।

कार्यक्रम वनबंधु परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विजय माहेश्वरी का हुआ रांची आगमन

संरक्षक प्रशिक्षण वर्ग का किया उद्घाटन

- संरक्षक और अन्य दायित्वधारियों के दायित्वों पर भी विस्तृत चर्चा हुई

नवीन मेल संवाददाता

रांची। वन बंधु परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विजय माहेश्वरी ने एकल अभियान के अंतर्गत सरंक्षक प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन करते हुए प्रशिक्षण कराया। इसमें वन बंधुपरिषद के रांची, धनबाद, जमशेदपुर चैप्टर के पदाधिकारियों एवं सेवाव्रतियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि व मुख्य वक्ता के रूप में एकल अभियान के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विजय महेश्वरी उपस्थित थे।

उनके साथ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेखा जैन एव पूर्वी क्षेत्र के अध्यक्ष रमेशधरणिधरका भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में एकल अभियान, एकल परिवार, एकल अभियान ट्रस्ट, केंद्रीय कार्यकारिणी/ नगर संगठन/ ग्राम संगठन, संगठन सरंचना, प्रभाग/संभाग/ भाग/ अंचल, संरक्षक योजना पर विस्तार से बताया गया। संरक्षक और अन्य दायित्वधारियों के दायित्वों पर भी विस्तृत चर्चा हुई।

रांची चैप्टर के अध्यक्ष अंचल किंगर ने स्वागत भाषण दिया। अमरेंद्र विष्णुप्रिय ने सबको एक दूसरे से परिचित करवाया। जीतू पहान ने मुख्य वक्ता को प्रशिक्षण में सहयोग देने का कार्य किया।

रांची चैप्टर के सचिव के धन्यवाद ज्ञापन एवं राजनाथ उरांव के कल्याण मंत्र के साथ कार्यक्रम की समाप्ति हुई। इस अवसर पर रांची से प्रदीप जैन, सतीश तुलसयान, उषा जालान, चंद्रकांत रायपत, मुकेश अग्रवाल, प्रभा, जमशेदपुर से अखिलेश दुबे, राजेश मित्तल, धनबाद से रवि ओझा, दयानन्द तिवारी, जानकी साव, बलदेव महतो विशेषरूप से उपस्थित रहे।

पृष्ठ एक के शेष

झारखंड में नगर निकाय चुनाव संपन्न...

गिरिडीह के वार्ड 18 में दो पक्षों के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। पथराव और मारपीट के बाद सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। गुमला के अंबेडकर नगर मतदान केंद्र पर भी दो गुटों के बीच विवाद बढ़कर मारपीट तक पहुंच गया। जमशेदपुर के जुगसलाई क्षेत्र में फर्जी मतदान के आरोप को लेकर करीब एक घंटे मतदान बाधित रहा। रांची के हिंदपीढ़ी इलाके में भी दो गुटों के बीच जमकर मारपीट हुई। साहिबगंज में चुनाव ड्यूटी के दौरान एक होमगार्ड जवान की राइफल से गलती से गोली चलने से कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। कई स्थानों पर मतदाताओं ने शिकायत की कि एक ही परिवार के सदस्यों के नाम अलग-अलग बूथों पर दर्ज थे। कुछ मतदाताओं को बूथ बदलने की जानकारी समय पर नहीं मिली, जिससे वे एक केंद्र से दूसरे केंद्र तक भटकते रहे। चुनाव प्रबंधन को लेकर दो महत्वपूर्ण मुद्दे भी उभरे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मतदान कार्य में लगे लगभग 50 हजार कर्मियों के लिए डाक मतपत्र की व्यवस्था नहीं होने से वे अपने मताधिकार का उपयोग नहीं कर सके। इसके अलावा पार्षद और मेयर-अध्यक्ष पद के मतपत्र एक ही मतपेटी में डलवाने की व्यवस्था पर भी सवाल उठे। कई प्रत्याशियों ने आशंका जताई कि इससे मतगणना के दौरान छंटनी में अधिक समय लगेगा और भ्रम की स्थिति बन सकती है। झारखंड राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव राधेश्याम प्रसाद ने सोमवार को बताया कि सुबह 7:00 बजे से शाम पांच बजे तक लगभग 61.84 प्रतिशत मतदान रिकॉर्ड किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य के विभिन्न जिलों से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ है।

झारखंड के वरिष्ठतम पत्रकार बलबीर..

उनके घर देशप्राण गली में किसी बीएलओ ने न संपर्क किया था और ना ही पर्ची पहुंचाई थी। निर्वाचन आयुक्त अलका तिवारी से इस विषय पर बात करने पर उन्होंने कहा कि वे जांच कराएंगी कि बीएलओ क्यों नहीं गया और ऐसा क्यों हुआ।

आज से वडोदरा में 72वीं सीनियर नेशनल मेंस कबड्डी चैंपियनशिप की शुरुआत

एजेंसी। नई दिल्ली

वडोदरा के समा इंडोर कॉम्प्लेक्स में 24 से 27 फरवरी के बीच 72वीं सीनियर नेशनल मेंस कबड्डी चैंपियनशिप 2026 का आयोजन होगा। इस प्रतियोगिता में भारत से 31 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिसमें करीब 400 खिलाड़ी खिताब के लिए कड़ा मुकाबला करेंगे।

एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया (एकेएफआई) की तरफ से आयोजित इस टूर्नामेंट में अनुभवी खिलाड़ियों और उभरती प्रतिभाओं का मिश्रण देखने को मिलेगा। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 12 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागी भी प्रतिस्पर्धा करेंगे। प्रमुख खिलाड़ियों में पीकेएल सीजन 12 के शीर्ष 3 रेडर शामिल हैं। इनमें अयान लोहचब, देवांक दलाल और भरत हुड्डा भी हैं। पिछले सीजन में दबंग दिल्ली को जीत दिलाने वाले आशु मलिक अब रेलवे की ओर से खेलेंगे। इस बीच, अर्जुन देशवाल उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते नजर आएंगे। इस टूर्नामेंट में तमिलनाडु के दीपक शंकर जैसे उभरते हुए टैलेंट दिखाई देंगे, जिन्होंने बेंगलुरु बुल्स के लिए 64 टैकल प्वाइंट्स हासिल किए थे और पीकेएल 12 में उन्हें सीजन का 'न्यू यंग प्लेयर' चुना गया। महाराष्ट्र की तरफ से पुणेरी पलटन के रेडर आदित्य शिंदे शामिल हैं, जिन्होंने पांच सुपर रेड के साथ 159 रेड प्वाइंट्स हासिल किए। हरियाणा के डिफेंडर नितेश कुमार भी हिमाचल प्रदेश के होनहार खिलाड़ी अनिल और मध्य प्रदेश के उदय परते के साथ मुकाबला करेंगे। डिफेंडिंग चैंपियन सर्विसेज के खेमे में देवांक दलाल, नवीन कुमार, भरत हुड्डा, अंकित जगलान और जयदीप दहिया जैसे स्टार खिलाड़ी हैं। इन खिलाड़ियों के बूते टीम आगामी टूर्नामेंट में अपना टाइटल डिफेंड करने का लक्ष्य रखेगी। रेलवे, हरियाणा और महाराष्ट्र, जिनमें से हर एक के पास मजबूत टीमें हैं, उनसे कड़े मुकाबले की उम्मीद है, जिससे यह एक बहुत ही कॉम्पिटिटिव इवेंट होने की उम्मीद है।

वेस्टइंडीज के सामने टिक भी नहीं पाए जिम्बाब्वे के लड़ाके

107 रनों से हारी जिम्बाब्वे की टीम

एजेंसी। मुंबई

श्रीलंका की परिस्थिति में ऑस्ट्रेलिया जैसी टीम को हराने वाले जिम्बाब्वे को भारत में आते ही टी20 विश्व कप में करारी हार मिली है। सुपर-8 के अपने पहले मुकाबले में जिम्बाब्वे का सामना वेस्टइंडीज से हुआ। दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज ने मैच को 107 रनों के बड़े अंतर से अपने नाम किया। यह इस टी20 विश्व कप की रनों से सबसे बड़ी जीत भी है। पहले खेलते हुए वेस्टइंडीज ने 6 विकेट पर 254 रन बनाए। यह टूर्नामेंट के इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। जिम्बाब्वे की पारी सिर्फ 147 रनों पर ही सिमट गई।

जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने टॉस जीतकर बॉलिंग का फैसला किया। कैरेबियाई टीम की शुरुआत खराब रही। ब्रेंडन किंग 12 गेंदों पर सिर्फ 9 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान शाई होप ने 12 गेंदें में 14 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद शिमरोन हेटमायर और रोवमैन पॉवेल ने मोर्चा संभाला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 122 जोड़े। हेटमायर शुरुआत से ही ताबड़तोड़ अंदाज में बैटिंग करते हुए नजर आए। उन्होंने महज 19 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। हेटमायर ने 34 गेंदों पर 7 चौके और इतने ही छक्कों की मदद से 85 रनों की पारी खेली। उन्हें दो जीवनदान भी मिले।

रोवमैन पॉवेल ने फिफ्टी तक पहुंचने के लिए 29 गेंदें खेलीं। पॉवेल ने 35 गेंदों का सामना करते हुए 59 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में कैरेबियाई बल्लेबाज ने चार चौके और 4 छक्के लगाए। रोमारियो शेफर्ड ने सिर्फ 10 गेंदों में 21 रन बनाए, जबकि जेसन होल्डर ने 4 गेंदों में 13 रनों का योगदान दिया। रदरफोर्ड ने महज 13 गेंदों का सामना करते हुए 3 चौके और 2 सिक्स की मदद से नाबाद 31 रन बनाए। गेंदबाजी में जिम्बाब्वे की ओर से ब्लेसिंग मुजारबानी ने सर्वाधिक 2 विकेट चटकाए।

जिम्बाब्वे : ब्रायन बेनेट, तदिवानाशे मारुमानी (विकेटकीपर), डियोन मायर्स, सिकंदर रजा (कप्तान), रयान बर्ल, टोनी मुनयोंगा, ताशिंगा मुसेकीवा, ब्रैड इवांस, ग्रीम क्रेमर, रिचर्ड नगारवा, ब्लेसिंग मुजराबानी
वेस्टइंडीज : ब्रैंडन किंग, शाई होप (विकेटकीपर), शिमरॉन हेटमायर, रोवमैन पॉवेल, शेरफेन रदरफोर्ड, जेसन होल्डर, रोमारियो शेफर्ड, मैथ्यू फोर्ड, अकील होसेन, गुडाकेश मोटी, शमर जोसेफ

बेंगलुरु में इंडियन विमेंस हॉकी टीम का नेशनल कैंप

सीनियर्स से मिल रहा जूनियर्स को मार्गदर्शन

एजेंसी। बेंगलुरु

इंडियन विमेंस हॉकी टीम बेंगलुरु में नेशनल कैंप में अपनी कड़ी ट्रेनिंग जारी रखे हुए है। फोकस स्किल बढ़ाने और टैक्टिकल डिसिप्लिन पर जोर बना हुआ है। चीफ कोच शोर्ड मारिन और साइंटिफिक एडवाइजर वेन लोम्बार्ड के मार्गदर्शन में 18 वर्षीय मिडफील्डर साक्षी राणा इस मौके का इस्तेमाल अपने खेल को बेहतर बनाने में कर रही है।

साक्षी ने पिछले साल स्पेन के खिलाफ गोल करके सीनियर स्तर पर यादगार डेब्यू किया था। भारतीय कैंप में रोजाना ग्रोथ और फिजिकल कंडीशनिंग के लिए एक बेहतरीन माहौल है।

कैंप के माहौल के बारे में साक्षी ने बताया, "जिन चीजों में हमारी कमी है, वे हमें उन पर दिन-प्रति-दिन काम करने के लिए मजबूर कर रही हैं। वेन सर बहुत अच्छा काम कर रहे हैं, इस बात पर ध्यान दे रहे हैं कि कितनी ताकत और फिटनेस की जरूरत है। हमें रिकवरी की अहमियत सिखा रहे हैं। जहां तक स्ट्रक्चर की बात है, वे सब कुछ धीरे-धीरे और साफ-साफ समझा रहे हैं। सीनियर खिलाड़ी भी हम जूनियर खिलाड़ियों को लगातार अपना बेस्ट देने के लिए मोटिवेट कर रहे हैं।"

अपने करियर की शुरुआत में मिडफील्ड में खेलने वाली साक्षी का नैचुरली तेज, अटैकिंग खेलने का स्टाइल शुरू में सोनीपत में प्रीतम सिवाच एकेडमी में कोच कुलदीप के अंडर डेवलप हुआ था। अब, सीनियर सेटअप में, कोचिंग स्टाफ उन्हें उस नैचुरल स्पीड को टैक्टिकल अवेयरनेस के साथ बैलेंस करने में मदद कर रहा है।

साक्षी ने बताया, "मीटिंग में, कोच ने मुझसे कहा कि मैं जो कर रही हूं, वही करती रहूं। हालांकि, उन्होंने मेरी प्री-स्कैनिंग और ऑन-फील्ड कम्युनिकेशन को बेहतर बनाने की जरूरत पर जोर दिया, क्योंकि मैं सेंटर में खेलती हूं। टीम मीटिंग में, हम स्ट्रक्चर पर बहुत ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। बॉल को कैसे पकड़ना है और कब पास करना है, यह जानना, चकमा देने के बजाय, क्योंकि इंटरनेशनल लेवल पर दबाव बहुत जल्दी आ जाता है।" हॉकी इंडिया लीग में उनके हालिया समय से भी उनकी तैयारी को बहुत फायदा हुआ है।

जिंदल पोलो एस्टेट कप 24 फरवरी से, नोएडा करेगा मेजबानी

नई दिल्ली। जिंदल पोलो एस्टेट कप (चार गोल) प्रतियोगिता का आयोजन 24 फरवरी से 01 मार्च तक नोएडा स्थित जिंदल पोलो एस्टेट मैदान में किया जाएगा। यह प्रतियोगिता देश के उभरते और अनुभवी पोलो खिलाड़ियों को एक मंच पर लाएगी, जहां पूरे सप्ताह तेज़ रफ्तार और रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। इस प्रतियोगिता में सात टीमें डायनामोज, यंगस्टर्स, मेफेयर पोलो, ट्रोजन्स, जिंदल पैंथर, टीम एक्स और मैलेट मास्टर्स भाग लेंगी, जो समूह चरण और नॉकआउट चरण में प्रतिस्पर्धा करेंगी। सभी टीमें चार गोल हैंडीकैप प्रारूप में अपने-अपने खिलाड़ी उतारेंगी। यह आयोजन देश में पोलो खेल की बढ़ती गहराई और प्रतिभा को प्रदर्शित करेगा। विशेष आकर्षण के रूप में नवीन जिंदल स्वयं जिंदल पैंथर टीम की ओर से मैदान में उतरेंगे, जो खेल के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और सक्रिय भागीदारी को दर्शाता है। प्रतियोगिता में कई प्रमुख खिलाड़ी भी भाग लेंगे, जिनमें सिमरन शेरगिल (चार गोल) और शमशीर अली (चार गोल) सर्वोच्च रैंक वाले खिलाड़ी हैं। इनके अलावा सिद्धांत शर्मा (तीन गोल), हुर्र अली (तीन गोल) और नवीन सिंह (तीन गोल) जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी अपनी-अपनी टीमों के लिए रणनीतिक कौशल और मैच जिताने की क्षमता लेकर मैदान में उतरेंगे। टीमों को दो समूहों में विभाजित किया गया है। समूह 'क' में डायनामोज, यंगस्टर्स, मेफेयर पोलो और ट्रोजन्स शामिल हैं, जबकि समूह 'ख' में जिंदल पैंथर, टीम एक्स और मैलेट मास्टर्स को रखा गया है। प्रत्येक जीत पर दो अंक दिए जाएंगे।

खेले जाएंगे 3 वनडे और इतने ही टेस्ट

साउथ अफ्रीका का दौरा करेगी ऑस्ट्रेलियाई टीम

एजेंसी। नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलियाई टीम इस वर्ष सितंबर- अक्टूबर के बीच साउथ अफ्रीका का दौरा करेगी। इस दौरान 3 वनडे और इतने ही टेस्ट मुकाबलों की सीरीज खेली जाएगी। ऐसे में यह बॉल-टैंपरिंग प्रकरण के बाद ऑस्ट्रेलिया का पहला साउथ अफ्रीकी दौरा होगा। यह बदनाम टेस्ट मैच साल 2018 में केपटाउन में खेला गया था।

क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने 2026-27 सीजन के लिए अपना इंटरनेशनल शेड्यूल जारी किया है। ऑस्ट्रेलिया का यह टूर सितंबर में तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज से शुरू होगा। इस सीरीज का पहला मैच 24 सितंबर को डरबन में खेला जाएगा। इसके बाद 27 सितंबर को जोहान्सबर्ग दूसरे मैच की मेजबानी करेगा। सीरीज का अंतिम मुकाबला 30 सितंबर को पोटचेफस्ट्रूम में आयोजित होगा।

पोटचेफस्ट्रूम में एक वार्म-अप मैच भी इस टूर का हिस्सा है। ऑस्ट्रेलिया के साउथ अफ्रीका जाने से पहले पड़ोसी देश जिम्बाब्वे में लिमिटेड ओवर के मैच खेलने की भी उम्मीद है। इसके बाद डरबन में 9-13 अक्टूबर के बीच टेस्ट सीरीज का पहला मैच आयोजित होगा। दूसरा मुकाबला 18-22 अक्टूबर को गकेबरहा में खेला जाएगा। सीरीज का तीसरा मैच 27-31 अक्टूबर के बीच केपटाउन में होगा। मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई टीम के कई सदस्य, जो 2018 के टूरिंग ग्रुप का हिस्सा थे। इनमें कप्तान पैट कमिंस, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, नाथन लियोन और जोश हेजलवुड शामिल हैं। डेविड वार्नर, जिन पर स्मिथ के साथ 2018 की घटना में शामिल होने के लिए 12 महीने का बैन लगा था, इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायर हो चुके हैं। हालांकि, कैमरून बैनक्रॉफ्ट, जिन पर 9 महीने का सस्पेंशन लगा था, उनके खेलने की संभावना नहीं है।

सितंबर से जनवरी के बीच इन 3 देशों की मेजबानी करेगा साउथ अफ्रीका

एजेंसी। नई दिल्ली

क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने सितंबर 2026 से जनवरी 2027 के बीच पुरुष क्रिकेट टीम के शेड्यूल का ऐलान किया है। इस बीच साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलियाई टीम की मेजबानी करने के बाद बांग्लादेश और इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज खेलेगा।

साउथ अफ्रीकी टीम 24-30 सितंबर के बीच ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध अपने घर में तीन वनडे मुकाबलों की सीरीज खेलेगी। इसके बाद 9-31 अक्टूबर के बीच दोनों देश तीन टेस्ट मुकाबले खेलेंगे। मौजूदा आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियंस इसके बाद 9 अक्टूबर से डरबन में शुरू होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में अपने टाइटल डिफेंस को जारी रखेंगे। गकेबरहा (18-22 अक्टूबर) और न्यूलैंड्स (27-31 अक्टूबर) क्रमशः बाकी दो गेम होस्ट करेंगे।

इसके बाद साउथ अफ्रीकी टीम 15-27 नवंबर के बीच बांग्लादेश के विरुद्ध दो टेस्ट मुकाबलों की सीरीज खेलेगी, जिसके बाद 1-7 दिसंबर के बीच तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज खेली जाएगी। साउथ अफ्रीका इस टीम के खिलाफ 10-13 दिसंबर के बीच तीन टी20 मुकाबलों की सीरीज की मेजबानी भी करेगा।

व्यापार/लाइफ व साइंस

प्रोप्राइटरी ट्रेडर्स और ब्रोकर लोन नियमों में बदलाव की कोई योजना नहीं : आरबीआई

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने साफ कर दिया है कि हाल ही में जारी किए गए उन नियमों में बदलाव की कोई योजना नहीं है जो बैंकों द्वारा प्रोप्राइटरी ट्रेडर्स और ब्रोकरों को दिए जाने वाले कर्ज से जुड़े हैं। यह जानकारी सोमवार को आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने दी। इस महीने की शुरुआत में जारी नए नियमों के तहत आरबीआई ने ब्रोकरों को दी जाने वाली बैंक गारंटी के लिए कोलेटरल (गिरवी) की शर्तें कड़ी कर दी हैं। साथ ही, बैंकों को प्रोप्राइटरी ट्रेडिंग के लिए ब्रोकरों को कर्ज देने से रोक दिया गया है। ये नए नियम 1 अप्रैल से लागू होंगे। इन नियमों के बाद पिछले सप्ताह ब्रोकरेज कंपनियों के शेयरों में गिरावट देखी गई। बाजार में यह चिंता जताई जा रही है कि नए नियमों से ब्रोकरों के मुनाफे पर असर पड़ेगा और ट्रेडिंग वॉल्यूम भी घट सकता है। ब्रोकरों ने इन नियमों की समीक्षा की मांग करते हुए बाजार नियामक को एक पत्र भी भेजा है।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बोर्ड बैठक के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि ये नियम व्यापक परामर्श के बाद अंतिम रूप दिए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा, "इन नियमों में किसी बदलाव पर विचार नहीं किया जा रहा है।"गवर्नर ने यह भी बताया कि आरबीआई ने भारत के महंगाई लक्ष्य (इन्फ्लेशन टार्गेटिंग) ढांचे को लेकर अपनी सिफारिशें सरकार को भेज दी हैं। यह समीक्षा मार्च के अंत तक होनी है। हालांकि उन्होंने सिफारिशों का विवरण साझा नहीं किया। भारत में आरबीआई को खुदरा महंगाई दर 4 प्रतिशत पर बनाए रखने का लक्ष्य दिया गया है, जिसमें 2 प्रतिशत से 6 प्रतिशत तक का दायरा तय है।

बैंक मिस-सेलिंग बंद करें, अपने मूल काम पर दें ध्यान: वित्त मंत्री

एजेंसी। नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को बैंकों को सख्त संदेश देते हुए कहा कि उन्हें अपने मूल काम पर ध्यान देना चाहिए, न कि ग्राहकों को जबरन बीमा जैसे उत्पाद बेचने (मिस-सेलिंग) में समय लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मिस-सेलिंग एक अपराध है और इसे किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

बजट के बाद भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के केंद्रीय निदेशक मंडल के साथ बैठक के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में वित्त मंत्री ने कहा कि वह लगातार मिस-सेलिंग के मुद्दे को उठाती रही हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई ग्राहक घर के लिए लोन लेने आता है और उसके पास पर्याप्त गारंटी (कोलेटरल) है, तो उसे अतिरिक्त बीमा पॉलिसी लेने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। सीतारमण ने कहा कि उन्हें खुशी है कि आरबीआई ने बैंकों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि मिस-सेलिंग बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैंकों को अपना मुनाफा लोन देने और जमा जुटाने जैसे मुख्य कार्यों से कमाना चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि बैंकों को चालू खाता और बचत खाता (सीएएसए) जमा बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने बताया कि पहले जब बैंक अतिरिक्त धन की मांग लेकर आए थे, तब उन्होंने साफ कहा था कि बैंकों को सीधे पैसा देने के बजाय सीएएसए के माध्यम से संसाधन जुटाने को प्राथमिकता देनी चाहिए।

एआई समिट से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्षेत्र में भारत की स्थिति मजबूत हुई : निमित चौधरी

- **आयोजन का श्रेय नरेंद्र मोदी को देते हुए कहा— भारत एआई में बड़ा खिलाड़ी बनकर उभरेगा**

एजेंसी। नई दिल्ली

कोटा में राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी के वाइस-चांसलर निमित चौधरी ने सोमवार को कहा कि इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्षेत्र में भारत की स्थिति मजबूत हुई और एक बड़े खिलाड़ी के रूप में स्थापित होने में देश को मदद मिली है। इस समिट को सफलतापूर्वक आयोजित करने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देते हुए समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में चौधरी ने कहा कि भारत आने वाले समय में एआई में लीड करेगा और एक बड़े खिलाड़ी के रूप में उभरेगा। उन्होंने आगे कहा कि एआई के लिए बड़ी मात्रा में इन्फ्रास्ट्रक्चर की आवश्यकता होगी।

ऐसे में इस तरह का आयोजन होना, दिखाता है कि सरकार एआई के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। चौधरी ने समिट में यूथ कांग्रेस के प्रदर्शन पर काफी दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि यह जगह राजनीति की नहीं थी। यहां भारत की क्षमता को दिखाया जा रहा था और देश अपनेआप को एआई में एक बड़े खिलाड़ी के रूप में स्थापित कर रहा था। इस समय पर कोई भी ऐसी चीज करना, जो कि उत्पादकता के लिए सही नहीं हो, काफी खराब आईडिया है। मुझे लगता है कि ऐसा नहीं होना चाहिए।

एआई मानव इतिहास का परिवर्तनकारी क्षण : मोदी

समिट में अपने मुख्य संबोधन में पीएम मोदी ने एआई को मानव इतिहास का परिवर्तनकारी क्षण बताया था और यह कहा था कि यह मानव सामर्थ्य को कई गुना बढ़ाएगी। पीएम मोदी ने कहा कि एआई दुनिया के बड़े टेक्नोलॉजी बदलाव की तरह है। बस इसमें फर्क यह है कि पहले की तरह नई टेक्नोलॉजी आने में दशकों का समय नहीं लग रहा है, बल्कि यह बदलाव काफी तेज हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि आज मशीन लर्निंग से लर्निंग मशीन तक का सफर तेज भी है, गहरा भी है और व्यापक भी है। हमें विजन भी बड़ा रखना है और जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी निभानी है। इस समिट का मूल उद्देश्य एआई को मशीन केंद्रित से मानव केंद्रित और संवेदनशील एवं उत्तरदायी बनाने पर है।

वित्त वर्ष 2026 की पहली तीन तिमाहियों में इंडिया पोस्ट की आय 8.8 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। भारतीय डाक विभाग (इंडिया पोस्ट) ने सोमवार को अपनी आय बढ़ाने, कामकाज को अधिक कुशल बनाने और जमीनी स्तर पर नेटवर्क मजबूत करने के लिए एक व्यापक रोडमैप पेश किया। विभाग ने बताया कि वित्त वर्ष 2025–26 की पहली तीन तिमाहियों में उसकी कुल आय में 8.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में अधिक है। विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025 में पहली तीन तिमाहियों में डाक विभाग का कुल राजस्व 9,385 करोड़ रुपए था, जो वित्त वर्ष 2026 की समान अवधि में बढ़कर 10,211 करोड़ रुपए हो गया। पार्सल सेगमेंट में 12.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह बढ़ोतरी उत्पादों के पुनर्गठन, बेहतर लॉजिस्टिक्स और ई-कॉमर्स हब वाले शहरों में विशेष रणनीति के कारण संभव हुई।

भारतीय शेयर बाजार तेजी के साथ हरे निशान में बंद

मुंबई। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार तेजी के साथ हरे निशान में बंद हुआ। इस दौरान घरेलू बाजार के प्रमुख बेंचमार्क बीएसई सेंसेक्स 0.58 प्रतिशत यानी 479.95 अंकों की बढ़त के साथ 83,294.66 पर बंद हुआ, तो वहीं निफ्टी 0.55 प्रतिशत यानी 141.75 अंक बढ़कर 25,713 पर बंद हुआ। सोमवार को घरेलू बाजार में मिला-जुला रुख देखने को मिला। निफ्टी मिडकैप 0.43 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि एनएसई स्मॉलकैप 0.29 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ। सेक्टरवार देखें तो, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी मिडस्मॉल हेल्थकेयर शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया, जिनमें क्रमशः 1.36 प्रतिशत और 1.03 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। वहीं, निफ्टी आईटी सबसे कमजोर प्रदर्शन करने वाला इंडेक्स रहा, इसके बाद निफ्टी केमिकल्स इंडेक्स का स्थान रहा। सेंसेक्स पैक में, अदाणी पोर्ट्स, कोटक बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, पावरग्रिड, एक्सिस बैंक और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली और ये टॉप गेनर्स की लिस्ट में शामिल रहे। वहीं, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, ट्रेंट, एचसीएल टेक, बजाज फिनसर्व और आईटीसी के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। इस तरह, भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांकों में लगातार दूसरे सत्र में बढ़त देखने को मिली। पीएसयू बैंक और हेल्थकेयर शेयरों में तेजी से बाजार को समर्थन मिला। साथ ही, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पारस्परिक टैरिफ नीति को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा अवैध ठहराए जाने के बाद वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों ने भी घरेलू बाजार को मजबूती दी।